करेंट अफेयर्स

उत्तर प्रदेश

(संग्रह)

जुलाई 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश..... 4

- प्रथम आयुष विश्वविद्यालय..... 4
- नव्या पहल..... 6
- लखनऊ बना शून्य अपशिष्ट वाला शहर..... 6
- ऑपरेशन कन्विक्शन..... 8
- राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025..... 9
- उत्तर प्रदेश में नया ईवी पार्क..... 11
- भारत का पहला अश्व रोग-मुक्त कंपार्टमेंट (EDFC)..... 13
- उत्तर प्रदेश ने वैश्विक विनिर्माण बदलाव का लक्ष्य रखा..... 14
- उत्तर प्रदेश सरकार के विद्यालय विलय आदेश के विरुद्ध दायर याचिकाएँ खारिज..... 15
- अस्मिता 2025..... 17
- CPGRAMS पर 35 वीं रिपोर्ट..... 18
- उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब..... 20
- धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस..... 21
- उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021..... 22
- 'लर्निंग बाय डूइंग' कार्यक्रम..... 24
- उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक इमारतों का हेरिटेज होटलों के रूप में विकास..... 25
- आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने हेतु UNDP के साथ साझेदारी..... 27
- नमस्ते दिवस..... 28
- उत्तर प्रदेश ने 50 नदियों का पुनरुद्धार किया..... 30
- कौशल मेला 2025..... 31
- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR)..... 33
- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY)..... 34

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन 36
- महिला आर्थिक सशक्तीकरण (WEE) सूचकांक 38
- मंगल पांडे जयंती 39
- उद्यमी मित्रों के लिये HRMS पोर्टल 42
- FIDE विश्व कप 2025 भारत में आयोजित होगा 44
- काशी घोषणा-पत्र 45
- समर्थ पोर्टल 46
- अमृत सरोवर निर्माण में उत्तर प्रदेश प्रथम 47
- उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रमुख विकास परियोजनाओं को मंजूरी 49
- उत्तर प्रदेश का ग्राम-ऊर्जा मॉडल 50
- ABVMU में मियावाकी वन का उद्घाटन 51
- उत्तर प्रदेश में PMAY शहरी 2.0 के लिये वित्तपोषण 52
- लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ महिला सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 53
- दिव्या देशमुख महिला विश्व कप चैंपियन बनीं 54
- बुंदेलखंड का कालिंजर दुर्ग 55
- उत्तर प्रदेश में हरित हाइड्रोजन उत्पादन केंद्र की स्थापना 57
- मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ का सबसे लंबा कार्यकाल 58
- UPSIFS में पुलिसिंग कौशल बढ़ाने हेतु पाठ्यक्रम 59
- विद्युत सखी कार्यक्रम 61
- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस और उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या में वृद्धि 62
- पवित्र जल विनिमय कार्यक्रम 64
- मौसम सूचना नेटवर्क एवं डाटा प्रणाली (WINDS) परियोजना 65
- खिलाड़ियों को रोज़गार देकर सम्मानित किया 66
- उत्तर प्रदेश में बीज पार्क स्थापित 68
- उत्तर प्रदेश का पहला ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपण (TAVI) 69
- दिल्ली अपनाएगी उत्तर प्रदेश का डिजिटल शिकायत निवारण मॉडल 72
- सड़क सुरक्षा में एआई अपनाने वाला पहला राज्य 72
- मुंशी प्रेमचंद की जयंती 74

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश

प्रथम आयुष विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय **'महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय'** का गोरखपुर में उद्घाटन किया।

- उन्होंने इस क्षेत्र की **आध्यात्मिक** तथा **ऐतिहासिक विरासत** पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह **परमहंस योगानंद** की जन्मस्थली भी है।

मुख्य बिंदु

गोरखपुर की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत:

- **नाथ परंपरा:**
  - **श्री आदिनाथ**, **मत्स्येन्द्रनाथ** तथा गुरु गोरखनाथ की शिक्षाओं पर आधारित नाथ परंपरा की उत्पत्ति गोरखपुर में हुई।
  - समय के साथ यह **आध्यात्मिक परंपरा** संपूर्ण भारत में फैली तथा विश्व के अनेक देशों तक पहुँची, जिससे विविध **योगिक** एवं **तप साधना पद्धतियों** पर व्यापक प्रभाव पड़ा।
- **भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - गोरखपुर का महत्त्व केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि उसका भारत के **स्वतंत्रता आंदोलनों** से भी गहरा संबंध रहा है।
  - **18वीं शताब्दी** में साधुओं के नेतृत्व में हुए विद्रोहों से लेकर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तक, यह क्षेत्र निरंतर **प्रतिरोध का केंद्र** बना रहा।
  - **बाबू बंधू सिंह** तथा राम प्रसाद बिस्मिल जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान इस **पवित्र भूमि** से गहराई से जुड़ा है, जो इसके **साहस** तथा **देशभक्ति** की परंपरा को उजागर करता है।
- **गुरु गोरखनाथ के बारे में:**
  - गोरखनाथ, जिनका काल संभवत: **11वीं शताब्दी ईस्वी** के आसपास माना जाता है, एक **प्रख्यात हिंदू योगी** और **कानफटा योगियों** के आध्यात्मिक प्रवर्तक माने जाते हैं। यह संप्रदाय **हठ योग** का अभ्यास करने वाले तपस्वियों के रूप में प्रसिद्ध है।
  - **कनफटा योगी**, हठ योग के सिद्धांतों के अनुरूप **शारीरिक अनुशासन** तथा **आध्यात्मिक निपुणता** दोनों पर ज़ोर देते हैं। हठ योग, जो गोरखनाथ की शिक्षाओं से निकटता से जुड़ा है, एक ऐसी दार्शनिक एवं **आध्यात्मिक प्रणाली** है, जो **आध्यात्मिक पूर्णता** के मार्ग में **शरीर पर नियंत्रण** को माध्यम बनाती है।
  - यह विचारधारा **तप** को **गहन योगिक अनुशासन** के साथ संयोजित करती है, जो **कर्मकांडीय** अथवा **विशुद्ध भक्ति परंपराओं** से भिन्न मानी जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

परमहंस योगानंद के बारे में:

- **परिचय**
  - **परमहंस योगानंद** (1893–1952) पश्चिमी दुनिया में स्थायी निवास स्थापित करने वाले पहले **भारतीय योग गुरु** थे।
  - उन्होंने **20वीं सदी** के प्रारंभ में पश्चिमी समाज को भारतीय आध्यात्मिक दर्शन से परिचित कराने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई।
- **एक स्थायी आध्यात्मिक विरासत:**
  - हालाँकि उनकी प्रारंभिक उपस्थिति ने पश्चिम में गहरा **सांस्कृतिक प्रभाव** डाला, किंतु योगानंद की **स्थायी विरासत** उनके द्वारा प्रेरित **आध्यात्मिक जागृति** में निहित है।
  - उन्होंने वर्ष **1952** में अपने निधन तक सतत् रूप से **व्याख्यान देना**, **लेखन करना** तथा **क्रिया योग**, **ध्यान** और **सार्वभौमिक आध्यात्मिकता** के समन्वय को बढ़ावा देना जारी रखा।
  - वर्ष **1946** में प्रकाशित उनकी मौलिक कृति '**योगी की आत्मकथा**' ने पश्चिमी दुनिया में **आध्यात्मिक क्रांति** को जन्म दिया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

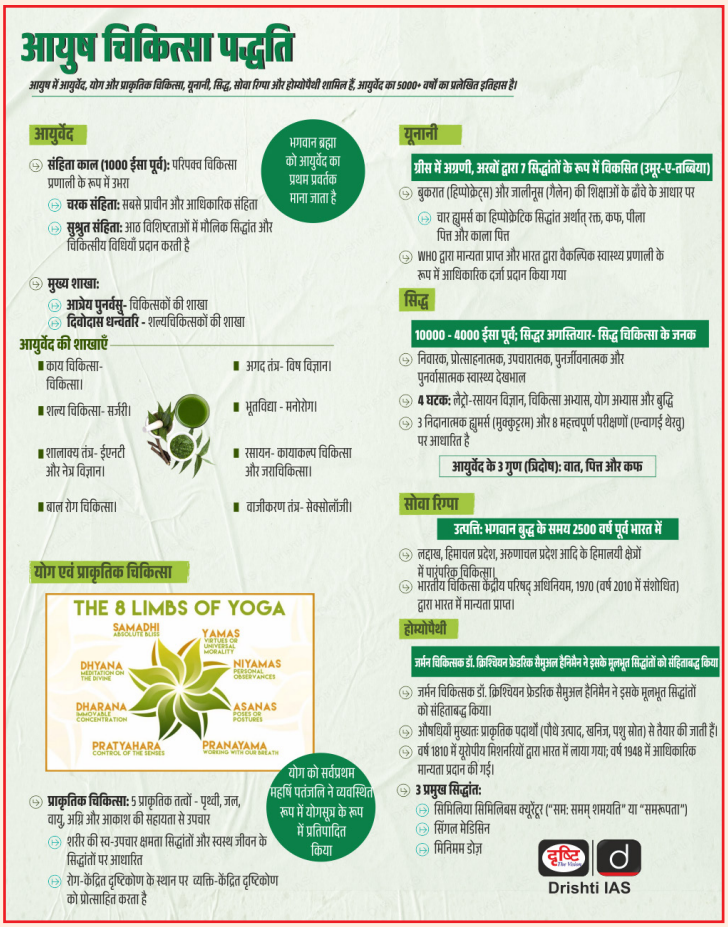

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

नव्या पहल

चर्चा में क्यों ?

किशोरियों को **सशक्त बनाने** के लिये उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र ज़िले** में **'नव्या – युवा किशोरियों के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आकांक्षाओं का पोषण'** कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सशक्तीकरण के लिये नव्या पहल:**
  - **नव्या, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय** तथा **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** की एक **संयुक्त पहल** है।
    - इसे **19 राज्यों** के 27 आकांक्षी ज़िलों में क्रियान्वित किया जाएगा ताकि **हाशिये पर स्थित** तथा **वंचित क्षेत्रों** को प्राथमिकता दी जा सके।
  - यह एक **पायलट पहल** है जिसका उद्देश्य **16–18 वर्ष** की आयु वर्ग की किशोरियों को, जो **कक्षा 10** की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता रखती हैं, मुख्यत: **गैर-पारंपरिक रोज़गार भूमिकाओं** में **व्यावसायिक प्रशिक्षण** प्रदान करना है।
    - यह पहल विकसित भारत@2047 **विज़न** के अनुरूप है तथा **महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास** को बढ़ावा देती है।
  - यह एक **कुशल, आत्मनिर्भर** और **समावेशी कार्यबल** के निर्माण हेतु सरकार की **प्रतिबद्धता** को मज़बूत करती है और **युवा लड़कियों** को **सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के वाहक** के रूप में स्थापित करती है।
  - यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) तथा अन्य प्रमुख कौशल विकास **योजनाओं** पर आधारित होगा।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):

- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में कौशल भारत मिशन की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) को क्रियान्वित किया गया है।
- इस योजना का उद्देश्य **भारतीय युवाओं** को बेहतर **आजीविका** और **समाज में सम्मान** दिलाने के लिये उन्हें **व्यावसायिक प्रशिक्षण** एवं **प्रमाणन** प्रदान करना है।
- PMKVY का कार्यान्वयन **कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय** (MSDE) के मार्गदर्शन में **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम** (NSDC) द्वारा किया जाता है।

लखनऊ बना शून्य अपशिष्ट वाला शहर

चर्चा में क्यों ?

लखनऊ ने शहरी अपशिष्ट प्रबंधन में एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। शहर के **शिवरी संयंत्र में 700 मीट्रिक टन ताजे अपशिष्ट की प्रोसेसिंग यूनिट** शुरू की गई है। इसके साथ ही लखनऊ अब प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 2,000 मीट्रिक टन अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे यह एक **'शून्य शुद्ध अपशिष्ट शहर'** (Zero Net Waste City) बन गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **शिवरी में विरासती अपशिष्ट उपचार:**
  - वर्ष 2022 में, शिवरी साइट को 18.5 लाख मीट्रिक टन संचित विरासती अपशिष्ट के साथ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।
  - इससे निपटने के लिये, **लखनऊ नगर निगम (LMC)** ने 106.18 करोड़ रुपए की सुधार परियोजना शुरू की, जिसमें **स्वच्छ भारत मिशन (SBM-I) के तहत 96.53 करोड़ रुपए का वित्तपोषण** किया गया।
  - यह परियोजना भूमि ग्रीन एनर्जी को सौंपी गई, जिसने मार्च 2024 में कार्य शुरू किया।
- **क्रियाशील चक्रीय अर्थव्यवस्था:**
  - अब तक 12.86 लाख मीट्रिक टन पुराने अपशिष्ट को **अपशिष्ट-व्युत्पन्न ईंधन (RDF), जैव-मृदा और निर्माण-ग्रेड मलबे में संसाधित किया जा चुका है।**
    - **RDF में प्लास्टिक, कागज़ और वस्त्र जैसे** गैर-पुनर्चक्रणीय सूखा अपशिष्ट शामिल होता है, इसका उच्च कैलोरी मान होता है और इसका उपयोग अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं में **विद्युत उत्पादन** के लिये किया जा सकता है।
  - पुन: प्राप्त की गई 25 एकड़ भूमि को अब **हरित क्षेत्रों, कंपोस्टिंग पैड और नए अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढाँचे** के लिये पुन: उपयोग में लाया जा रहा है।
- **पाइपलाइन में अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र:**
  - निर्माण-स्वामित्व-संचालन **अपशिष्ट-से-ऊर्जा (WTE) संयंत्र के लिये** एक **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार** की जा रही है।
  - तब तक, **राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC)** द्वारा समर्थित मौजूदा शिवरी सुविधा शहर के अंतरिम अपशिष्ट प्रसंस्करण समाधान के रूप में कार्य करेगी।
- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM-I):**
  - इसे **2 अक्तूबर, 2014 को पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसे ग्रामीण क्षेत्रों के लिये **SBM-ग्रामीण** तथा शहरी क्षेत्रों के लिये **SBM-शहरी** में भी विभाजित किया गया।
  - **उद्देश्य:**
    - इसका उद्देश्य व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण करके तथा स्कूलों और आँगनवाड़ी शौचालयों में अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करके भारत को **खुले में शौच मुक्त (ODF)** बनाना था।
    - किसी क्षेत्र को **खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित किया जा सकता है** यदि दिन के किसी भी समय वहाँ एक भी व्यक्ति खुले में शौच करते हुए न पाया जाए।
- **SBM शहरी 2.0:**
  - इसका उद्देश्य सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएँ, अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्र और पुनर्चक्रण इकाइयाँ स्थापित करके **"अपशिष्ट मुक्त शहर"** बनाना है, जिससे शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण क्षमता में लगभग 1.06 लाख टन प्रतिदिन (TPD) की उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

ऑपरेशन कन्विक्शन

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश ने सख्त जीरो टॉलरेंस नीति के माध्यम से अपनी कानून और व्यवस्था की स्थिति में परिवर्तन देखा है, **जिसमें ऑपरेशन कन्विक्शन भी शामिल है,** जो त्वरित दोषसिद्धि सुनिश्चित करने और गंभीर अपराधों से निपटने पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **ऑपरेशन कन्विक्शन और प्रभाव:**
  - **जुलाई 2023** में लॉन्च किया गया ऑपरेशन **कन्विक्शन फास्ट-ट्रैक अभियोजन पर ध्यान केंद्रित** करके त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण रणनीति के रूप में उभरा है, जिससे सज़ा दरों में महत्त्वपूर्ण सुधार हुआ है।
    - **बच्चों के विरुद्ध अपराधों में,** कई लोगों को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 के अंतर्गत मृत्युदंड दिया गया तथा 600 से अधिक को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई।
    - शीर्ष अपराधियों और कुख्यात माफियाओं से संबंधित मामलों में महत्त्वपूर्ण सज़ाएँ प्राप्त हुई हैं, जो **संगठित अपराध पर ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित** करता है।
- **POCSO अधिनियम, 2012:**
- **परिचय:**
  - **POCSO अधिनियम बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से** निपटने के लिये बनाया गया था, **जिसमें 18 वर्ष से कम आयु** के किसी भी व्यक्ति को बच्चा माना गया है।
  - **इसे भारत** द्वारा बाल अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (1992) के अनुसमर्थन के परिणामस्वरूप अधिनियमित किया गया था।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - यह अधिनियम **लैंगिक भेदभाव रहित है,** जो **लड़के और लड़कियों दोनों** को यौन शोषण से बचाता है। इसमें विशेष न्यायालयों द्वारा **अंतरिम मुआवज़ा** और तत्काल ज़रूरतों के लिये **बाल कल्याण समिति (CWC)** के माध्यम से **तत्काल राहत का प्रावधान है।**
  - कानूनी कार्यवाही के दौरान बच्चे की सहायता के लिये एक **सहायक व्यक्ति नियुक्त किया जाता है। धारा 23** मीडिया में पीड़ित की पहचान के प्रकटीकरण पर रोक लगाकर **गोपनीयता** सुनिश्चित करती है।
- **संगठित अपराध:**
  - **संगठित अपराध को एक साथ काम करने वाले समूहों या नेटवर्क द्वारा की जाने वाली अवैध गतिविधियों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें अक्सर वित्तीय या भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिये** हिंसा, भ्रष्टाचार या संबंधित कार्य शामिल होते हैं।
  - अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध (TOC) तब होता है जब गतिविधियाँ या समूह **कई देशों में संचालित** होते हैं।
  - संगठित अपराध के विभिन्न रूपों में शामिल हैं:
    - मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी, मानव तस्करी, अवैध आग्नेयास्त्रों की तस्करी, प्राकृतिक संसाधनों की तस्करी, **धोखाधड़ी वाली दवाएँ, साइबर अपराध और पहचान की चोरी (Identity Theft)।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025** को **मंज़ूरी** दे दी है, जो **वर्ष 2001** की राष्ट्रीय खेल नीति का स्थान लेगी।

- भारत के **खेल पारिस्थितिकी तंत्र** में रूपांतरण के लिये अपनाए गए **नए दृष्टिकोण** को **पाँच प्रमुख स्तंभों** पर आधारित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **NSP 2025 के पाँच प्रमुख स्तंभ:**
- **वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता:**
  - **प्रतिभा विकास:** प्रारंभिक प्रतिभा पहचान और पोषण के लिये तंत्र के माध्यम से ज़मीनी स्तर से लेकर उच्च स्तर तक खेल कार्यक्रमों को मज़बूत करना।
  - **बुनियादी ढाँचा और प्रतियोगिताएँ:** ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खेल बुनियादी ढाँचे के विकास के साथ-साथ प्रतिस्पर्द्धी लीग और राष्ट्रव्यापी टूर्नामेंट को बढ़ावा देता है।
  - **समर्थन प्रणालियाँ:** राष्ट्रीय खेल महासंघों (NSFs) की क्षमता और प्रशासन को बढ़ाते हुए प्रशिक्षण, कोचिंग और एथलीट समर्थन के लिये विश्व स्तरीय प्रणालियाँ स्थापित करता है।
  - **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:** खेल विज्ञान, चिकित्सा और उन्नत प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना, साथ ही प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों सहित कुशल खेल कर्मियों के विकास को बढ़ावा देना।
- **आर्थिक विकास के लिये खेल:**
  - **पर्यटन एवं कार्यक्रम:** खेल पर्यटन को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेज़बानी करना।
  - **उद्योग और नवाचार:** खेल क्षेत्र में स्टार्टअप और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करते हुए घरेलू खेल सामान विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करता है।
  - **निवेश और सहयोग:** सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) और नवीन वित्तपोषण मॉडल के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना।
- **सामाजिक विकास के लिये खेल:**
  - **समावेशी भागीदारी:** महिलाओं, जनजातीय समूहों, वंचित वर्गों और विकलांग व्यक्तियों के लिये लक्षित कार्यक्रम।
  - **सांस्कृतिक संवर्द्धन:** स्वदेशी और पारंपरिक भारतीय खेलों का पुनरुद्धार।
  - **कैरियर एकीकरण:** शिक्षा एकीकरण, स्वयंसेवा और दोहरे कैरियर विकल्पों के माध्यम से खेल को एक व्यवहार्य कैरियर पथ के रूप में स्थापित करना।
  - **वैश्विक सहभागिता:** खेल पहलों के माध्यम से भारतीय प्रवासियों के साथ सहभागिता को मज़बूत करना।
- **खेल एक जन आंदोलन के रूप में:**
  - **जन भागीदारी:** फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान और सामुदायिक कार्यक्रम।
  - **फिटनेस मानक:** शैक्षिक संस्थानों और कार्यस्थलों के लिये फिटनेस सूचकांक की शुरूआत।
  - **सुविधाओं तक पहुँच:** खेल अवसंरचना और अवसरों तक सार्वभौमिक पहुँच बढ़ाना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **शिक्षा के साथ एकीकरण:**
  - **पाठ्यक्रम विकास (NEP 2020 के साथ संरेखित):** औपचारिक स्कूली शिक्षा में खेलों को शामिल करना।
  - **शिक्षक प्रशिक्षण:** शिक्षकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिये विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- **रणनीतिक ढाँचा:**
  - **शासन:** पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिये मज़बूत कानूनी और नियामक ढाँचा।
  - **वित्तपोषण एवं निजी क्षेत्र का समर्थन:** नवीन वित्तपोषण और CSR मॉडल के माध्यम से निजी संस्थाओं को शामिल करना।
  - **प्रौद्योगिकी और नवाचार:** **निगरानी और प्रदर्शन वृद्धि के लिये** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डाटा विश्लेषण और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना।
  - **निगरानी एवं मूल्यांकन:** प्रमुख निष्पादन संकेतक (KPI), मानक और समयबद्ध लक्ष्यों के साथ राष्ट्रीय निगरानी ढाँचा।
  - **राज्यों के लिये आदर्श नीति:** NSP 2025 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये अपनी खेल नीतियों को संरेखित करने हेतु एक मार्गदर्शक ढाँचे के रूप में कार्य करेगी।
  - **संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण:** सभी सरकारी विभागों और योजनाओं में खेल उद्देश्यों का एकीकरण।

उत्तर प्रदेश खेल नीति 2023

- उत्तर प्रदेश की नई खेल नीति 2023 राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये समग्र एथलीट विकास, संस्थागत एकीकरण और मज़बूत बुनियादी ढाँचे पर केंद्रित है।
- **मुख्य बिंदु:**
  - **एथलीट विकास:** ज़मीनी स्तर, विकासशील और उच्च स्तरीय एथलीटों के लिये अनुरूप, स्तर-आधारित समर्थन के साथ शारीरिक फिटनेस और प्रशिक्षण पर ज़ोर दिया जाता है।
  - **संस्थागत संबंध:** नए खेल संस्थानों के निर्माण को प्रोत्साहित करता है और निजी अकादमियों और कॉलेजों के साथ सहयोग को बढ़ावा देता है।
  - **बुनियादी ढाँचा और वित्तपोषण:** कम संसाधन वाले खेल निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, **सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP)** के माध्यम से बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देता है, जिसमें 14 खेल-विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेडियम तथा ओपन जिम बनाने की योजना है।
  - **शासन एवं सुविधाएँ:** एक समर्पित **राज्य खेल प्राधिकरण** की स्थापना की जाएगी तथा राज्य भर में खेल सुविधाओं और कोचिंग संसाधनों का मानचित्रण किया जाएगा।
  - **एकलव्य खेल निधि:** प्रत्येक पंजीकृत खिलाड़ी को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है तथा खिलाड़ियों के समग्र उपचार और कल्याण में सहायता करती है।
  - **खेलो इंडिया एकीकरण:** प्रतिभा पहचान और सुविधा विकास के लिये खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश में नया ईवी पार्क

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार अपने **कानपुर महानगर विकास विज़न 2030** के तहत **700 करोड़ रुपए** की लागत से **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) पार्क** की स्थापना करने जा रही है। 500 एकड़ में फैली इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना का क्रियान्वयन **उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA)** द्वारा किया जाएगा।

नोट: UPSIDA उत्तर प्रदेश में **औद्योगिक और बुनियादी ढाँचे के विकास** के लिये ज़िम्मेदार **प्रमुख सरकारी एजेंसी** है।

मुख्य बिंदु

परियोजना के बारे में:

- **उद्देश्य:** प्रस्तावित **ईवी पार्क** स्थानीय आपूर्ति शृंखला को बढ़ावा देगा, 'Make in UP' तथा 'Made in UP' पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण को प्रोत्साहित करेगा तथा **कानपुर** को वैश्विक **ईवी परिदृश्य** में औद्योगिक नवाचार के **केंद्र** के रूप में स्थापित करेगा।
- **रणनीतिक स्थान: ईवी पार्क** को **कानपुर** में **भीमसेन** के पास स्थापित किया जाएगा, जो **समर्पित माल ढुलाई गलियारे (DFC)** के साथ रणनीतिक रूप से स्थित है।
  - यह स्थान प्रमुख रेल तथा सड़क नेटवर्क से जुड़ा होने के कारण **लॉजिस्टिक** दृष्टि से उपयुक्त है जिससे कच्चे माल तथा तैयार माल का निर्बाध परिवहन सुनिश्चित होता है।
- **उत्तर प्रदेश के रक्षा और औद्योगिक गलियारों के साथ एकीकरण:** कानपुर, जो पहले से ही **उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे** में एक महत्त्वपूर्ण **केंद्र** है, अपने औद्योगिक आधार को मज़बूत करके इस पहल से लाभान्वित होगा।
  - पार्क **की विनिर्माण क्षमताएँ राज्य के बड़े आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति करेंगी,** जिनमें रक्षा विनिर्माण, नवाचार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना शामिल है।
  - कानपुर, **उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (UPDIC) के छह केंद्रों में से एक है।** अन्य पाँच केंद्र लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट और झाँसी हैं।
- **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल:** ईवी पार्क को **पीपीपी मॉडल** के तहत विकसित किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र की दक्षता को सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के समर्थन के साथ जोड़ा जाएगा।
- **उन्नत विनिर्माण अवसंरचना:** पार्क में आवश्यक ईवी घटकों के लिये अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयाँ होंगी, जिनमें शामिल हैं:
  - **इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रयुक्त विद्युत मोटर,** **लिथियम-आयन सेल** और कोर इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ।
- **समर्पित अनुसंधान एवं विकास केंद्र:** पार्क की एक मुख्य विशेषता ईवी प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर केंद्रित एक समर्पित **अनुसंधान एवं विकास (R&D) केंद्र होगा।**
  - इससे क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी प्रगति को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में वैश्विक प्रगति में भी योगदान मिलेगा।
- **एकीकृत ईवी घटक क्लस्टर:** ईवी घटकों के विनिर्माण को समर्थन देने के लिये पार्क के भीतर एक एकीकृत क्लस्टर विकसित किया जाएगा।
  - **यह तंत्र** **लघु और मध्यम उद्यमों (SME)**, **स्टार्टअप** और स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाएगा।
  - इस पहल का उद्देश्य ईवी मूल्य शृंखला में स्थानीय भागीदारी को बढ़ाना और उद्यम-संचालित नवाचार को प्रोत्साहित करना है।
- **रोज़गार सृजन:** इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में:**
  - **परिचय:** इलेक्ट्रिक वाहन ऐसे वाहन हैं जो पेट्रोल या डीजल से चलने वाले **पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन (ICE)** के बजाय प्रणोदन के लिये एक या एक से अधिक इलेक्ट्रिक मोटरों का उपयोग करते हैं।
    - यद्यपि इलेक्ट्रिक वाहनों की अवधारणा लंबे समय से चली आ रही है, ईंधन आधारित वाहनों के **बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और अन्य पर्यावरणीय प्रभावों के कारण पिछले दशक में इसमें व्यापक रूप से रुचि** बढ़ी है।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार:**
  - **बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEVs):** ये प्रणोदन के लिये पूरी तरह बैटरी शक्ति पर निर्भर होते हैं तथा शून्य टेलपाइप उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं।
  - **प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV):** इनमें इलेक्ट्रिक मोटर के साथ ही गैसोलीन इंजन मौजूद होता है। इन्हें बाह्य रूप से चार्ज किया जा सकता है और सीमित दूरी तक बैटरी पावर पर चलाया जा सकता है, जबकि लंबी यात्राओं के लिये गैसोलीन इंजन का उपयोग किया जा सकता है।
  - **हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEVs):** इनमें इलेक्ट्रिक मोटर और गैसोलीन इंजन दोनों का उपयोग होता है, लेकिन बैटरी को सीधे प्लग-इन कर चार्ज नहीं किया जा सकता।
    - बैटरी को गैसोलीन इंजन या पुनर्योजी ब्रेकिंग (regenerative braking) के माध्यम से चार्ज किया जाता है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन संबंधी नीतियाँ:

- **वर्ष 2010:** नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा 95 करोड़ रुपए की योजना (जहाँ **एक्स-फैक्ट्री कीमतों पर 20% तक के प्रोत्साहन की पेशकश** की गई) के माध्यम से भारत ने EVs को प्रोत्साहन प्रदान किया। हालाँकि, मार्च 2012 में यह योजना वापस ले ली गई।
- **वर्ष 2013:** EVs के अंगीकरण को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा को संबोधित करने और वाहन प्रदूषण को कम करने के लिये **'राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (NEMMP) 2020''** का शुभारंभ किया गया। हालाँकि इस योजना का व्यापक क्रियान्वयन नहीं हो सका।
- **वर्ष 2015:** स्वच्छ ईंधन प्रौद्योगिकी कारों को प्रोत्साहित करने के लिये (**वर्ष 2020 तक 7 मिलियन EVs के लक्ष्य** के साथ) केंद्रीय बजट में 75 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ **FAME योजना** की घोषणा की गई।
- **वर्ष 2017:** भारतीय परिवहन मंत्रालय ने **वर्ष 2030 तक 100% इलेक्ट्रिक कारों** का लक्ष्य निर्धारित किया है। उद्योग की चिंताओं के बाद 100% के लक्ष्य को घटाकर 30% कर दिया गया।
- **वर्ष 2019:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्रिम खरीद प्रोत्साहन और चार्जिंग अवसंरचना के साथ **इलेक्ट्रिक वाहनों के अंगीकरण में तेज़ी लाने के लिये 10,000 करोड़ रुपए** की **FAME-II योजना** को मंज़ूरी प्रदान की।
- **वर्ष 2023:** जीएसटी परिषद की 36वीं बैठक में इलेक्ट्रिक वाहन बाज़ार को बढ़ावा देने के लिये **इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12% से घटाकर 5%** और चार्जर या चार्ज स्टेशनों पर 18% से घटाकर 5% करने का निर्णय लिया गया।
- **वर्ष 2025:** केंद्र ने घरेलू ईवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये **भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (SPMEPCI)** के लिये विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत का पहला अश्व रोग-मुक्त कंपार्टमेंट (EDFC)

चर्चा में क्यों ?

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) ने **उत्तर प्रदेश** के **मेरठ** स्थित **रिमाउंट वेटरनरी कॉर्प्स (RVC) सेंटर एवं कॉलेज** में स्थापित **भारत के पहले अश्व रोग मुक्त कंपार्टमेंट (Equine Disease Free Compartment - EDFC)** को आधिकारिक रूप से **मान्यता** प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

अश्व रोग मुक्त कंपार्टमेंट (EDFC):

- **परिचय:**
  - **EDFC** घोड़ों के लिये विशेष रूप से निर्दिष्ट एक जैव-सुरक्षित क्षेत्र है, जो गंभीर **अश्वीय रोगों** से सुरक्षा सुनिश्चित करता है तथा **खेल**, **प्रजनन** या **व्यापार** हेतु उनका सुरक्षित आवागमन संभव बनाता है।
  - इसकी स्थापना **मत्स्यपालन**, **पशुपालन** और **डेयरी मंत्रालय** के अंतर्गत की गई है।
- **विशेषताएँ:**
  - EDFC, विभिन्न क्षेत्रों में **रोग मुक्त क्षेत्र** स्थापित करने की एक **व्यापक पहल** का हिस्सा है।
  - भारत, पोल्ट्री उत्पादों के **सुरक्षित निर्यात** के लिये अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (HPAI) मुक्त कंपार्टमेंट विकसित करने पर भी कार्य कर रहा है।
  - EDFC, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप **रोग की रोकथाम**, **कीट नियंत्रण**, **सुरक्षा**, **स्वच्छता**, **स्वास्थ्य निगरानी**, अपशिष्ट प्रबंधन तथा **निरंतर निगरानी** को समाहित करने वाले **विस्तृत मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (SOPs)** का पालन करता है।
  - यह अनुमोदन, **WOAH की स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता** के अनुरूप प्रदान किया गया है, जो **सख्त जैव-सुरक्षा** तथा **पशु देखभाल प्रथाओं** के माध्यम से **रोग मुक्त पशु उप-जनसंख्या** के प्रबंधन हेतु **वैज्ञानिक दिशानिर्देश** प्रदान करती है।
- **प्रमाणित रोग-मुक्त स्थिति:**
  - EDFC को प्रमुख अश्व रोगों जैसे कि **अश्व संक्रामक एनीमिया**, अश्व इन्फ्लूएंजा, **अश्व पिरोप्लास्मोसिस**, **ग्लैंडर्स** और **सुर्रा** से मुक्त घोषित किया गया है।
    - **भारत वर्ष 2014 से अफ्रीकन हॉर्स सिकनेस** से मुक्त है।
- **महत्त्व:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी:** भारतीय खेल घोड़े अब अंतर्राष्टीय घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की उपस्थिति एवं भागीदारी बढ़ेगी।
  - **अश्व व्यापार और प्रजनन को बढ़ावा:** EDFC, **अश्व व्यापार** एवं **प्रजनन क्षेत्र** में भारत की स्थिति को सशक्त बनाएगा, जिससे भारतीय घोड़ों के लिये **वैश्विक बाज़ार** खुलेंगे।
  - **पशु स्वास्थ्य उत्कृष्टता:** विश्व स्तर पर स्वीकृत प्रथाओं के साथ पशु स्वास्थ्य प्रणालियों को मज़बूत करने की भारत की प्रतिबद्धता, इसे पशु चिकित्सा उत्कृष्टता में अग्रणी बनाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH)

- WOAH पशु स्वास्थ्य और कल्याण हेतु समर्पित एक अग्रणी **अंतर्राष्ट्रीय संस्था** है।
- इसकी स्थापना वर्ष **1924** में ऑफिस इंटरनेशनल डेस एपिज़ूटीज़ (**OIE**) के रूप में की गई थी तथा इसने **मई 2003** में अपना वर्तमान नाम अपनाया।
- यह एक **अंतर-सरकारी संगठन** के रूप में कार्य करता है, जहाँ सदस्य राष्ट्र **पशु स्वास्थ्य** के क्षेत्र में **साझा वैश्विक लक्ष्यों** की प्राप्ति हेतु सहयोग करते हैं।
- संगठन का मुख्य उद्देश्य **वैश्विक पशु स्वास्थ्य में सुधार** लाना है। इसका **मुख्यालय पेरिस, फ्राँस** में स्थित है।
- **वर्ष 2025** तक WOAH के **183 सदस्य देश** हैं, जिनमें **भारत** भी शामिल है।
- यह संगठन, सदस्य देशों को **पशु रोगों के प्रवेश एवं प्रसार को रोकने** में सहयोग देने के लिये **स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता** जैसे **वैज्ञानिक दिशानिर्देश** तैयार करता है।
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने WOAH द्वारा निर्धारित **मानकों** को **अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता दिशानिर्देश** के रूप में स्वीकार किया है।

उत्तर प्रदेश ने वैश्विक विनिर्माण बदलाव का लक्ष्य रखा

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश बहुराष्ट्रीय निर्माताओं को आकर्षित करने के लिये, विशेष रूप से चाइना+1 रणनीति के माध्यम से, अपनी **वैश्विक पहुँच** को तीव्र कर रहा है, जो कि मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** के राज्य को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के दृष्टिकोण का हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

- **चीन+1 रणनीति के बारे में:**
  - यह वैश्विक प्रवृत्ति को संदर्भित करती है, जिसमें कंपनियाँ **चीन के अतिरिक्त अन्य देशों** में परिचालन स्थापित करके अपनी विनिर्माण एवं **आपूर्ति श्रृंखला** में विविधता लाने का प्रयास करती हैं।
  - इस रणनीति का उद्देश्य किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से उत्पन्न **जोखिमों को कम करना** है, विशेष रूप से **भू-राजनीतिक तनावों** एवं **आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों** के परिप्रेक्ष्य में।
- **निवेश आकर्षित करने के लिये वैश्विक पहुँच:**
  - अपनी चीन+1 रणनीति के अंतर्गत, राज्य की नोडल निवेश प्रोत्साहन एजेंसी- **इन्वेस्ट यूपी**, एक **वैश्विक आउटरीच पहल** का नेतृत्व कर रही है।
  - इस अभियान में **फॉर्च्यून 500 कंपनियों** और **वैश्विक औद्योगिक नेताओं को** आकर्षित करने के लिये **संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और यूनाइटेड किंगडम** में रोड शो और रणनीतिक व्यापारिक कार्यक्रम शामिल हैं।
  - इस आउटरीच में **न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस** आदि जैसे वैश्विक व्यापार केंद्रों में **बिज़नेस-टू-गवर्नमेंट (B2G)** बैठकें तथा **गोलमेज़ चर्चाएँ** सम्मिलित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ये कार्यक्रम **भारतीय दूतावासों**, अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (USIBC), भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) तथा भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (FICCI) जैसे प्रमुख व्यापार संघों के सहयोग से आयोजित किये जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय विकास और प्रमुख निवेश:

- **इलेक्ट्रॉनिक्स:** 3,700 करोड़ रुपए का HCL-फॉक्सकॉन OSAT निवेश राज्य की सेमीकंडक्टर महत्त्वाकांक्षाओं में एक मील का पत्थर है।
- **वस्त्र:** उत्तर प्रदेश पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क तथा सिंथेटिक, रक्षा और चिकित्सा वस्त्रों पर केंद्रित मिनी पार्कों के माध्यम से अपनी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ कर रहा है।
- इलेक्ट्रिक वाहन (EV): EV नीति 2023 के तहत, उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2028 तक 36 गीगावाट-घंटे (GWh) बैटरी उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है।
- **डिजिटल ढाँचा:** नोएडा-ग्रेटर नोएडा भारत के अग्रणी डाटा सेंटर हब के रूप में उभर रहा है, जहाँ एकीकृत AI सिटी विकसित करने की योजना है।

इन्वेस्ट यूपी

- **परिचय:**
  - इन्वेस्ट यूपी, जिसे पहले **उद्योग बंधु** के नाम से जाना जाता था, उत्तर प्रदेश सरकार की **निवेश संवर्द्धन एवं सुविधा एजेंसी** है।
  - यह एजेंसी राज्य में **नए निवेश को आकर्षित करने** तथा **विद्यमान एवं संभावित उद्योगों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं के समाधान** के लिये समर्पित है।
- **दृष्टिकोण:**
  - इन्वेस्ट यूपी का दृष्टिकोण उत्तर प्रदेश को **भारत का सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य** बनाने का है।
  - इसका उद्देश्य **निवेश नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन** हेतु एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करना है तथा **विश्व-स्तरीय व्यापारिक परिवेश और अधोसंरचना** उपलब्ध कराकर **आर्थिक विकास को बढ़ावा देना** और राज्य की जनता के जीवन स्तर को ऊँचा उठाना है।
- **लक्ष्य (Mission):**
  - राज्य की **निवेश संवर्द्धन एवं सुविधा एजेंसी** के रूप में इन्वेस्ट यूपी का उद्देश्य है कि वह राज्य में **उद्योगों और अधोसंरचना के तीव्र विकास के लिये नीतियों के निर्माण में सक्रिय योगदान** देकर निवेश आकर्षित करे।
  - यह संस्था संभावित एवं वर्तमान **उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिये परामर्श सेवाएँ** प्रदान करती है।

उत्तर प्रदेश सरकार के विद्यालय विलय आदेश के विरुद्ध दायर याचिकाएँ खारिज

चर्चा में क्यों ?

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने **सरकारी प्राथमिक विद्यालयों** और **उच्च प्राथमिक विद्यालयों** के **विलय** के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली **याचिकाओं** को खारिज कर दिया।

- **याचिकर्त्ताओं** ने तर्क दिया कि यह कदम शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 का उल्लंघन करता है, **बच्चों की शिक्षा** में बाधा डालता है और सामाजिक असमानता को बढ़ाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **उच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - न्यायालय ने निर्णय दिया कि **नीतिगत निर्णयों** को तब तक चुनौती नहीं दी जा सकती जब तक कि वे **असंवैधानिक** या **मनमाने** न हों।
  - न्यायालय ने कहा कि स्कूलों का **विलय करना** संविधान के **अनुच्छेद 21A** का उल्लंघन नहीं है।
    - **अनुच्छेद 21A** 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये मौलिक अधिकार के रूप में **शिक्षा के अधिकार** की गारंटी देता है।
  - सरकार का यह कदम **संवैधानिक** एवं **कानूनी रूप से वैध** है तथा इसका उद्देश्य **शैक्षिक गुणवत्ता** एवं **संसाधन दक्षता** को बढ़ाना है।
- **पृष्ठभूमि:**
  - **जून 2025** में उत्तर प्रदेश **बेसिक शिक्षा विभाग** ने एक आदेश जारी किया था कि **50 से कम छात्रों वाले स्कूलों** को **जुलाई 2025** से पास के स्कूलों में **विलय** कर दिया जाएगा।
    - सरकार का उद्देश्य इन छात्रों को **उच्च प्राथमिक** या **समग्र विद्यालयों** में स्थानांतरित करके **शिक्षा की गुणवत्ता** में सुधार करना तथा **संसाधनों का इष्टतम उपयोग** सुनिश्चित करना है।
- **शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009**
  - RTE अधिनियम का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना है।
  - धारा 12 (1) (C) में कहा गया है कि **गैर-अल्पसंख्यक निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल** आर्थिक रूप से कमज़ोर और वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों के लिये प्रवेश स्तर ग्रेड में कम- से-कम **25% सीटें आरक्षित** करें।
  - यह विद्यालय न जाने वाले बच्चे के लिये एक उपयुक्त आयु से संबंधित कक्षा में भर्ती करने का प्रावधान भी करता है।
  - यह **केंद्र और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय एवं अन्य ज़िम्मेदारियों** को साझा करने के बारे में भी जानकारी देता है।
    - भारतीय संविधान में **शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है** और केंद्र व राज्य दोनों इस विषय पर कानून बना सकते हैं।
  - यह छात्र-शिक्षक अनुपात, भवन और **बुनियादी ढाँचा,** स्कूल-कार्य दिवस, शिक्षकों के लिये कार्यावधि से संबंधित मानदंडों और मानकों का प्रावधान करता है।
  - इस अधिनियम में गैर-शैक्षणिक कार्यों **जैसे**- **स्थानीय जनगणना,** स्थानीय प्राधिकरण, **राज्य विधानसभाओं** और संसद के चुनावों तथा आपदा राहत के अलावा अन्य कार्यों में शिक्षकों की तैनाती का प्रावधान करता है।
  - यह अपेक्षित प्रविष्टि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान करता है।
  - **यह निम्नलिखित का निषेध करता है:**
    - शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न।
    - बच्चों के प्रवेश के लिये स्क्रीनिंग प्रक्रिया।
    - प्रति व्यक्ति शुल्क।
    - शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन।
    - बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अस्मिता 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय खेल मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **मोदीनगर** में अस्मिता लीग के **2025 सत्र** का शुभारंभ किया। इस सत्र की शुरुआत **दो दिवसीय** भारोत्तोलन प्रतियोगिता से हुई।

- टोक्यो ओलंपिक की **रजत पदक विजेता** मीराबाई चानू उन अनेक गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थीं जो **अस्मिता भारोत्तोलन लीग** के उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

मुख्य बिंदु

- **अस्मिता के बारे में:**
  - **अस्मिता (महिलाओं को प्रेरित कर खेल क्षेत्र में उपलब्धियाँ प्राप्त करना) 'खेलो इंडिया'** मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता पर आधारित खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
  - भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) इन लीगों को **क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर** पर विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित करने हेतु **राष्ट्रीय खेल महासंघों** को सहायता प्रदान करता है।
  - वर्ष 2021 में शुरू की गई यह पहल महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा पहचान मंच के रूप में कार्य करने के लिये शुरू की गई थी।
  - इस मिशन का उद्देश्य हर स्तर पर **अवसरों का सृजन**, **प्रतिभा की पहचान** और उसका **संवर्द्धन** करना है।
- **वित्तीय वर्ष 2025-26 में अस्मिता:**
  - वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 विभिन्न खेल विधाओं में **कुल 852 अस्मिता लीग** आयोजित की जानी हैं।
  - राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैली इन लीगों में 70,000 से अधिक महिला एथलीट शामिल होंगी।
    - इसकी तुलना में, पिछले सत्र में 27 विषयों में 550 लीग आयोजित की गईं, जिनमें 53,101 महिला प्रतिभागी थीं।
- **विद्यालय खेल और राष्ट्रीय कैलेंडर एकीकरण:**
  - राष्ट्रीय खेल नीति 2025, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के साथ एकीकृत किया गया है, के तहत सरकार **विद्यालय स्तर पर खेलों को बढ़ावा** दे रही है।
    - ये प्रयास खेलो इंडिया राष्ट्रीय खेल कैलेंडर में परिलक्षित होंगे, जिससे युवाओं के लिये निरंतर अवसर सुनिश्चित होंगे।

खेलो इंडिया पहल

- यह भारत में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिये एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है।
- प्रधानमंत्री ने वर्ष 2018 में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के पहले संस्करण की शुरुआत की।
- वर्ष 2019 में इनका नाम बदलकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स कर दिया गयाI
- ये भारत सरकार की खेलो इंडिया पहल का हिस्सा हैं।
- इसका उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025

- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025** का आयोजन **बिहार** के पाँच ज़िलों (**पटना, राजगीर, बेगूसराय, गया और भागलपुर**) में किया गया।
- जबकि तीन प्रमुख स्पर्द्धाएँ- **जिमनास्टिक, शूटिंग और साइकिलिंग, नई दिल्ली** में आयोजित की गईं थी।
- **गजसिम्हा** इस बार के खेलों का शुभंकर था।
- 12 दिवसीय यह आयोजन 27 खेलों में संपन्न हुआ, जिसमें कुल **285 स्वर्ण पद**क प्रदान किये गए।

CPGRAMS पर 35 वीं रिपोर्ट

चर्चा में क्यों ?

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने **जून 2025** के लिये राज्यों और **केंद्रशासित प्रदेशों** के लिये केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS) की **35वीं मासिक रिपोर्ट** जारी की।

- यह रिपोर्ट राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा लोक शिकायतों के प्रकारों और उनके निवारण का विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इस संस्करण में **उत्तर प्रदेश** ने सबसे अधिक (25,870) मामलों का निस्तारण किया, इसके बाद **गुजरात** (3,986) का स्थान रहा।

मुख्य बिंदु

- **CPGRAMS के बारे में:**
  - **CPGRAMS** राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित एक **24/7 ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है**, जहाँ नागरिक सेवा वितरण से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।
  - **इसे कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय** के अंतर्गत **प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG)** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - यह भारत सरकार और राज्य सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों से जुड़ा एक **एकल पोर्टल है।**
  - **यदि नागरिक शिकायत अधिकारी द्वारा किये गए समाधान से संतुष्ट नहीं हैं तो CPGRAMS** उन्हें **अपील की सुविधा** भी प्रदान करता है।
  - जिन मुद्दों का निवारण नहीं किया गया उनमें सूचना का अधिकार (RTI) मामले, न्यायालय से संबंधित या विचाराधीन मामले, धार्मिक मामले और सरकारी कर्मचारियों की सेवा संबंधी शिकायतें शामिल हैं।
- **वर्ष 2025-26 के लिये सेवोत्तम दिशानिर्देश:**
  - **ASCI हैदराबाद** के सहयोग से, DARPG ने वर्ष **2025-26** के लिये **सेवोत्तम दिशानिर्देश** विकसित किये हैं, जिसके साथ एक **व्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** भी है।
  - इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य **सरकारी विभागों** में **शिकायत निवारण प्रक्रियाओं** को **मानकीकृत** करना तथा सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सेवोत्तम मॉडल

- **परिचय:**
  - द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) ने **"नागरिक-केंद्रित प्रशासन- शासन का हृदय"** शीर्षक से अपनी 12वीं रिपोर्ट में सरकारी संस्थाओं को अधिक **पारदर्शी**, **जवाबदेह** और **नागरिक-अनुकूल** बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
    - इस दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने के लिये, DARPG ने **'सेवोत्तम' मॉडल** प्रस्तुत किया।
  - **सेवोत्तम मॉडल** भारत में **सार्वजनिक सेवा वितरण** में सुधार के लिये एक **संरचित ढाँचे** के रूप में कार्य करता है।
  - यह सार्वजनिक संस्थानों में **पारदर्शिता**, **जवाबदेही** और सेवाओं में **निरंतर वृद्धि** को बढ़ावा देकर **नागरिक-केंद्रित शासन** को बढ़ावा देता है।
- **सेवोत्तम मॉडल के प्रमुख घटक:**
- **नागरिक चार्टर:**
  - सार्वजनिक संगठन अपने द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं, सेवा वितरण **समय-सीमा** और नागरिकों के अधिकारों की घोषणा करने के लिये नागरिक चार्टर प्रकाशित करते हैं।
  - ये चार्टर नागरिकों को बेहतर सेवाओं की माँग करने तथा सेवा प्रदाताओं को जवाबदेह बनाने के लिये सशक्त बनाते हैं।
- **लोक शिकायत निवारण:**
  - इस मॉडल में शिकायतों का प्रभावी समाधान करने के लिये एक **मज़बूत शिकायत निवारण प्रणाली** शामिल है।
  - इसका ध्यान शिकायत के परिणाम की परवाह किये बिना **नागरिक संतुष्टि** सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।
- **सेवा वितरण में उत्कृष्टता:**
  - यह घटक **क्षमता निर्माण**, **प्रदर्शन प्रबंधन** और **निरंतर सुधार** की संस्कृति के माध्यम से कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करता है।
- **7-चरणीय सेवोत्तम दृष्टिकोण:**
  - **सेवाओं को परिभाषित करना:** सार्वजनिक एजेंसियों को प्रत्येक विभाग या इकाई द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को स्पष्ट रूप से पहचानना और परिभाषित करना होगा।
  - **मानक निर्धारित करना:** प्राधिकारियों को प्रत्येक चिह्नित सेवा के लिये मापनीय और समयबद्ध सेवा मानक निर्धारित करने चाहियें।
  - **क्षमता का विकास:** विभागों को सेवा वितरण मानदंडों को पूरा करने के लिये संस्थागत और मानव संसाधन क्षमता का निर्माण करने की आवश्यकता है।
  - **निष्पादन:** आंतरिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि व्यक्ति और विभाग निर्धारित मानकों को निरंतर पूरा करें।
  - **निगरानी:** संगठनों को निर्धारित मानदंडों के अनुरूप प्रदर्शन पर नियमित रूप से नज़र रखनी चाहिये।
  - **मूल्यांकन:** प्राधिकारियों को सेवा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये नागरिकों की प्रतिक्रिया को शामिल करते हुए समय-समय पर मूल्यांकन करना चाहिये।
  - **निरंतर सुधार:** निगरानी और मूल्यांकन के आधार पर, संगठनों को समय के साथ सेवा वितरण को बढ़ाने के लिये सुधार लागू करने चाहियें।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश एग्रीटेक इनोवेशन हब

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **मेरठ** स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (SVPUAT) में **उत्तर प्रदेश** एग्रीटेक इनोवेशन हब और **एग्रीटेक स्टार्टअप एवं टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक खेती का एकीकरण:**
  - रासायनिक-रहित प्राकृतिक खेती के महत्त्व को रेखांकित किया गया तथा खेत और बाज़ार के बीच की दूरी को पाटने के लिये **प्रौद्योगिकी** को माध्यम बनाने का आह्वान किया गया।
  - **इस पहल का उद्देश्य** IoT- **सक्षम सेंसर, स्मार्ट सिंचाई और स्वचालन प्रौद्योगिकियों** जैसी प्रौद्योगिकी के माध्यम से सतत् कृषि और **सुनियोजित खेती** को बढ़ाना है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में कृषि अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है।
- **कौशल विकास और ग्रामीण युवाओं के सशक्तीकरण पर ज़ोर:**
  - कार्यक्रम में इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि एग्रीटेक इनोवेशन हब एक सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र है, जहाँ किसान, प्रौद्योगिकीविद् और स्टार्टअप मिलकर भविष्य के लिये समाधान तैयार कर सकते हैं।
  - इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और किसानों को **कृषि प्रौद्योगिकी क्रांति अपनाने के लिये सशक्त बनाना है।**
- **तकनीकी सहयोग:**
  - कृषि प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार में सहयोग के लिये IIT रोपड़ और SVPUAT के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
  - यह केंद्र किसानों के लिये डेटा-आधारित निर्णय लेने की सुविधा के लिये उन्नत डेटा विश्लेषण प्लेटफार्मों और वास्तविक समय निगरानी प्रणालियों से सुसज्जित है।
- **प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पहल:**
  - यह पहल किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिये कार्यशालाओं और सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।
  - कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) और किसान उत्पादक संगठन (FPO) कृषक समुदाय को प्रशिक्षित करने, प्रभावी प्रौद्योगिकी अपनाने और ज्ञान हस्तांतरण सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कृषि विज्ञान केंद्र (KVK)

- KVK राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली का एक अभिन्न अंग है।
- KVK का कार्य **प्रौद्योगिकी** का **मूल्यांकन** और उसके **अनुप्रयोग** तथा **क्षमता विकास** के लिये **प्रदर्शन** करना है।
- इसका उद्देश्य **प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, शोधन** और **प्रदर्शन** के माध्यम से **कृषि** और **संबद्ध उद्यमों** में **स्थान-विशिष्ट प्रौद्योगिकी मॉड्यूल** का **मूल्यांकन** करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **KVK गुणवत्तापूर्ण तकनीकी उत्पाद** (बीज, **रोपण सामग्री**, बॉयो-**एजेंट**, **पशुधन**) भी तैयार करते हैं और उन्हें **किसानों** को उपलब्ध कराते हैं।
- **KVK योजना** भारत सरकार द्वारा 100% **वित्तपोषित** है और **KVK कृषि विश्वविद्यालयों**, **ICAR संस्थानों**, संबंधित **सरकारी विभागों** और **कृषि** के क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों (NGO) को **स्वीकृत किये जाते हैं**।

किसान उत्पादक संगठन (FPO)

- FPO एक प्रकार का **उत्पादक संगठन (PO) है,** जिसके सदस्य **किसान** होते हैं और इसके प्रचार को **लघु कृषक कृषि व्यवसाय संघ (SFAC)** द्वारा समर्थन दिया जाता है।
  - FPO अर्थशास्त्री वाई.के. अलघ की कंपनी अधिनियम, 1956 **में संशोधन** करने की **सिफारिश (2002)** से प्रेरित थे।
  - FPO को **कंपनी अधिनियम, 2013, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 या** भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के तहत सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
- उत्पादक संगठन **उत्पादकों, कृषि, गैर-कृषि या कारीगरों का एक समूह है, जो** उत्पादक कंपनियों या **सहकारी समितियों जैसे कानूनी रूप** ले सकता है तथा सदस्यों के बीच **लाभ साझा कर सकता है**।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस

चर्चा में क्यों ?

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) द्वारा **संस्कृति मंत्रालय** और **महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया** के सहयोग से सारनाथ **में आषाढ़ पूर्णिमा को** गहन **आध्यात्मिक भक्ति के साथ मनाया** गया।

- यह अवसर **"धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस" का प्रतीक** है, जो भगवान बुद्ध के पहले उपदेश की स्मृति में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- **बौद्ध धर्म के बारे में:**
  - यह एक आध्यात्मिक परंपरा है **जिसकी स्थापना 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में** सिद्धार्थ गौतम द्वारा की गई थी, जिन्हें **बुद्ध के नाम से जाना जाता है**।
  - बौद्ध धर्म भारत में उत्पन्न हुआ था और बाद में पूरे एशिया और विश्वभर में फैल गया।
  - **बौद्ध धर्म का मुख्य उद्देश्य** दुखों पर विजय प्राप्त करना और निर्वाण, मुक्ति और आंतरिक शांति की स्थिति प्राप्त करना है। यह **चार आर्य सत्यों का पालन करके प्राप्त किया जा** सकता है:
    - जीवन में दु:ख (दु:ख) शामिल है।
    - दुख इच्छा और आसक्ति के कारण होता है।
    - दुख समाप्त हो सकता है.
    - दु:ख को समाप्त करने का मार्ग अष्टांगिक मार्ग है।
  - अष्टांगिक **मार्ग** में सही समझ, इरादा, भाषण, क्रिया, आजीविका, प्रयास, जागरूकता और एकाग्रता शामिल हैं।
  - बौद्ध धर्म नैतिक आचरण, मानसिक अनुशासन और ज्ञान पर जोर देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- प्रमुख अवधारणाओं में कर्म (नैतिक कारण का नियम), पुनर्जन्म और ध्यान शामिल हैं।
- **बौद्ध धर्म की तीन प्रमुख शाखाएँ हैं:**
  - थेरवाद (मुख्यत: श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रचलित)
  - महायान (मुख्यत: चीन, कोरिया और जापान में प्रचलित)
  - वज्रयान (मुख्यत: तिब्बत और मंगोलिया में प्रचलित)
- महत्त्वपूर्ण ग्रंथों में **त्रिपिटक (पाली कैनन)** और विभिन्न **महायान सूत्र शामिल हैं**।
- धर्म **चक्र** बुद्ध की शिक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सामान्य प्रतीक है।

उत्तर प्रदेश में प्रमुख बौद्ध स्थल:

- **कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर):** यह बुद्ध का बचपन का घर था, जहाँ उन्होंने चार दर्शन देखे, जिसके कारण उन्हें संन्यास की ओर अग्रसर होना पड़ा।
- **सारनाथ: बुद्ध के प्रथम उपदेश** और बौद्ध संघ के गठन का स्थल।
- **श्रावस्ती:** यह शहर कई महत्त्वपूर्ण बौद्ध स्थलों का घर है, जिनमें जेतवन मठ भी शामिल है, वह स्थान जहाँ बुद्ध ने अपने अधिकांश उपदेश दिये थे।
- **संकिसा:** भगवान बुद्ध स्वर्ग में अपनी माँ को उपदेश देने के बाद यहाँ अवतरित हुए थे।
- **कौशांबी:** यहाँ स्थित प्रसिद्ध घोसीताराम मठ एक प्रमुख बौद्ध स्थल है, जिसके संबंध में माना जाता है कि इसका निर्माण भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्य आनंद द्वारा कराया गया था।
- **कुशीनगर:** यह परिनिर्वाण या बुद्ध की मृत्यु का स्थान है। इस शहर में कई बौद्ध मंदिर हैं, जिनमें महापरिनिर्वाण मंदिर भी शामिल है।
- **रामग्राम (महाराजगंज):** यहाँ बुद्ध के अवशेषों सहित एकमात्र अछूता स्तूप है।
- **देवदह:** बुद्ध की माँ, सौतेली माँ और पत्नी का मायका, प्रारंभिक शिक्षाओं का स्थान।

उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021

चर्चा में क्यों ?

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में उजागर हुए **कथित धर्म परिवर्तन रैकेट** से संबंधित धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत मामला दर्ज किया है।

- **ED ने उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धार्मिक धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021** के तहत दर्ज एक प्राथमिकी के बाद अपनी जांच शुरू की।

प्रमुख बिंदु

- **उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021:**
  - इसका उद्देश्य धार्मिक रूपांतरणों को विनियमित करना **तथा मिथ्या प्रस्तुती, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या किसी भी धोखाधड़ी के माध्यम से किये गए धर्मांतरण पर रोक लगाना** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अवैध धर्मांतरण के **लिये कारावास और जुर्माने की मानक सज़ा है**।
  - यदि पीड़ित महिला, नाबालिग, या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है तो कारावास और जुर्माने की बढ़ी हुई सज़ा लागू होगी।
- बार-बार अपराध करने पर संबंधित सज़ा से दोगुनी सज़ा हो सकती है। **गैरकानूनी धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया कोई भी विवाह अमान्य घोषित** कर दिया जाता है।
- इससे पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा ने **उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया**, जिसमें मूल 2021 धर्मांतरण विरोधी कानून में महत्त्वपूर्ण बदलाव करते हुए इसके प्रावधानों को और अधिक कठोर बना दिया गया।

धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) 2002:

प्रमुख प्रावधान:

- **मनी लॉन्ड्रिंग को** अपराध से प्राप्त आय को छुपाना, कब्जाना, अधिग्रहण करना या उसका उपयोग करना तथा उसे वैध संपत्ति के रूप में प्रस्तुत करना कहा गया है।
- **यह विधेयक प्रवर्तन निदेशालय (ED) को** अपराधों की जाँच करने, छापे मारने और अपराध की आय को कुर्क करने का अधिकार देता है।
- **वित्तीय संस्थाओं को** संदिग्ध लेनदेन की जाँच के लिये **वित्तीय खुफिया इकाई - भारत (FIU-IND) को रिपोर्ट करने का आदेश दिया** गया है।
- **धन शोधन के मामलों की सुनवाई में तेज़ी लाने के लिये विशेष न्यायालयों की स्थापना की गई है**, जिससे कानूनी रोकथाम सुनिश्चित हो सके।
- **इसमें अपराधों की अनुसूची** के अंतर्गत आर्थिक अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद जैसे **विविध प्रकार के अपराध शामिल हैं।**

प्रभावशीलता:

- **मज़बूत निवारण:** PMLA प्रमुख धोखाधड़ी और आर्थिक अपराधों में सख्त जाँच, अभियोजन और संपत्ति जब्ती के माध्यम से वित्तीय अपराधों को रोकता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि: भारत** अवैध धन पर नज़र रखने के लिये इंटरपोल और **FATF (वित्तीय कार्रवाई कार्य बल) के साथ सहयोग** करता है।
- **बेहतर वित्तीय निगरानी:** बैंकों और वित्तीय संस्थानों को **नो योर कस्टमर (KYC)** मानदंडों को लागू करने के लिये बाध्य किया जाता है, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग के जोखिम कम हो जाते हैं।

धर्म परिवर्तन से संबंधित प्रमुख संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 25: सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन, अंत:करण की स्वतंत्रता और धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने के अधिकार की गारंटी देता है। राज्य धार्मिक आचरण से जुड़ी किसी भी आर्थिक, वित्तीय, राजनीतिक या अन्य धर्मनिरपेक्ष गतिविधि को विनियमित या प्रतिबंधित कर सकता है।

- **यह धार्मिक आचरण से जुड़ी धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों के विनियमन** और हिंदू धार्मिक संस्थाओं को हिंदुओं के सभी वर्गों और वर्गों के लिये खोलने की भी अनुमति देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अनुच्छेद 26:** प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय को सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन अपने धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 27 से 30:** धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने, किसी भी धर्म को आर्थिक योगदान देने तथा शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन की स्वतंत्रता की गारंटी।

'लर्निंग बाय डूइंग' कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता** सुधारने के उद्देश्य से **लर्निंग बाय डूइंग (LBD) कार्यक्रम** की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **LBD कार्यक्रम के बारे में:**
  - **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा शुरू किया गया **'लर्निंग बाय डूइंग (LBD)' कार्यक्रम** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को **लकड़ी का काम, धातु का काम, ऊर्जा एवं पर्यावरण,** कृषि एवं बागवानी तथा **स्वास्थ्य और पोषण** जैसे क्षेत्रों में **व्यावहारिक प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
  - इस कार्यक्रम के **पायलट चरण** में 15 **ज़िलों** के 60 स्कूलों में विभिन्न व्यवसायों से जुड़े **5,937 छात्रों** को प्रशिक्षित किया गया। इस पहल के परिणामस्वरूप **विद्यार्थियों की उपस्थिति और सहभागिता** में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
  - **वित्त वर्ष 2025-26** में सरकार इस कार्यक्रम को समग्र शिक्षा और पीएम श्री योजनाओं के तहत **3,288 और स्कूलों** तक विस्तारित करने की योजना बना रही है।
    - **समग्र शिक्षा अभियान** के तहत क्रियान्वित यह पहल शिक्षा को **रोज़गारपरकता** और **जीवन-कौशल** से जोड़ने के **दृष्टिकोण** को दर्शाती है।
  - कार्यक्रम की **प्रभावी क्रियान्वयन** के लिये **बेसिक शिक्षा विभाग** ने **विज्ञान और गणित के शिक्षकों** को **चार दिवसीय बहु-कौशल प्रशिक्षण** प्रदान किया है।
  - यूनिसेफ और **विज्ञान आश्रम** के तकनीकी सहयोग से राज्य ने **60 कौशल-आधारित गतिविधियों** वाला एक **शिक्षक मैनुअल** विकसित किया है, जिसे SCERT (राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) द्वारा **अनुमोदित** किया गया है।
- **स्कूलों में आधुनिक कौशल प्रयोगशालाओं का विस्तार:**
  - **शैक्षणिक वर्ष 2024-25** में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा **सभी 75 ज़िलों** के **2,274 उच्च प्राथमिक और समग्र स्कूलों** में **आधुनिक 'लर्निंग बाय डूइंग (LBD)' प्रयोगशालाएँ** स्थापित **की जाएंगी**।
  - इन प्रयोगशालाओं में **आधुनिक उपकरण** और **साजो-सामान** उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, **स्कूल प्रबंधन समितियों (SMC)** को इन **व्यावहारिक गतिविधियों** के संचालन में सहयोग हेतु **कच्चा माल** और **उपभोग्य वस्तुएँ** प्रदान **की जाएंगी**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

समग्र शिक्षा अभियान

- **परिचय:**
  - केंद्रीय बजट 2018-19 में प्रस्तुत, **समग्र शिक्षा** एक व्यापक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत समान शिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से **प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक** के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **योजनाओं का एकीकरण:** इसमें पहले की तीन योजनाएँ सम्मिलित हैं:
    - **सर्व शिक्षा अभियान (SSA):** सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा पर केंद्रित।
    - **राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA):** इसका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा है।
    - **शिक्षक शिक्षा (TE):** शिक्षकों के प्रशिक्षण पर केंद्रित।
  - **क्षेत्र-व्यापी विकास दृष्टिकोण:** इस अभियान के अंतर्गत खंडित परियोजना-आधारित उद्देश्यों के स्थान पर **सभी स्तरों (राज्य, ज़िला और उप-ज़िला) पर कार्यान्वयन** को सुव्यवस्थित किया गया है।
  - **सतत् विकास लक्ष्यों के साथ संरेखण:** लैंगिक असमानताओं को समाप्त करते हुए और सुभेद्य समूहों (SDG 4.1) के लिये पहुँच सुनिश्चित करते हुए नि:शुल्क, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा **सुनिश्चित की जाती है** (SDG 4.5)।
- **कार्यान्वयन:**
  - यह **केंद्र प्रायोजित योजना** (CSS) है, जिसका कार्यान्वयन **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर** पर **एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (SIS)** के माध्यम से किया जाता है।

पीएम-श्री योजना

- **परिचय:**
  - भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 में शुरू की गई PM-SHRI योजना एक **केंद्र समर्थित पहल** है, जिसे **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020** के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने हेतु वर्तमान स्कूलों में सुधार करके लगभग 14,500 से अधिक **PM-SHRI स्कूल स्थापित करने के लिये** डिज़ाइन किया गया है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य एक **समावेशी** और **पोषणकारी परिवेश** तैयार करना है, जो प्रत्येक छात्र के **कल्याण तथा सुरक्षा को बढ़ावा** दे, **विविध शिक्षण अनुभव** प्रदान करे एवं **गुणवत्तापूर्ण बुनियादी अवसंरचना एवं संसाधनों तक अभिगम** प्रदान करे।

उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक इमारतों का हेरिटेज होटलों के रूप में विकास

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य में **पर्यटन** को बढ़ावा देने के लिये प्राचीन किलों सहित **11 ऐतिहासिक इमारतों** का जीर्णोद्धार करेगा तथा उन्हें **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल** के माध्यम से हेरिटेज होटल, सांस्कृतिक केंद्र या **संग्रहालय** में परिवर्तित करेगा।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य **उत्तर प्रदेश की स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है** तथा राज्य में हज़ारों लोगों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस पहल के तहत, **निजी कंपनियाँ चिह्नित विरासत स्थलों का डिज़ाइन, विकास और जीर्णोद्धार** करेंगी तथा उन्हें आगे उपयोग के लिये सरकार को सौंप देंगी।
- यह विरासत पुनरुद्धार कार्यक्रम सांस्कृतिक संरक्षण को आधुनिक विकास लक्ष्यों के साथ मिश्रित करने की एक बड़ी राज्य रणनीति का हिस्सा है, जो विरासत संरक्षण और स्थानीय विकास दोनों को सुनिश्चित करता है।
- इस पहल का उद्देश्य विरासत आधारित पर्यटन के माध्यम से **बुंदेलखंड क्षेत्र** की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करना तथा सांस्कृतिक पहचान पर आधारित सतत् विकास को प्रोत्साहित करना है।

नवीकरण के लिये चिह्नित प्रमुख स्थल:

- **तालबेहट किला** – ललितपुर
- **रनगढ़ और भूरागढ़ किला** – बाँदा
- **वज़ीरगंज बारादरी** – गोंडा
- **आलमबाग भवन, गुलिस्तान-ए-इरम और दर्शन विलास** – लखनऊ
- **टिकैत राय बारादरी** – कानपुर
- **मस्तानी महल और सेनापति महल** – महोबा
- **टहरौली किला** – झाँसी
- **सीताराम महल/कोटवन किला** – मथुरा

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022

उद्देश्य:

- पर्यटन नीति के प्राथमिक उद्देश्य **सतत् विकास** सुनिश्चित करना, पर्यटकों की संतुष्टि बढ़ाना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना तथा सामुदायिक समावेशिता तथा भागीदारी को बढ़ावा देना है।

आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन:

- यह नीति उदार **सब्सिडी** और वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं:
  - पूंजी निवेश सब्सिडी 10-25% तक (निवेश आकार के आधार पर 2-40 करोड़ रुपए तक सीमित)।
  - 5 वर्षों तक 5 करोड़ रुपए तक के बैंक ऋण पर 5% ब्याज सब्सिडी।
  - स्टांप ड्यूटी, भूमि रूपांतरण शुल्क तथा रोज़गार से जुड़े EPF प्रतिपूर्ति पर 100% छूट।
  - अतिरिक्त प्रोत्साहनों का लक्ष्य टियर 2+ स्थान, महिला उद्यमी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग तथा पर्यटन स्थलों पर केंद्रित है।

पारिस्थितिकी, विरासत और विशिष्ट पर्यटन पर ध्यान: नीति निम्नलिखित के विकास को बढ़ावा देती है:

- वन्यजीव अभयारण्य, कैंपिंग स्थल, ट्रैकिंग तथा प्रकृति भ्रमण जैसे पारिस्थितिकी पर्यटन सर्किट।
- **PPP मॉडल** के माध्यम से हेरिटेज, MICE (मीटिंग, इन्सेन्टिव, कॉन्फ्रेंस, एग्ज़ीबिशन), वेलनेस तथा मनोरंजन पार्क।
- थीम आधारित सर्किटों के साथ एकीकरण – रामायण, कृष्ण, बौद्ध, महाभारत तथा शक्ति पीठ।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 में 65 करोड़ पर्यटक आए, जो **अयोध्या, काशी और मथुरा** जैसे प्रमुख धार्मिक और विरासत स्थलों तथा विभिन्न प्राचीन मंदिरों एवं तीर्थस्थलों के विकास से प्रेरित थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **निवेश सुविधा एवं वैश्विक प्रोत्साहन:**
  - उत्तर प्रदेश का लक्ष्य प्रतिवर्ष 5,000 करोड़ रुपए आकर्षित करना है, जिसके लिये निम्नलिखित उपाय किये गए हैं:
    - बाज़ार अनुसंधान, अनुमोदन और निवेश सहायता हेतु पर्यटन निवेशक सुविधा प्रकोष्ठ की स्थापना।
    - रोड शो, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कार्यक्रमों में भागीदारी तथा सहयोगात्मक ब्रांडिंग एवं उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में प्रयास।

आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने हेतु UNDP के साथ साझेदारी

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त कार्यालय ने राज्य में आपदा प्रबंधन को अधिक **प्रभावी** और **वैज्ञानिक** बनाने के लिये संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के साथ एक **सहयोग ज्ञापन (MoA)** पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

मुख्य बिंदु:

सहयोग ज्ञापन (MoA) के बारे में:

- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रमों को लागू करना, राज्य की **संस्थागत क्षमता** को सशक्त बनाना तथा एक **तकनीकी दृष्टिकोण** पर आधारित **बहु-स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रणाली** का विकास करना है।
  - यह **समग्र आपदा प्रबंधन कार्यक्रम** राज्य को एक **मज़बूत जोखिम न्यूनीकरण ढाँचे** से सुसज्जित करेगा और संभावित आपदाओं के प्रति **तैयारी** को बढ़ाएगा।
  - इसके अंतर्गत राज्य में **आपदा जोखिम न्यूनीकरण उपायों** को लागू किया जाएगा, जिससे एक **समावेशी, उत्तरदायी तथा प्रभावी** आपदा प्रबंधन प्रणाली का निर्माण सुनिश्चित हो सके।
- **कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:**
  - उत्तर प्रदेश के सभी 75 ज़िलों तथा **15 प्रमुख राज्य विभागों** के लिये **आपदा प्रबंधन योजनाओं** का निर्माण किया जाएगा।
  - **20 प्रमुख नगरों** के लिये विस्तृत **जोखिम मूल्यांकन** एवं **असुरक्षा अध्ययन** किये जाएंगे तथा इन शहरों के लिये **शहरी आपदा प्रबंधन योजनाएँ** तैयार की जाएंगी।
  - **10 राज्य विभागों** के लिये **विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPRs)** तैयार किये जाएंगे।
- **तकनीकी सुधार:**
  - **राज्य की आपदा सूचना प्रणाली** का एकीकरण करके सशक्त किया जाएगा।
  - इसके लिये **कार्यशालाओं, ICT उपकरणों की उपलब्धता** तथा राहत आयुक्त कार्यालय में **परियोजना प्रबंधन इकाई (PMU)** की स्थापना की जाएगी ताकि समन्वय प्रभावी ढंग से सुनिश्चित हो सके।
- **बजट और कार्यान्वयन:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी **तीन वर्षों** के लिये इस कार्यक्रम के चरणबद्ध क्रियान्वयन हेतु **19.99 करोड़ रुपए** के बजट को मंज़ूरी दी है।
  - कार्यक्रम का कार्यान्वयन **UNDP के तकनीकी प्रस्तावों** के अनुसार किया जाएगा तथा इसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की सिफारिशों के अनुरूप संरेखित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के बारे में

- **परिचय:**
  - यह संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक विकास नेटवर्क है, जो परिवर्तन का समर्थन करता है और लोगों को बेहतर जीवन बनाने में मदद करने के लिये देशों को ज्ञान, अनुभव तथा संसाधनों से जोड़ता है।
- **स्थापना एवं मुख्यालय:**
  - UNDP की स्थापना वर्ष 1965 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आधिकारिक रूप से की गई थी।
  - इसका गठन संयुक्त राष्ट्र विस्तारित तकनीकी सहायता कार्यक्रम (1949) और संयुक्त राष्ट्र विशेष कोष (1958) को मिलाकर किया गया था।
  - इसका **मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर** में है, लेकिन यह मुख्य रूप से लगभग 170 देशों और क्षेत्रों में स्थित अपने कार्यालयों के माध्यम से कार्य करता है।
- **वैश्विक उपस्थिति एवं कार्य पद्धति:**
  - यह लगभग 170 देशों और क्षेत्रों में ज़मीनी स्तर पर कार्य करता है, जहाँ यह विकास संबंधी चुनौतियों के लिये स्थानीय समाधानों को समर्थन प्रदान करता है तथा ऐसी राष्ट्रीय तथा स्थानीय क्षमताओं का निर्माण करता है, जो उन्हें मानव विकास व सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्षम बनाएँ।
- **मुख्य कार्यक्षेत्र:** UNDP का कार्य तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है:
  - सतत् विकास
  - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और शांति निर्माण
  - जलवायु और आपदा प्रबंधन

नमस्ते दिवस

चर्चा में क्यों ?

'नेशनल एक्शन फॉर मेकनाइज़्ड सैनीटेशन इकोसिस्टम (NAMASTE) दिवस' (16 जुलाई) के अवसर पर, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने **लखनऊ** में कचरा बीनने वालों के लिये **हेल्पलाइन (14473)** का उद्घाटन किया, साथ ही सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs) तथा कचरा बीनने वालों को PPE किट एवं **आयुष्मान कार्ड** वितरित किये।

मुख्य बिंदु

नमस्ते योजना के बारे में:

- नमस्ते योजना सरकार द्वारा एक **मानव-केंद्रित पहल है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी सफाई कर्मचारी को** सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई जैसे खतरनाक मैनुअल काम में शामिल न होना पड़े।
  - इस योजना का उद्देश्य **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs)** की कार्य स्थितियों में सुधार लाना तथा विभिन्न सहायता उपायों के माध्यम से उनके कल्याण को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कार्यान्वयन और अवधि:**
  - **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा आवास एवं शहरी मामलों** के केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई इस योजना का कार्यान्वयन **राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (NSKFDC) द्वारा किया जा रहा है।**
  - **349.73 करोड़ रुपए** के बजट वाली यह योजना **वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26** तक चलेगी और देश के **4800 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों (ULBs)** को कवर करेगी।
    - यह योजना हाथ से मैला ढोने वालों के **पुनर्वास की स्वरोज़गार योजना (SRMS)** का स्थान लेती है।
- **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs) के लिये प्रमुख अधिकार:**
  - **यह योजना SSWs के लिये उनकी सुरक्षा, कल्याण और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न अधिकार प्रदान करती है:**
    - **डिजिटल प्रोफाइलिंग** के माध्यम से कर्मियों की पहचान की जा रही है।
    - कार्य के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये **व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) किट** का प्रावधान।
    - **आवश्यक सुरक्षा उपकरणों** और संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित करना।
    - श्रमिकों की सुरक्षा और कौशल बढ़ाने के लिये प्रशिक्षण प्रदान करना।
    - SSWs के लिये व्यापक **स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित करना।**
  - इस योजना का उद्देश्य सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSW) के लिये **आजीविका के अवसर भी सृजित करना है:**
    - जिसके तहत स्वच्छता से संबंधित वाहन और मशीनें रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा SSWs को क्षमता निर्माण पहलों द्वारा अपने स्वयं के स्वच्छता व्यवसाय शुरू करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मैनुअल स्कैवेंजिंग:

- मैनुअल स्कैवेंजिंग (Manual Scavenging) या हाथ से मैला ढोने को "सार्वजनिक सड़कों और सूखे शौचालयों से मानव मल को हटाने, सेप्टिक टैंक, नालियों एवं सीवर की सफाई" के रूप में परिभाषित किया गया है।
  - **मैनुअल स्कैवेंजर** वह व्यक्ति होता है, जिसे **अस्वास्थ्यकर शौचालयों**, **खुली नालियों**, **गड्ढों** या **रेलवे पटरियों** से **मानव मल** को पूरी तरह से सड़ने से पहले **हाथ से साफ करने**, **ले जाने** या **संभालने** के लिये नियुक्त किया जाता है, जैसा कि **'मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोज़गार का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम (PEMSR), 2013'** में परिभाषित किया गया है।
- भारत ने **PEMSR अधिनियम, 2013** के तहत इस प्रथा पर **प्रतिबंध** लगा दिया है, जो **मैनुअल स्कैवेंजिंग** को एक **"अमानवीय प्रथा"** मानता है और इसका उद्देश्य **मैनुअल स्कैवेंजरों** द्वारा सहन किये गए **ऐतिहासिक अन्यायों** को दूर करना है।
- **सरकारी पहल और योजनाएँ:**
  - सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज
  - स्वच्छता अभियान ऐप
  - राष्ट्रीय गरिमा अभियान
  - राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग
  - स्वच्छता उद्यमी योजना
  - पूर्व शिक्षा की मान्यता (RPL)
  - स्वच्छ भारत मिशन 2.0

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश ने 50 नदियों का पुनरुद्धार किया

उत्तर प्रदेश सरकार ने **राज्य स्तरीय पहलों** और स्थानीय सहभागिता के समन्वित प्रयासों के माध्यम से **3,363 किमी लंबाई वाली 50** नदियों का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार किया है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - यह पहल **ग्रामीण क्षेत्रों** में 1,011 ग्राम पंचायतों में कार्यान्वित की गई।
  - ये प्रयास नमामि गंगे कार्यक्रम द्वारा संचालित थे तथा महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के माध्यम से जारी रहे।
- **प्रभाव:**
  - नदियों के पुनरुद्धार और ग्रामीण क्षेत्रों में **3,388 तालाबों के निर्माण** से **भूजल स्तर** तथा जल भंडारण क्षमता में वृद्धि हुई।
  - इससे जल की कमी दूर होगी तथा स्थानीय किसानों की कृषि एवं पशुधन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा।
- **स्थायित्व और मृदा संरक्षण:**
  - सरकार ने **कटाव को रोकने** और **तटबंधों को मज़बूत** करने के लिये **नदी के किनारों** पर पौधे लगाए, तथा नदी पुनरुद्धार एवं जलग्रहण विकास के लिये नई परियोजनाओं की पहचान की।
- **सामाजिक-सांस्कृतिक और रोज़गार लाभ:**
  - नदी पुनरुद्धार प्रयासों से सांस्कृतिक स्थलों का जीर्णोद्धार हुआ है, जल संरक्षण जागरूकता बढ़ी है, सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिला है तथा मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण रोज़गार सृजित हुए हैं, जिससे स्थानीय विकास को सहायता मिली है।

नमामि गंगे कार्यक्रम

- **लॉन्च:** इसे **भारत सरकार** द्वारा एक प्रमुख एकीकृत संरक्षण मिशन के रूप में वर्ष **2014-15** में लॉन्च किया गया था।
- **उद्देश्य: गंगा नदी** और उसकी **सहायक नदियों** के **प्रदूषण उन्मूलन** तथा **पुनर्जीवन** के दोहरे लक्ष्य। "निर्मल धारा" (अप्रदूषित प्रवाह) एवं "अविरल धारा" (निरंतर प्रवाह) को बहाल करने पर विशेष ध्यान।
- **कवरेज: गंगा बेसिन** 11 राज्यों में फैला हुआ है, जो भारत के **27% भूमि क्षेत्र** को कवर करता है और **47% जनसंख्या** को पोषण प्रदान करता है।
- **मुख्य घटक:**
  - **निर्मल गंगा:** सीवेज उपचार और अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण।
  - **अविरल गंगा:** पारिस्थितिकी प्रवाह बहाली और वनीकरण।
  - **जन गंगा:** सामुदायिक जागरूकता और सहभागिता।
  - **ज्ञान गंगा:** अनुसंधान, नीति समर्थन और नदी बेसिन योजना।
- **नवीनतम पहलें:**
  - **वाराणसी** और **भदोही** में **नए एसटीपी** एवं **नाला अवरोधन** (400 करोड़ रुपए से अधिक निवेश)।
  - **उत्तर प्रदेश** सहित 3 राज्यों के 7 ज़िलों में **जैवविविधता पार्क** और **प्राथमिकता वाली आर्द्रभूमियों** का विकास।
  - **उपचारित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग** के लिये **राष्ट्रीय ढाँचे** का शुभारंभ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

- इसे वर्ष 2005 में पारित किया गया था और यह एक **अधिकार-आधारित रोज़गार गारंटी योजना** है, जिसका उद्देश्य **ग्रामीण आजीविका सुरक्षा** सुनिश्चित करना है।
- **मुख्य उद्देश्य:** प्रत्येक ग्रामीण परिवार, जिसके वयस्क सदस्य **अकुशल शारीरिक कार्य** करने के लिये इच्छुक हों, को **एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का मज़दूरी युक्त गारंटीकृत रोज़गार** प्रदान करना।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **पात्रता:** आवेदक **भारतीय नागरिक** होना चाहिये, जिसकी आयु **18 वर्ष या उससे अधिक** हो, वह **ग्रामीण परिवार** का हिस्सा हो और **अकुशल शारीरिक कार्य** करने के लिये इच्छुक हो।
  - **विकेंद्रीकृत योजना:** योजना निर्माण और क्रियान्वयन की ज़िम्मेदारी **ग्रामसभाओं** तथा **पंचायती राज संस्थाओं** को सौंपी गई है, जिससे **नीचे से ऊपर तक भागीदारी** सुनिश्चित होती है।
  - **बेरोज़गारी भत्ता:** यदि आवेदन के **15 दिनों के भीतर कार्य** उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो **मुआवज़े** के रूप में पहले 30 दिनों तक **चौथाई मज़दूरी**, तत्पश्चात् **आधी मज़दूरी** दी जाती है।
  - **कार्यस्थल मानक:** रोज़गार **5 किमी के दायरे** में ही उपलब्ध कराया जाना चाहिये; पीने का पानी, छाया और प्राथमिक चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जानी चाहिये।
  - **समयबद्ध भुगतान:** मज़दूरी **साप्ताहिक रूप से** और अधिकतम **15 दिनों के भी**तर दी जानी चाहिये, अन्यथा मुआवज़ा देय होगा।

कौशल मेला 2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में **इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान** में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर **कौशल मेला 2025** आयोजित किया गया।

- इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के युवाओं में **व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता** को बढ़ावा देना था।

मुख्य बिंदु

उत्तर प्रदेश सरकार की कौशल पहल:

- **उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM):**
  - **लक्ष्य समूह:** यह मिशन **14 से 35 वर्ष** की आयु के युवाओं को **नि:शुल्क, रोज़गारोन्मुख प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
  - **उद्देश्य:** राज्य सरकार का उद्देश्य **कौशल आधारित रोज़गार के अवसर** सृजित करना है।
  - **वार्षिक प्रशिक्षण:** हर साल 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों में 3 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाता है।
  - **कुल प्रशिक्षण:** वित्त वर्ष 2017-18 में मिशन की स्थापना के बाद से मार्च 2025 तक 14,13,716 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
  - **रोज़गार सुविधा:** मिशन के माध्यम से **5,66,483 युवाओं** को सफलतापूर्वक **रोज़गार दिलाया गया** है।
  - **साझेदारियाँ:** मिशन ने **24 प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों** को प्रशिक्षण प्रदाता तथा **8 प्लेसमेंट एजेंसियों** को साझेदार बनाया है ताकि रोज़गार के अवसर बढ़ सकें।
  - यह **भारत का पहला एकीकृत मॉडल** है, जो **पाँच केंद्रीय सरकार** तथा **एक राज्य सरकार** की कौशल विकास योजनाओं को **एकीकृत और समन्वित रूप** से संचालित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कौशल विकास पहल (SDI):**
  - कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित यह योजना **14–35 वर्ष** के सभी वर्गों के युवाओं को **MES** कोर्स प्रदान करती है, जिसमें 30% महिलाएँ और 75% प्लेसमेंट का लक्ष्य होता है।
- **अनुसूचित जाति उप-योजना हेतु विशेष केंद्रीय सहायता:**
  - सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की यह योजना **अनुसूचित जाति के 14–35 वर्ष के युवाओं** को लक्षित करती है। इसमें **MES और QP-NOS कोर्स** प्रदान किये जाते हैं, 30% महिला भागीदारी के साथ, यह योजना भारत सरकार द्वारा पूर्णत: वित्तपोषित है।
- **बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (MSDP):**
  - अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित यह भारत सरकार की वित्तपोषित योजना है, जो उत्तर प्रदेश के चयनित ज़िलों में **अल्पसंख्यक युवाओं को MES प्रशिक्षण प्रदान** करती है, जिसमें 33% महिला भागीदारी और 75% प्लेसमेंट का लक्ष्य होता है।
- **सीमावर्ती क्षेत्र विकास कार्यक्रम (BADP):**
  - **गृह मंत्रालय** की यह योजना **उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती 19 ब्लॉकों** में युवाओं को **MES और QP-NOS प्रशिक्षण** प्रदान करती है, जिसमें 50% महिला भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। यह योजना भी भारत सरकार द्वारा पूर्णत: वित्तपोषित है।
- **भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक योजना (BOCW):**
  - यह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तपोषित योजना है, जो 14–50 वर्ष के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को MES तथा QP-NOS प्रशिक्षण प्रदान करती है।
- **राज्य कौशल विकास निधि (SSDF):**
  - यह **उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित एक टॉप-अप फंड** है, जो **14–35 वर्ष** के युवाओं को **MES और QP-NOS प्रशिक्षण** प्रदान करता है। इसका उद्देश्य **20% अल्पसंख्यकों** तथा **30% महिलाओं** को लक्षित करना है एवं **60% प्लेसमेंट** प्राप्त करना है।
    - **राज्य कौशल विकास निधि (SSDF)** को **अतिरिक्त वित्तीय सहायता** प्रदान करने और योजनाओं के प्रभावी एकीकरण हेतु स्थापित किया गया है।
    - **सामान्य न्यूनतम मानदंडों** के अनुसार, प्रमाणित उम्मीदवारों की **70%** नियुक्ति अनिवार्य है, जिसमें कम-से-कम 50% को वेतनयुक्त रोज़गार मिलना चाहिये।

ITI चलो अभियान

- इसे उत्तर प्रदेश में **ITI में प्रवेश** बढ़ाने के लिये **12 मई 2025** को लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य **मेक इन इंडिया** और **डिजिटल इंडिया** के साथ तकनीकी शिक्षा को मज़बूत करना तथा युवाओं में रोज़गार क्षमता को बढ़ाना है।
- यह अभियान ज़िला मजिस्ट्रेटों, स्कूल प्राधिकारियों और ग्राम प्रधानों के समन्वित प्रयासों से कार्यान्वित किया गया।
- 149 सरकारी ITI ने 11 **उद्योग-संरेखित दीर्घकालिक पाठ्यक्रम** प्रदान करने के लिये **टाटा टेक्नोलॉजीज़** के साथ साझेदारी की है।
- यह मिशन स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाता है, **शिक्षा तथा रोज़गार के अंतर** को पाटता है एवं उत्तर प्रदेश को कौशल विकास का केंद्र बनाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR)

चर्चा में क्यों ?

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के निकट एक संदिग्ध बाघ हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जो तीन दिनों में इस तरह की दूसरी घटना है, जिसके बाद अधिकारियों ने बाघ को गोली मारने की अनुमति लेने पर विचार किया है।

मुख्य बिंदु

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के बारे में:

- यह उत्तर प्रदेश के **पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िलों** में स्थित है। इसे वर्ष **2014** में **बाघ अभयारण्य** के रूप में अधिसूचित किया गया था।
  - वर्ष **2020** में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या **दोगुनी** करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।
- यह **ऊपरी गंगा के मैदान में** तराई आर्क परिदृश्य का हिस्सा है।
- गोमती नदी इसी अभयारण्य से निकलती है, जो **शारदा, चूका और माला खन्नोट** जैसी कई अन्य नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भी है।
- **वनस्पति और जीव:**
  - यह **128 से अधिक जानवरों, 326 पक्षी प्रजातियों** और **2,100** पुष्पीय पौधों का **निवास स्थान** है।
  - **जंगली जानवरों** में **बाघ, दलदली हिरण,** बंगाल फ्लोरिकन, तेंदुआ आदि शामिल हैं।
  - इसमें **घने साल के जंगल, वृक्षारोपण और** घास के मैदान तथा कई जल निकाय शामिल हैं।

मानव-पशु संघर्ष

- **परिचय:**
  - मानव-पशु संघर्ष उन स्थितियों को संदर्भित करता है, जहाँ मानव गतिविधियों, जैसे कि कृषि, बुनियादी ढाँचे का विकास अथवा संसाधन निष्कर्षण, में वन्य पशुओं के साथ संघर्ष की स्थिति होती हैं, इसकी वजह से मानव एवं पशुओं दोनों के लिये नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।

मानव-पशु संघर्ष से निपटने के लिये सरकारी उपाय

- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** यह अधिनियम गतिविधियों, शिकार पर प्रतिबंध, वन्यजीव आवासों की सुरक्षा और प्रबंधन तथा संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना आदि के लिये कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।
- **जैविक विविधता अधिनियम, 2002:** भारत, **जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** का एक हिस्सा है। यह सुनिश्चित करता है कि जैविक विविधता अधिनियम वनों और वन्यजीवों से संबंधित **मौजूदा कानूनों का खंडन करने के बजाय पूरक** है।
- **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016):** यह संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क को मज़बूत करने और बढ़ाने, लुप्तप्राय वन्यजीवों तथा उनके आवासों के संरक्षण, वन्यजीव उत्पादों में व्यापार को नियंत्रित करने एवं अनुसंधान, शिक्षा व प्रशिक्षण पर केंद्रित है।
- **प्रोजेक्ट टाइगर:** **प्रोजेक्ट टाइगर** एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है, जो वर्ष 1973 में शुरू की गई थी। यह देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों के लिये आश्रय प्रदान करती है।
- **हाथी परियोजना:** यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है और हाथियों, उनके आवासों तथा गलियारों की सुरक्षा के लिये फरवरी 1992 में शुरू की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

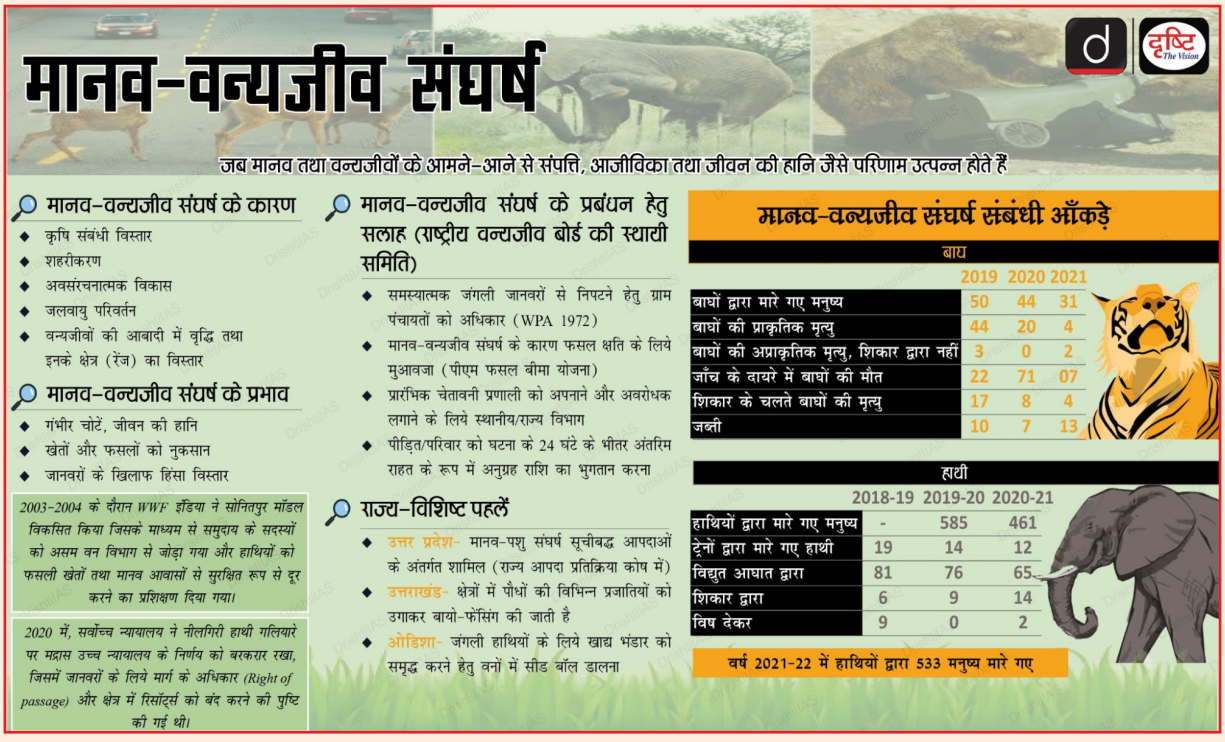

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY)

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **कृषि उत्पादकता को बढ़ावा** देने के लिये **नव-प्रवर्तित** प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) में **महत्त्वपूर्ण हिस्सेदारी सुनिश्चित** करने हेतु केंद्र सरकार को एक **विस्तृत प्रस्ताव** प्रस्तुत किया है।

मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के बारे में

परिचय:

- PMDDKY एक **व्यापक कृषि कार्यक्रम** है, जिसे **उत्पादकता बढ़ाने**, सतत् कृषि पद्धतियों **को प्रोत्साहित** करने और **कृषकों की आजीविका सुधारने** के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
- इसकी **घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26** में की गई थी।
- यह योजना वर्ष **2025-26 से शुरू होकर छह वर्षों** तक चलेगी, जिसका **वार्षिक परिव्यय** 24,000 **करोड़ रुपए** है।
- योजना का उद्देश्य **बेहतर सिंचाई, भंडारण**, तथा **कृषि ऋण की पहुँच** सुनिश्चित करना, **सतत् कृषि पद्धतियों** को बढ़ावा देना एवं देश के **100 कमज़ोर प्रदर्शन वाले ज़िलों** में **कृषि उत्पादकता सुधारना** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह **11 केंद्रीय मंत्रालयों की 36 योजनाओं** को मिलाकर एक **एकीकृत कृषि सहायता प्रणाली** तैयार करती है।
- यह नीति आयोग के आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम से प्रेरित है।

ज़िला चयन के मानदंड

- **निम्न कृषि उत्पादकता:** प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन की दर कम होना।
- **कम फसल तीव्रता:** प्रति वर्ष फसल चक्र की संख्या कम या फसल विविधता की कमी।
- **सीमित ऋण वितरण:** कृषि ऋण और वित्तीय संसाधनों की पहुँच का अभाव।।
- **राज्य प्रतिनिधित्व:** चयन में प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में शुद्ध फसल क्षेत्र और परिचालन जोत के हिस्से पर विचार किया जाएगा। संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के लिये प्रत्येक राज्य से कम-से-कम एक ज़िला चुना जाएगा।

कार्यान्वयन और निगरानी व्यवस्था

- ज़िला कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ योजनाएँ:
  - प्रत्येक ज़िले में **'ज़िला धन धान्य समिति'** द्वारा एक समर्पित योजना तैयार की जाएगी, जिसमें प्रगतिशील किसान सदस्य होंगे। ये योजनाएँ **फसल विविधीकरण**, जल संरक्षण और **कृषि आत्मनिर्भरता** जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप होंगी।
- निगरानी और मूल्यांकन:
  - मासिक समीक्षा के साथ एक समर्पित डैशबोर्ड के माध्यम से **117 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPI)** का उपयोग करके प्रगति पर नज़र रखी जाएगी।
  - सुचारू कार्यान्वयन के लिये प्रत्येक ज़िले में केंद्रीय नोडल अधिकारी नियुक्त किये **जाएंगे।**
  - **नीति आयोग** नियमित मार्गदर्शन प्रदान करेगा और ज़िला योजनाओं की समीक्षा करेगा।
- **विभिन्न स्तरों पर समितियाँ:**
  - योजना की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने हेतु **ज़िला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर** पर समितियाँ योजना, कार्यान्वयन तथा प्रगति की निगरानी करेंगी।

अपेक्षित परिणाम:

- **किसान लाभार्थी:** भारत में लगभग 1.7 करोड़ किसानों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है।
- **संबद्ध क्षेत्रों का एकीकरण:** यह योजना मूल्य संवर्द्धन और स्थानीय आजीविका सृजन के लिये पशुधन, डेयरी एवं मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों को एकीकृत करती है।
- **फोकस क्षेत्र:** फसलोपरांत भंडारण, बेहतर सिंचाई, आसान ऋण पहुँच तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण आर्थिक मज़बूती सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार की तैयारी के बारे में

- उत्तर प्रदेश सरकार ने इस योजना के लाभ का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा सुनिश्चित करने के लिये योजना बनाना प्रारंभ कर दिया है।
- राज्य के **कृषि विभाग** ने क्षेत्रीय विवरण की समीक्षा की है तथा योजना के **सफल कार्यान्वयन** हेतु केंद्र सरकार को एक **विस्तृत प्रस्ताव** प्रस्तुत किया है।
- उत्तर प्रदेश एक **प्रमुख कृषि प्रधान राज्य** है, अत: उसे इस योजना के **आवंटन में महत्त्वपूर्ण भागीदारी** मिलने की उम्मीद है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अन्य पूरक योजनाएँ

- **यूपी-एग्रीस योजना:**
  - PMDDKY, **विश्व बैंक** द्वारा सहायता प्राप्त यूपी-एग्रीस योजना का पूरक है, जिसका उद्देश्य **पूर्वांचल** और **बुंदेलखंड** क्षेत्रों के **28 ज़िलों** में **कृषि उत्पादन** में सुधार करना है।
  - इसका मुख्य उद्देश्य **कृषि उत्पादकता** बढ़ाना, **प्राकृतिक संसाधनों** का संरक्षण सुनिश्चित करना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना है।
  - इस परियोजना से **10,000 महिला उत्पादक समूहों** को जोड़ा जाएगा तथा **500 किसानों** को उन्नत प्रशिक्षण के लिये **विदेश भेजा जाएगा**।
- **आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम:**
  - आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम भी राज्य में **कृषि उत्पादकता** बढ़ाने के लिये कार्य कर रहा है।
  - यह भारत सरकार द्वारा वर्ष **2018** में **112 सबसे कमज़ोर ज़िलों** के उत्थान के लिये शुरू किया गया।
  - **मूल दर्शन:**
    - ज़िलों को उनकी **छिपी हुई क्षमता** को उजागर करने के लिये सशक्त बनाकर **"पिछड़ेपन"** से **"आकांक्षा"** की ओर बदलाव।
  - **फोकस क्षेत्र:** स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, बुनियादी ढाँचा और आर्थिक अवसर।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों ?

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के तहत दस लाख से अधिक आबादी वाली श्रेणी में **लखनऊ** को अहमदाबाद और भोपाल के बाद देश का **तीसरा सबसे स्वच्छ शहर** माना गया।

मुख्य बिंदु

शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता:

- **लखनऊ:**
  - **रैंकिंग:** देश का तीसरा सबसे स्वच्छ शहर **(दस लाख से अधिक जनसंख्या श्रेणी में)**।
  - **उपलब्धि: 7-स्टार कचरा GFC रेटिंग** प्राप्त करने वाला **उत्तर प्रदेश का पहला शहर** बना।
- **प्रयागराज:**
  - **सबसे स्वच्छ गंगा नगरी** के रूप में विशेष पहचान अर्जित की, वाराणसी को पीछे छोड़कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **नोएडा:**
  - **रैंकिंग:** 3 से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में **सुपर स्वच्छ लीग में** शीर्ष स्थान।
    - शीर्ष स्तर के प्रदर्शनकर्त्ताओं को अलग से रैंक करने के लिये एक **नई श्रेणी शुरू की गई।**
- **अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ:**
  - 10 लाख से अधिक आबादी श्रेणी में उत्तर प्रदेश के सात शहर टॉप 20 में शामिल हैं: लखनऊ, आगरा, गोरखपुर, कानपुर, गाज़ियाबाद, प्रयागराज और नोएडा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **महाकुंभ 2025 के लिये पुरस्कार:**
  - महाकुंभ के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई की बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिये विशेष पुरस्कार प्रदान किये गए, जो बड़े आयोजनों के दौरान राज्य की सफल स्वच्छता नीति को दर्शाते हैं।
- **शीर्ष रेटिंग वाले शहर:**
  - **5-स्टार रेटिंग:** आगरा, गोरखपुर, कानपुर, गाज़ियाबाद, प्रयागराज, नोएडा
  - **सफाईमित्र सुरक्षित शहर श्रेणी में तीसरा स्थान:** गोरखपुर
  - **शीर्ष 10 सबसे स्वच्छ शहर (3-10 लाख जनसंख्या):** गोरखपुर (तीसरा), मुरादाबाद (10वाँ)
  - **उभरता हुआ स्वच्छ शहर:** आगरा (राष्ट्रीय स्तर पर 32वाँ स्थान)
- **नई जल-प्लस उपलब्धियाँ:**
  - **बिजनौर और शम्साबाद सहित 16 शहरों को** पहली बार वाटर-प्लस का दर्जा मिला।
    - **स्वच्छता,** जल प्रबंधन और पुनर्चक्रण प्रथाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले स्थानीय निकायों को जल-प्लस का दर्जा प्रदान किया जाता है।
  - 17 नगर निगमों में से **13 को जल-प्लस का दर्जा प्राप्त हुआ, जो** पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है (जहाँ केवल 2 शहरों को जल-प्लस का दर्जा प्राप्त था)
- **अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार:**
  - **डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण (सत्यापित):** एक वर्ष में **48% से बढ़कर 62%**
  - **कचरा प्रसंस्करण:** एक वर्ष में **48% से बढ़कर 85%**
- **राज्यव्यापी सुधार:**
  - शहरी स्थानीय निकाय (ULBs): 83 शहरी स्थानीय निकायों ने पिछले वर्ष की तुलना में अपनी रैंकिंग में सुधार किया।
  - **ODF++ ULBs: 337 ULBs को ODF++ (खुले में शौच से मुक्त++) घोषित किया गया**, जो पिछले वर्ष (129 **ULBs**) की तुलना में **उल्लेखनीय वृद्धि है।**

स्वच्छ सर्वेक्षण

- **वर्ष** 2016 से **आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय** द्वारा संचालित स्वच्छ सर्वेक्षण, स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) के तहत दुनिया का सबसे बड़ा **शहरी स्वच्छता और सफाई सर्वेक्षण** है।
- **स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार** स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत शहरों और शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को दी जाने वाली **वार्षिक रैंकिंग तथा मान्यताएँ** हैं।
- इसका उद्देश्य **नागरिक भागीदारी** को बढ़ावा देना, **स्वच्छता** के बारे में **जागरूकता** बढ़ाना और **प्रदर्शन बेंचमार्किंग** के माध्यम से प्रतिस्पर्द्धी संघवाद को बढ़ावा देना है।
- **स्वच्छ सर्वेक्षण 2025:**
  - स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 (9वें संस्करण) के **संशोधित ढाँचे** के तहत, **संकेतकों** को सरल बनाया गया है और 10 **व्यापक खंडों** में पुनर्गठित किया गया है।
  - वर्ष 2025 के लिये वार्षिक थीम **"**रिड्यूस, रीयूज़, रीसायकल (3R)**"** है, जो **12वें क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (मार्च 2025)** में अपनाए गए जयपुर घोषणा-पत्र के अनुरूप **सर्कुलर इकोनॉमी सिद्धांतों** को बढ़ावा देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

महिला आर्थिक सशक्तीकरण (WEE) सूचकांक

चर्चा में क्यों ?

योजना विभाग द्वारा विकसित नवीनतम महिला आर्थिक सशक्तीकरण (WEE) सूचकांक, उत्तर प्रदेश में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में हुई महत्त्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

WEE सूचकांक के बारे में

- **परिचय:**
  - यह **योजना विभाग** और **उदयती फाउंडेशन** की एक **महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट** है, जिसका उद्देश्य **महिला-उन्मुख सरकारी योजनाओं के प्रभाव** का मूल्यांकन करना तथा राज्य में लिंग-समावेशी **और डाटा-आधारित नीति निर्माण** को प्रोत्साहित करना है।
- **WEE सूचकांक की संरचना:** यह सूचकांक राज्य के सभी **75 ज़िलों** का मूल्यांकन निम्नलिखित **पाँच प्रमुख मानकों** के आधार पर करता है:
  - उद्यमिता
  - रोज़गार
  - शिक्षा एवं कौशल विकास
  - आजीविका
  - सुरक्षा एवं परिवहन अवसंरचना
  - इन श्रेणियों में प्रदर्शन मापने के लिये 15 विभागों से प्राप्त 49 संकेतकों का विश्लेषण किया जाता है।
- **ज़िला वर्गीकरण:** ज़िलों को **WEE सूचकांक** में उनके प्रदर्शन के आधार पर वर्गीकृत किया गया:
  - **'चैंपियंस'**: इन ज़िलों ने प्रभावी सरकारी योजनाओं, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और संरचनात्मक समर्थन के कारण अच्छे परिणाम प्रदर्शित किये हैं।
    - इन ज़िलों की महिलाएँ उद्यमिता, शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।
    - इस सूची में शामिल हैं: लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, झाँसी, सुल्तानपुर, गौतम बुद्ध नगर, प्रयागराज, अयोध्या, सोनभद्र, रायबरेली, गोरखपुर, देवरिया, अंबेडकर नगर, आगरा, गाज़ियाबाद।
  - **'लीडर'**: इन ज़िलों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इन्हें अपनी गति बनाए रखने की ज़रूरत है।
    - इस सूची में शामिल हैं: प्रतापगढ़, मुरादाबाद, बाराबंकी, अलीगढ़, बरेली।
  - **'प्रतियोगी'**: इन ज़िलों ने कुछ प्रगति दिखाई है, लेकिन अभी भी अधिक प्रयासों की आवश्यकता है, विशेष रूप से कौशल प्रशिक्षण और रोज़गार के अवसरों के क्षेत्र में।
  - इस सूची में शामिल हैं: गाज़ीपुर, जालौन, मुज़फ्फरनगर, बुलंदशहर।
  - **'आकांक्षी'**: इन ज़िलों को ज़मीनी स्तर पर जागरूकता, शिक्षा, सुरक्षा और स्वरोज़गार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों के समाधान के लिये विशेष अभियान चलाए जाएंगे।
    - इस सूची में शामिल हैं: चंदौली, बागपत, अमरोहा, बदायूं, सीतापुर, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, महोबा, संभल, श्रावस्ती।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **सूचकांक की मुख्य अंतर्दृष्टि:**
  - **शिक्षा एवं कौशल विकास:** शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
    - **व्यावसायिक प्रशिक्षण**, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी सरकारी पहलों ने सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और गतिशीलता को बढ़ाकर महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।
  - **सार्वजनिक परिवहन समावेशन:** सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं को ड्राइवर और कंडक्टर के रूप में भर्ती करने की योजना ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और गतिशीलता को प्रोत्साहन दिया है।
- **कार्यान्वयन योग्य उपाय**
  - **WEE सूचकांक का एकीकरण:** WEE सूचकांक को मुख्यमंत्री कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा ताकि वास्तविक समय में निगरानी की जा सके। यह नीति निर्माण और विभिन्न विभागों में परिणामों की ट्रैकिंग के लिये एक आधार उपकरण के रूप में कार्य करेगा।
  - **विभागीय योजनाएँ:** सभी विभागों को महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित कार्यान्वयन योग्य योजनाएँ तैयार करने तथा राज्य स्तरीय योजनाओं के प्रभाव को स्थानीय स्तर पर लागू करने हेतु ज़िला-स्तरीय रणनीतियाँ बनाने के निर्देश दिये गए हैं।
  - **लक्ष्यित अभियान:** बाँदा, जालौन, जौनपुर, महोबा, श्रावस्ती और सीतापुर जैसे ज़िलों में ODOP मार्जिन मनी योजना के तहत महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये विशेष अभियान चलाए जाएंगे।
  - **भर्ती अभियान:** होम गार्ड और शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जैसा कि पुलिस भर्ती के सफल मॉडल में देखा गया।
  - **महिला कार्यबल में भागीदारी का विस्तार:** महिलाओं के लिये तकनीकी संस्थानों, व्यावसायिक कार्यक्रमों तथा कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में नामांकन बढ़ाने के प्रयास किये जाएंगे।
    - **री-एनरोलमेंट यूनिट्स** की स्थापना की जाएगी ताकि कोर्स बीच में छोड़ चुकी महिलाओं को पुन: नामांकित किया जा सके।
  - **स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर हेतु सहयोग:** पैरामेडिकल संस्थानों का विकास कर महिलाओं को स्वास्थ्य एवं सेवा क्षेत्र में करियर के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
  - **सार्वजनिक परिवहन में भूमिका:** महिलाओं को चालक और परिचालक के रूप में परिवहन क्षेत्र में शामिल करने हेतु विशेष प्रशिक्षण और सहायता सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।

मंगल पांडे जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने **19 जुलाई 2025** को महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की **198वीं जयंती** पर उन्हें **नमन किया**।

मुख्य बिंदु

मंगल पांडे के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि:**
  - 19 जुलाई, 1827 को बलिया ज़िले (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के **नगवा गाँव** में **जन्मे मंगल** पांडे एक भूमिहार ब्राह्मण परिवार से थे।
  - वह 22 वर्ष की आयु में ईस्ट इंडिया कंपनी **की सेना में शामिल हो गए और 3 वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री की 6वीं कंपनी में सेवा की।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **1857 की क्रांति में भूमिका:**
  - उन्होंने एनफील्ड पैटर्न 1853 राइफल-मस्कट का प्रयोग करने से मनाकर दिया, क्योंकि ऐसा माना जाता था कि इसके कारतूसों में गाय और सुअर की चर्बी लगी होती थी।
  - इससे **हिंदू** और **मुस्लिम** दोनों सिपाहियों की **धार्मिक भावनाओं को ठेस** पहुँची, क्योंकि कारतूस लोड करने के लिये **मुँह से काटना पड़ता था**।
  - 29 मार्च 1857 को मंगल पांडे ने कोलकाता के पास बैरकपुर में अपनी रेजिमेंट के सर्जेंट मेजर पर गोली चलाकर विद्रोह की पहली चिंगारी भड़काई।
  - **इस अवज्ञापूर्ण कार्य ने 1857 के** ऐतिहासिक विद्रोह को जन्म दिया, जिसे अक्सर **सिपाही विद्रोह** या भारतीय स्वतंत्रता का प्रथम युद्ध कहा जाता है।
  - इस विद्रोह के परिणामस्वरूप अंततः भारत में **ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हो गया** तथा ब्रिटिश क्राउन ने वर्ष **1858 की महारानी विक्टोरिया की घोषणा और भारत** सरकार अधिनियम, 1858 के अधिनियमन के माध्यम से अपने हाथ में प्रत्यक्ष नियंत्रण ले लिया, जिसके तहत **गवर्नर-जनरल के स्थान पर** एक वायसराय की नियुक्ति की गई।
  - इस नई व्यवस्था के तहत लॉर्ड कैनिंग पहले वायसराय बने।
  - मंगल पांडे को बाद में गिरफ्तार कर **8 अप्रैल 1857** को **बैरकपुर के लाल बागान** में **कोर्ट मार्शल** के आदेश से **फाँसी दे दी गई**।
- विद्रोह का विस्तार:
  - मंगल पांडे की फाँसी के बाद **7वीं** अवध रेजिमेंट ने भी विद्रोह किया, जिसे बाद में दबा दिया गया। असहमति जताने के कारण उनकी रेजिमेंट को भी **बेहरामपुर की 19वीं इन्फैंट्री** की तरह **भंग** कर दिया गया।
  - विद्रोह **अंबाला, लखनऊ और मेरठ की सैन्य छावनियों** तक फैल गया।
  - **10 मई 1857** को **मेरठ** में सिपाहियों ने विद्रोह शुरू किया जिससे यह एक राष्ट्रव्यापी विद्रोह में बदल गया।
  - उन्होंने **दिल्ली की ओर कूच किया** और वृद्ध बहादुर शाह द्वितीय **से प्रतीकात्मक सम्राट** बनने का आग्रह किया। अनुनय-विनय के बाद, उन्होंने स्वीकार कर लिया और उन्हें **शाह-ए-शाह-ए-हिंदुस्तान घोषित कर दिया गया।**
    - वह अंतिम मुगल सम्राट थे, जिन्हें विद्रोह की विफलता के बाद **रंगून** निर्वासित कर दिया गया था।
    - **19 सितंबर 1857** को लाल किले पर अंग्रेज़ों का कब्ज़ा हो गया और वर्ष **1862** में जेल में ही उनकी मृत्यु हो गई।
- **महत्त्व:**
  - बैरकपुर में मंगल पांडे का विद्रोह कोई **अकेली घटना** नहीं थी, बल्कि यह **ब्रिटिश शासन के तहत धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक शोषण** के प्रति **सामूहिक आक्रोश** का प्रतीक था।
  - वे **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सूत्रधार** माने जाते हैं और उनकी **बलिदानी विरासत** को आज भी **राष्ट्रीय प्रतिरोध** और देशभक्ति के प्रतीक रूप में याद किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अवध के सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ के बारे में:

- मंगल पांडे **अवध से थे,** जो कंपनी भर्ती के लिये एक प्रमुख क्षेत्र था। अवध के **75,000 सिपाही** ब्रिटिश सेना का हिस्सा थे और लगभग हर **कृषक परिवार** का एक सदस्य सेना में था।
- वर्ष 1856 में लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा कुशासन (हड़प नीति के तहत नहीं) के आधार पर **अवध पर** कब्ज़ा कर लिया। इसके अतिरिक्त, भू-राजस्व व्यवस्थाओं ने भी व्यापक असंतोष को जन्म दिया।
  - **हड़प नीति (डॉक्ट्रिन ऑफ़ लैप्स) लॉर्ड डलहौज़ी** (गवर्नर-जनरल, 1848-56) द्वारा लागू की गई थी। इसने दत्तक उत्तराधिकारियों को राज्यों के उत्तराधिकार के अधिकार से वंचित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सतारा (1848), पंजाब (1849), झाँसी और नागपुर (1854) जैसे राज्यों का विलय हुआ।
- **ताल्लुकदारों की ज़मीनों की ज़ब्ती** और कठोर राजस्व व्यवस्था के कारण सिपाहियों ने अपनी आर्थिक तंगी के विरोध में **14,000 याचिकाएँ दायर कीं। इस प्रकार पांडे का विद्रोह इस बढ़ते हुए किसान-सैन्य असंतोष** का प्रतीक बन गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

1857 के विद्रोह के अन्य प्रमुख नेताओं के बारे में

- **नाना साहब (कानपुर):** पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र; अंग्रेज़ों द्वारा **पेंशन** के अधिकार से वंचित। कानपुर में नेतृत्व संभाला; वर्ष 1859 में नेपाल भाग गए, जहाँ संभवत: उनकी मृत्यु हो गई।
- **बेगम हज़रत महल (लखनऊ):** नवाब वाजिद अली शाह की विधवा; लखनऊ से **विद्रोह** का नेतृत्व किया। अपने बेटे **बिरजिस कद्र** को राजा बनाया। वर्ष 1879 में अपनी मृत्यु तक नेपाल में निर्वासित रहीं।
- **वीर कुंवर सिंह (बिहार):** भोजपुर के 80 वर्षीय **ज़मींदार**; **गुरिल्ला युद्ध** का नेतृत्व किया। वर्ष 1858 में घायल होने से पहले उन्होंने **जगदीशपुर** पर पुन: **कब्ज़ा** कर लिया।
- **रानी लक्ष्मीबाई (झाँसी):** हड़प नीति के तहत उत्तराधिकार से वंचित। वर्ष 1858 में जनरल **ह्यूग रोज़** के नेतृत्व में **ब्रिटिश सेना** से लड़ीं।
- **खान बहादुर खान (बरेली):** 82 वर्ष की आयु में बरेली में लंबे समय तक चले **प्रतिरोध** का नेतृत्व किया; सर **कॉलिन कैंपबेल** से लड़े।
- **मौलवी लियाकत अली (इलाहाबाद):** कुछ समय तक इलाहाबाद पर नियंत्रण रखा; **खुसरो बाग** को केंद्र बनाया। उन्हे वर्ष 1872 में गिरफ्तार कर अंडमान द्वीप भेज दिया गया।

उद्यमी मित्रों के लिये HRMS पोर्टल

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेशक सुविधा और आंतरिक दक्षता बढ़ाने के लिये '**उद्यमी मित्रों**' के लिये **मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS)** पोर्टल लॉन्च किया है।

- राज्य के **निवेश सारथी प्लेटफॉर्म** के साथ एकीकृत इस **क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म का** उद्देश्य आवश्यक प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल बनाना और सुव्यवस्थित करना है।

मुख्य बिंदु

HRMS पोर्टल के बारे में:

- **मानव संसाधन कार्यों का स्वचालन:** HRMS पोर्टल को **मुख्य मानव संसाधन कार्यों** जैसे उपस्थिति, अवकाश प्रबंधन, वेतन प्रसंस्करण और फॉर्म-16 निर्माण को स्वचालित करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **अभिलेखों तक रियल-टाइम पहुँच:** यह पोर्टल कर्मचारियों के अभिलेखों तक रीयल-टाइम पहुँच प्रदान करता है, जिससे **पारदर्शिता को बढ़ावा** मिलता है तथा **ज़िला एवं राज्य स्तर पर प्रशासनिक निगरानी** को सुदृढ़ किया जाता है।
- **कार्यप्रवाह का डिजिटलीकरण:** मैनुअल प्रणाली से **सिस्टम-आधारित कार्यप्रवाह** की ओर संक्रमण से HR प्रक्रियाओं की **गति व शुद्धता में वृद्धि** होती है, जिससे समस्त संचालन अधिक सुचारू बनते हैं।
- **निवेश सारथी के साथ एकीकरण:** निवेश सारथी के साथ एकीकरण करके, पोर्टल उद्यमी मित्रों और अन्य सरकारी प्लेटफार्मों के बीच **निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करता है**, जिससे संचार एवं परिचालन दक्षता में वृद्धि होती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उद्यमी मित्र

- **मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना** (2023 में प्रारंभ) के अंतर्गत, **ज़िलों** तथा **औद्योगिक प्राधिकरणों** में **110 से अधिक प्रशिक्षित उद्यमी मित्रों** की नियुक्ति की गई है।
- ये मित्र **निवेशकों** और **सरकार** के मध्य **संपर्क सेतु** की भूमिका निभाते हैं।
- **इनकी प्रमुख ज़िम्मेदारियाँ इस प्रकार हैं:**
  - **भूमि पहचान:** निवेशकों को उनकी परियोजनाओं के लिये उपयुक्त भूमि की पहचान करने में सहायता करना।
  - **समझौता ज्ञापन ट्रैकिंग:** समझौता ज्ञापनों (MoU) के सुचारू निष्पादन और निगरानी को सुनिश्चित करना।
  - **निवेश प्रस्ताव सत्यापन:** सरकारी नीतियों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिये निवेश प्रस्तावों का सत्यापन और वैधीकरण करना।
  - **औद्योगिक अंत:क्रियाएँ:** उद्योगपतियों और सरकारी प्राधिकारियों के बीच सुचारू अंत:क्रिया को सुगम बनाना।
  - **बाधाओं का समाधान: निवेश मित्र**, **निवेश सारथी** और **OIMS** (ऑनलाइन औद्योगिक प्रबंधन प्रणाली) जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से निवेशकों के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करना।

उत्तर प्रदेश सरकार की अन्य निवेशक-अनुकूल पहल

- **निवेश सारथी:**
  - उत्तर प्रदेश में निवेश सारथी एक **ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** है, जिसे राज्य में **निवेश प्रक्रिया** को सुविधाजनक और सुव्यवस्थित करने हेतु **नवंबर 2022** में **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा लॉन्च किया गया।
  - यह प्लेटफॉर्म निवेशकों के लिये **एकल-खिड़की निकासी प्रणाली** के रूप में कार्य करता है तथा 50 से अधिक सरकारी विभागों की सेवाओं को एक डिजिटल पोर्टल पर एकीकृत कर उनके साथ संवाद को सरल बनाता है।
- **इन्वेस्ट यूपी:**
  - राज्य की समर्पित नोडल एजेंसी, जो संभावित और मौजूदा निवेशकों को **नीतिगत समर्थन**, **परियोजना सुविधा तथा देखभाल सेवाएँ** प्रदान करती है।
  - यह एजेंसी **निवेश प्रस्तावों को गति** देने और **उद्योग जगत की भागीदारी** को प्रोत्साहित करने हेतु **यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट** जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का संचालन करती है।
- **व्यापक भूमि बैंक विकास:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने 30,000 एकड़ का **भूमि बैंक** विकसित किया है, विशेष रूप से एक्सप्रेस-वे के किनारे, जिसमें से 4,000 एकड़ भूमि औद्योगिक विकास हेतु पहले ही आवंटित की जा चुकी है।
- **विशेष क्षेत्रीय नीतियाँ:**
- **उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोज़गार प्रोत्साहन नीति 2022**
  - **GCC नीति 2024 (वैश्विक क्षमता केंद्र):** वैश्विक फर्मों को मेट्रो और गैर-मेट्रो दोनों शहरों में केंद्र स्थापित करने हेतु 50% तक भूमि सब्सिडी, पूंजी सब्सिडी तथा स्थानीय प्रतिभाओं के लिये वेतन सहायता प्रदान करती है।
  - **SAF विनिर्माण प्रोत्साहन नीति 2025:** भारत में अपनी तरह की पहली नीति, जो सतत् विमानन ईंधन उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रोत्साहन एवं सुव्यवस्थित समर्थन प्रदान करती है, जिससे निवेशकों तथा स्थानीय किसानों दोनों को लाभ होगा।
  - **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (EMC 2.0):** गौतम बुद्ध नगर में 417 करोड़ रुपए की परियोजना, जिसके माध्यम से वर्ष 2028 तक 2,500 करोड़ रुपए का निवेश आने तथा 15,000 नौकरियाँ सृजित होने की संभावना है, जो **मेक इन इंडिया** के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

FIDE विश्व कप 2025 भारत में आयोजित होगा

चर्चा में क्यों ?

भारत 30 अक्तूबर 2025 से 27 नवंबर 2025 तक **शतरंज विश्व कप 2025** की मेज़बानी करेगा, मेज़बान शहर की घोषणा बाद में **अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE)** द्वारा की जाएगी।

मुख्य बिंदु

- **विश्व कप के बारे में:**
  - **FIDE शतरंज विश्व कप 2025 नॉकआउट प्रारूप** में आयोजित किया जाएगा, जिसमें **206 खिलाड़ी** भाग लेंगे।
  - प्रतियोगिता में **गतिशील विलोपन प्रणाली** होगी, जिसमें हारने वाला खिलाड़ी प्रत्येक राउंड के बाद बाहर हो जाता है।
  - प्रत्येक राउंड तीन दिनों तक चलता है: पहले दो दिन **दो क्लासिकल खेल तथा** यदि आवश्यक हो तो **तीसरे दिन टाई-ब्रेक** खेले जाएंगे।
  - **शीर्ष 50 खिलाड़ियों** को पहले दौर में **बाई** (byes) दी जाएगी, जबकि शेष खिलाड़ी इस सिद्धांत के आधार पर खेलेंगे कि **शीर्ष आधा भाग उलटे क्रम वाले निचले आधे भाग से** स्पर्द्धा करेगा।
- **चयन की प्रक्रिया:**
  - **प्रत्यक्ष प्रवेश:** वर्ष 2025 शतरंज विश्व कप के शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को वर्ष 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलेगा।
  - **पात्र खिलाड़ी:** वर्तमान विश्व चैंपियन, 2023 विश्व कप के शीर्ष चार विजेता, महिला विश्व चैंपियन, 2024 विश्व जूनियर चैंपियन (U-20) तथा अन्य महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के विजेता।
  - **महाद्वीपीय स्थान:** महाद्वीपीय आयोजनों के माध्यम से खिलाड़ियों को 80 स्थान प्रदान किये जाएंगे। प्रत्येक महाद्वीप को अलग आवंटन प्राप्त होगा (अफ्रीका: 3, एशिया: 35, यूरोप: 30, अमेरिका: 3)।
  - **शीर्ष रेटिंग वाले खिलाड़ी:** FIDE जून 2025 रेटिंग सूची के उच्चतम रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी आमंत्रित किये जाएंगे, साथ ही वर्ष 2024 शतरंज ओलंपियाड की शीर्ष 100 राष्ट्रीय संघों से भी खिलाड़ी चयनित होंगे।

शतरंज में भारत के योगदान

- भारत ने विश्व के कुछ **सर्वाधिक प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी** दिये हैं, जिनमें सबसे उल्लेखनीय हैं **विश्वनाथन आनंद**, जो पाँच बार के **विश्व चैंपियन** और वर्तमान **FIDE के उपाध्यक्ष** हैं, जिन्होंने भारत को वैश्विक शतरंज केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद की है।
- **गुकेश डोमाराजू, प्रज्ञानंद आर** और **अर्जुन एरिगैसी** जैसी युवा प्रतिभाओं के उभरने से देश के शतरंज परिदृश्य में एक नया परिवर्तन आया है।
- वर्ष 2024 में, भारत ओपन और महिला शतरंज ओलंपियाड दोनों टीमों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।
- **वर्ष 2024 FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप गुकेश डोमाराजू** ने जीती, जो 18 वर्ष की आयु में इतिहास में सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बने।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उन्होंने सिंगापुर में आयोजित 14-गेम के क्लासिकल मैच में मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन (चीन) को हराया।**
  - FIDE विश्व चैंपियनशिप 2024 का मैच 138 वर्षों में पहला मैच था, जिसमें एशिया से दो प्रतियोगी शामिल थे।
  - प्रज्ञानंद आर 2023 विश्व कप में उपविजेता भी रहे।
- **भारत में प्रमुख शतरंज प्रतियोगिताएँ:** भारत ने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज आयोजनों की सफल मेज़बानी के क्षेत्र में भी खुद को मज़बूत रूप से स्थापित किया है। हाल के कुछ उल्लेखनीय आयोजन इस प्रकार हैं:
  - **FIDE शतरंज ओलंपियाड 2022:** यह आयोजन मामल्लपुरम में हुआ था और यह **प्रशंसनीय ढंग से आयोजित** किया गया।
  - **टाटा स्टील शतरंज इंडिया:** यह वैश्विक शतरंज कैलेंडर का एक महत्त्वपूर्ण आयोजन बन चुका है।
  - **FIDE विश्व जूनियर U20 चैंपियनशिप 2024:** भारत द्वारा आयोजित इस आयोजन ने देश की उच्च स्तरीय शतरंज आयोजनों की क्षमता को दर्शाया।
  - **FIDE महिला ग्रैंड प्रिक्स (2025):** यह वैश्विक श्रृंखला का एक भाग है, जो शतरंज में महिलाओं की भागीदारी को रेखांकित करता है।

काशी घोषणा-पत्र

चर्चा में क्यों ?

वाराणसी के **रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर** में आयोजित **युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन** 'काशी घोषणा-पत्र' को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ संपन्न हुआ, जो वर्ष 2047 तक **नशा मुक्त समाज** की दिशा में भारत की यात्रा में एक **महत्त्वपूर्ण** उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन के बारे में:**
  - **युवा मामले और खेल मंत्रालय** द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में 600 से अधिक **युवा नेता** और 120 **आध्यात्मिक** तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि एकत्र हुए।
  - शिखर सम्मेलन ने **नशीली दवाओं** के दुरुपयोग के **मनोवैज्ञानिक** और सामाजिक प्रभावों, नशीली दवाओं की **तस्करी** की कार्यप्रणाली और **ज़मीनी स्तर** पर जागरूकता के लिये रणनीतियों पर गहन चर्चा के लिये एक मंच प्रदान किया।
  - इसमें चार **सत्र** आयोजित किये गए, जिनका समापन **काशी घोषणा-पत्र** के साथ हुआ। सत्रों के दौरान चर्चा किये गए प्रमुख विषय थे:
    - व्यसन के **मनोवैज्ञानिक प्रभाव**
    - नशीली दवाओं की **आपूर्ति श्रृंखला** और तस्करी तंत्र को समझना
    - नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता के लिये प्रभावी **ज़मीनी स्तर** पर अभियान
    - **पुनर्वास** में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाओं की भूमिका
- **काशी घोषणा-पत्र:**
  - काशी घोषणा-पत्र नशीली दवाओं के दुरुपयोग को एक **सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट** और **सामाजिक चुनौती** के रूप में देखने की आम सहमति को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसमें संपूर्ण सरकार और **संपूर्ण समाज के दृष्टिकोण** की माँग की गई है, जिसमें आध्यात्मिक, शैक्षिक और तकनीकी क्षेत्रों के प्रयासों को एकीकृत किया गया है।
- घोषणा-पत्र में **बहु-मंत्रालयी समन्वय**, जवाबदेही सुनिश्चित करने और प्रगति पर नज़र रखने के लिये एक संयुक्त **राष्ट्रीय समिति** की स्थापना का प्रस्ताव है।
- घोषणा-पत्र में **वार्षिक प्रगति रिपोर्ट** और नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को सहायता सेवाओं से जोड़ने के लिये एक **राष्ट्रीय मंच** की भी माँग की गई है।

युवा-नेतृत्व वाले अभियान और **मेरा भारत ढाँचा:**

- **'माई भारत'** पूरे देश में **नशीली दवाओं** के दुरुपयोग से निपटने के लिये युवाओं के नेतृत्व में प्रयासों को आगे बढ़ाने में **अग्रणी भूमिका** निभाएगा।
  - 'माई भारत' से संबद्ध **युवा क्लब** और स्वयंसेवक **जागरूकता अभियान**, **संकल्प अभियान** और **सामुदायिक संपर्क** प्रयासों का नेतृत्व करेंगे, जिससे इस आंदोलन की **स्थिरता** सुनिश्चित होगी।
- **काशी घोषणा-पत्र** मार्गदर्शक दस्तावेज़ के रूप में काम करेगा, जो **युवा समूहों** और **नीति निर्माताओं** के प्रयासों को निर्देशित करेगा और प्रगति व जवाबदेही के लिये **विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026** के दौरान इसकी समीक्षा की जाएगी।

नोट:

- **मेरा भारत पोर्टल**, जिसे आधिकारिक रूप से **माई भारत (MY Bharat)** के रूप में जाना जाता है, भारत सरकार द्वारा स्थापित एक **व्यापक युवा-केंद्रित मंच** है, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा **राष्ट्रीय एकता दिवस**, 31 अक्तूबर 2023 को लॉन्च किया गया है।
- यह **युवा मामले एवं खेल मंत्रालय** द्वारा एक **स्वायत्त निकाय** के रूप में संचालित किया जाता है, जिसे विशेष रूप से **15 से 29 वर्ष** की आयु के युवाओं के लिये विकसित किया गया है (10–19 वर्ष की आयु वालों के लिये कुछ गतिविधियाँ भी शामिल हैं), जो **राष्ट्रीय युवा नीति, 2014** के अनुरूप है।

समर्थ पोर्टल

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के सभी **विश्वविद्यालयों और कॉलेजों** में शैक्षणिक सत्र **2025-26** तक **'समर्थ' पोर्टल** को पूर्ण रूप से लागू करने जा रही है।

- **यह पहल उच्च शिक्षा को अधिक पारदर्शी, कुशल** और **प्रौद्योगिकी-संचालित** प्रणाली में बदलने के सरकार के मिशन का हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

समर्थ पोर्टल की विशेषताएँ:

- **समर्थ प्लेटफॉर्म** को उच्च शिक्षण संस्थानों में **प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित** करने के लिये विकसित किया गया है।
- सभी प्रशासनिक कार्य अब इस **डिजिटल प्लेटफॉर्म** के माध्यम से संचालित होंगे, जिससे **प्रशासनिक भार में कमी** आएगी और कार्यप्रवाह अधिक **कुशल** बनेगा।
- राज्य के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तुत रोडमैप के अनुसार, वर्ष 2025 के अंत तक सभी निजी **ERP सिस्टम** को चरणबद्ध रूप से हटाकर केवल **समर्थ प्रणाली** को ही लागू किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह नई प्रणाली **शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया** को अधिक पारदर्शी और **सुगम** बनाएगी।
- कैरियर उन्नयन योजना के तहत शिक्षक सरलता से पदोन्नति के लिये आवेदन कर सकेंगे और **चयन** प्रक्रिया सभी के लिये दृश्यमान होगी।

वर्तमान स्थिति:

- उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेज पहले ही समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं।
- कई संस्थान अब इस पोर्टल का उपयोग **वेतन प्रक्रिया, व्यय प्रबंधन, अवकाश ट्रैकिंग, प्रवेश और परीक्षाओं** जैसे कार्यों के लिये कर रहे हैं।
- **ऑनलाइन छात्र पंजीकरण** भी प्रगति पर है, जिससे **प्रवेश प्रक्रिया सरल** हो रही है।

केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली:

- **पारदर्शिता** को और बढ़ाने के लिये राज्य सरकार ने **जुलाई 2025** से एक **एकीकृत प्रवेश प्रणाली** शुरू की है।
- अब सभी **छात्र प्रवेश** एक **एकल पोर्टल** के माध्यम से किये जाएंगे, जिससे **एकरूपता और पारदर्शिता** सुनिश्चित होगी।
- इस एकीकृत प्रणाली का **पायलट चरण** पहले ही **सफलतापूर्वक पूर्ण** हो चुका है।

भविष्य में विकास:

- समर्थ पोर्टल के अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार एक **अलग ऑनलाइन पोर्टल** विकसित कर रही है, जो सेमिनार, अनुसंधान परियोजनाओं, अकादमिक पुरस्कारों और अनुसंधान अनुदानों का प्रबंधन करेगा।
- इससे शिक्षाविदों और शोधकर्त्ताओं के लिये **अधिक पारदर्शी** तथा **सरल प्रक्रिया उपलब्ध** होगी।

अमृत सरोवर निर्माण में उत्तर प्रदेश प्रथम

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक अमृत सरोवरों वाला राज्य बनकर उभरा है, जिसने वर्ष 2022 में कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद से **16,630 सरोवरों का निर्माण और पुनरुद्धार** किया है, जो 5,550 के **मूल लक्ष्य से तीन गुना अधिक** है।

मुख्य बिंदु

मिशन अमृत सरोवर के बारे में:

- इसे **24 अप्रैल 2022** को भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के लिये **"आज़ादी का अमृत महोत्सव"** समारोह के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट को दूर करने के लिये **भारत के प्रत्येक ज़िले** में कम-से-कम **75 अमृत सरोवरों** का निर्माण/पुनरुद्धार करना है।
- इन जल निकायों के लिये लक्ष्य स्थानीय स्तर पर जल स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ग्रामीण विकास विभाग, भूमि संसाधन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायती राज मंत्रालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेल मंत्रालय, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित **आठ केंद्रीय मंत्रालय/विभाग** इस मिशन के क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।
- भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (BISAG-N) को इस मिशन के लिये तकनीकी साझेदार के रूप में नियुक्त किया गया है।
- **BISAG-N** एक **स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी** है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आती है।
- अमृत सरोवर के निर्माण और पुनरुद्धार की पहचान करने तथा उसे क्रियान्वित करने में भू-स्थानिक डाटा तथा प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्यवार रैंकिंग - अमृत सरोवर निर्माण (2022-2025):

रैंक	राज्य	सरोवरों की संख्या
1	उत्तर प्रदेश	16,630
2	मध्य प्रदेश	5,839
3	छत्तीसगढ	2,902
4	बिहार	2,613
5	हरियाणा	2,088
6	झारखंड	2,048
7	पंजाब	1,450

उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण के लिये अन्य पहलें

भूजल सप्ताह समारोह:

- उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में **भूजल सप्ताह (16 जुलाई-22 जुलाई)** मनाया, जिससे राज्य में चल रही जल संरक्षण परियोजनाओं और **भूजल चुनौतियों** से निपटने के प्रयासों को नई गति मिली।

खेत तालाब योजना:

- **कृषि तालाबों के निर्माण** पर केंद्रित इस योजना के तहत किसानों को **तालाब निर्माण के लिये 50% तक की सब्सिडी** प्रदान की जाती है। वर्ष **2017-18** में इसकी शुरुआत के बाद से सरकार ने इस योजना के तहत **37,403 कृषि सरोवरों** के निर्माण में मदद की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **एक ज़िला-एक नदी योजना:**
  - इसका उद्देश्य प्रत्येक ज़िले को एक नदी पुनरुद्धार परियोजना सौंपकर **विलुप्त नदियों** को पुनर्जीवित करना है।
- **जल-बचत सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा देना:**
  - इसमें पानी की खपत को कम करने के लिये स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।
- **भूजल संचयन का समावेशन:**
  - **भवन निर्माण** में **भूजल संचयन संरचनाओं** के एकीकरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- **बहुउद्देशीय तालाबों का विकास:**
  - इन तालाबों का विकास **नदी के किनारे** किया जा रहा है ताकि सतत् जल प्रबंधन को बढ़ावा मिल सके।
- **29 ज़िलों में भूजल सुधार:**
  - जिन क्षेत्रों में पिछले एक दशक से **भूजल स्तर कम** रहा है, वहाँ सरकार **जल-बचत प्रौद्योगिकियों** को अपनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है तथा इन क्षेत्रों के **कम-से-कम एक-चौथाई किसानों** को ऐसी पद्धतियों को लागू करने के लिये प्रोत्साहित कर रही है।

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रमुख विकास परियोजनाओं को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा को बढ़ावा देने, बुनियादी ढाँचे के विकास तथा रक्षा पहल को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी निर्णयों को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **महिलाओं के लिये स्टांप ड्यूटी में छूट:**
  - मंत्रिमंडल ने **1 करोड़ रुपए** तक की संपत्ति खरीदने वाली महिलाओं के लिये **1%** स्टांप ड्यूटी **में छूट** को **मंज़ूरी** दी, जो कि पहले **10 लाख रुपए** तक सीमित थी।
  - नई छूट से महिलाओं को **संपत्ति पंजीकरण** पर **1 लाख रुपए** तक की छूट का दावा करने की अनुमति मिलेगी, जिससे **मध्यम वर्ग की महिलाओं** के बीच संपत्ति के स्वामित्व को बढ़ावा मिलेगा।
- **पॉलिटेक्निक संस्थानों में टाटा टेक्नोलॉजी केंद्र:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (TTL) की साझेदारी से **121 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों** का उन्नयन किया जाएगा।
  - TTL द्वारा **6,935.86 करोड़ रुपए** का निवेश किया जाएगा, जिसमें **87% लागत TTL** वहन करेगा और शेष **1,063.96 करोड़ रुपए** राज्य सरकार वहन करेगी।
  - यह पहल **उद्योग-समन्वित पाठ्यक्रम** के एकीकरण से **तकनीकी कौशल** और **रोज़गार क्षमता** को बढ़ाएगी। पहले चरण में **45 संस्थानों** को उन्नत किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **युवा रोज़गार के लिये टैबलेट वितरण:**
  - स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत **25 लाख स्मार्टफोन** की पूर्व योजना को रद्द कर दिया गया है।
  - स्मार्टफोन के स्थान पर अब युवाओं को **उन्नत सुविधाओं वाले टैबलेट** वितरित किये जाएंगे, जिसके लिये वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये **2,000 करोड़ रुपए** का बजट आवंटित किया गया है।
  - ये टैबलेट **Word, Excel, PowerPoint और Google Sheets** जैसे सॉफ्टवेयरों को सपोर्ट करके **रोज़गार के अवसरों** में सहायता करेंगे, जिससे डिजिटल साक्षरता तथा **नौकरी की तत्परता** बढ़ेगी।
- **चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण:**
  - मंत्रिमंडल ने **939.67 करोड़ रुपए** की चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे परियोजना को **मंज़ूरी** दे दी, जो **15.172 किमी** लंबी होगी और **चित्रकूट के भरतकूप** को **अहमदगंज गाँव** से जोड़ेगी।
  - यह परियोजना, जिसे शुरू में **चार लेन वाले एक्सप्रेस-वे** (छह लेन तक विस्तार योग्य) के रूप में डिज़ाइन किया गया था, **वाराणसी-बाँदा राष्ट्रीय राजमार्ग** तथा **NH-135BG** के बीच संपर्क में सुधार करेगी, जिससे क्षेत्र में यात्रा और व्यापार मार्ग बेहतर होंगे।
- **निर्यात-उन्मुख निवेश के लिये प्रोत्साहन:** मंत्रिमंडल ने दो कंपनियों के लिये प्रोत्साहन को मंज़ूरी दी—
  - संयुक्त अरब अमीरात की एक्वाब्रिज, जो उन्नाव में एक मत्स्य पालन परियोजना स्थापित करेगी।
  - कर्नाटक की इनोवा फूड पार्क, जो जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक कृषि निर्यात केंद्र स्थापित करेगी।
  - ये निवेश **निर्यात वृद्धि** के साथ-साथ **स्थानीय किसानों** को भी लाभ पहुँचाएंगे और **कृषि विकास** को बढ़ावा देंगे।
- **रक्षा व ड्रोन विनिर्माण विस्तार:**
  - मंत्रिमंडल ने **RAPHE mPhibr** प्राइवेट लिमिटेड को **4.67 करोड़ रुपए** में एक भूमि पार्सल की बिक्री को मंजूरी दी।
  - यह कंपनी पहले ही **800 करोड़ रुपए** का निवेश कर चुकी है और अब डेयरी इकाई को स्थानांतरित कर **10 करोड़ रुपए** की अतिरिक्त राशि स्थानीय अर्थव्यवस्था में लगाएगी।
  - साथ ही, मंत्रिमंडल ने **यूपी डिफेंस कॉरिडोर** में **DRDO** के उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (**IRDE**) को **10 हेक्टेयर भूमि** के लिये सांकेतिक पट्टे को भी मंज़ूरी दी है, जिससे **150 प्रत्यक्ष** और **500 अप्रत्यक्ष रोज़गार** के अवसर सृजित होंगे।

उत्तर प्रदेश का ग्राम-ऊर्जा मॉडल

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत कई गाँवों में बायोगैस संयंत्र **स्थापित करने की योजना का अनावरण किया है।**

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य **अयोध्या**, **वाराणसी**, **गोरखपुर** और **गोंडा** ज़िलों में पायलट परियोजना के तहत **2,250 बायोगैस संयंत्र** स्थापित करना है।
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य **बायोगैस उत्पादन** को स्थानीय स्तर पर प्रोत्साहित करना है, जिसका उपयोग ग्रामीणों द्वारा सीधे किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विस्तार योजनाएँ एवं लागत विवरण:**
  - यदि यह पायलट परियोजना सफल रहती है, तो अगले चार वर्षों में इसका विस्तार कर **2.50 लाख ग्रामीण परिवारों** को लाभान्वित किया जाएगा।
  - प्रत्येक बायोगैस इकाई की अनुमानित लागत **39,300 रुपए** है, जिसमें किसानों को केवल **3,990 रुपए** का योगदान देना होगा। शेष लागत सरकारी सब्सिडी और **कार्बन क्रेडिट मॉडल** से वहन की जाएगी।
  - यह **लागत-साझाकरण मॉडल** सुनिश्चित करता है कि यह पहल ग्रामीण किसानों के लिये वित्तीय रूप से व्यवहार्य और सुलभ बनी रहे।
- **अनुमोदन और सरकारी समर्थन:**
  - इस परियोजना को राज्य के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग से औपचारिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि यह पहल **पर्यावरण तथा जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप** है।
- **सहायक बुनियादी ढाँचा:**
  - बायोगैस संयंत्रों के अतिरिक्त, सरकार उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में **गौशालाओं** का विकास करने की योजना बना रही है।
  - इन आश्रय स्थलों का निर्माण **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)** के अंतर्गत किया जाएगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को **रोज़गार के अवसर** प्राप्त होंगे।
  - पहले चरण में **43 गौशालाओं** को **बायोगैस एवं खाद उत्पादन इकाइयों** से सुसज्जित किया जाएगा।
  - प्रत्येक गौशाला से प्रति माह लगभग **50 क्विंटल घोल** तैयार होने की संभावना है, जिसे आसपास के किसानों को **जैविक खाद** के रूप में वितरित किया जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - इसमें ग्रामीण रसोई में **LPG के उपयोग में 70% तक की कटौती** करने की क्षमता है, जिससे गैर-नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भरता कम होने से **पर्यावरणीय प्रभाव** में उल्लेखनीय **कमी** आएगी।

बायोगैस

- बायोगैस एक **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत** है, जो ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में **कार्बनिक पदार्थों के अपघटन** से उत्पन्न होता है। इस प्रक्रिया को **अवायवीय अपघटन** कहा जाता है।
  - **बायोगैस** मुख्यत: **मीथेन (CH_4)** और **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** से मिलकर बना होता है।

ABVMU में मियावाकी वन का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश की **राज्यपाल** एवं **कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल** ने लखनऊ स्थित **अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय (ABVMU)** में **मियावाकी वन** का उद्घाटन किया और **पौधारोपण अभियान** में भाग लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

मियावाकी वृक्षारोपण विधि के बारे में:

- इसका नाम जापानी **वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी** के नाम पर रखा गया है। इस विधि में हर **वर्ग मीटर** में दो से चार अलग-अलग प्रकार के **देशी वृक्ष** लगाए जाते हैं।
- इस पद्धति को **1970 के दशक** में विकसित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य भूमि के एक छोटे से टुकड़े में **हरित आवरण** को **सघन** बनाना था।
- इस विधि में वृक्ष **आत्मनिर्भर** हो जाते हैं और **तीन साल** के भीतर अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं।
  - **मियावाकी पद्धति** में प्रयुक्त पौधों को **खाद और पानी** जैसी नियमित देखभाल की आवश्यकता नहीं होती।
- **देशी पेड़ों** का घना हरा आवरण उस क्षेत्र के **धूल कणों** को सोखने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाता है जहाँ **उद्यान** स्थापित किया गया है। ये पौधे **सतह के तापमान** को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं।
- इन वनों में प्रयुक्त होने वाले कुछ सामान्य **देशी पौधों** में **अंजन, अमला, बेल, अर्जुन** और **गूंज** शामिल हैं।
- ये वन नई **जैवविविधता** और **पारिस्थितिकी तंत्र** को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे **मिट्टी की उर्वरता** बढ़ती है।

उत्तर प्रदेश में PMAY शहरी 2.0 के लिये वित्तपोषण

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन 2.0** के तहत 12,031 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर ली है, जिसका उद्देश्य शहरी गरीबों के लिये **स्थायी पक्के मकानों** का निर्माण करना है।

मुख्य बिंदु

- **समय पर वितरण** और **गुणवत्ता मानकों** को सुनिश्चित करने के लिये राज्य तथा ज़िला स्तर के अधिकारियों द्वारा योजना की बारीकी से निगरानी की जा रही है।
- **वास्तविक समय निर्माण निगरानी** के लिये **जियो-टैगिंग** और **फोटोग्राफिक दस्तावेज़ीकरण** अनिवार्य होगा।
- भूकंप, बाढ़ और अन्य आपदाओं का सामना करने के लिये घरों को **आपदा-रोधी सुविधाओं** से सुसज्जित किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने अधिकारियों को **गुणवत्ता** और **पारदर्शिता** का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U) 2.0 के बारे में

- **लॉन्च वर्ष:** वर्ष 2024 (PMAY-U मूल रूप से वर्ष 2015 में शुरू की गई थी)
- **नोडल मंत्रालय:** आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (MoHUA)
- **प्रकार:** **केंद्र प्रायोजित योजना**
  - **ब्याज सब्सिडी योजना (ISS) घटक** केंद्रीय क्षेत्र योजना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पात्रता:** पक्के मकान के बिना EWS/LIG/MIG परिवार; आय 9 लाख रुपए तक।
- **लाभ:** सभी मौसमों के अनुकूल पक्के मकानों के लिये सब्सिडी।
- **लक्ष्य:** 1 करोड़ शहरी परिवार (निर्माण, खरीद, किराये पर)।
- **कुल परिव्यय:** 10 लाख करोड़ रुपए (2.3 लाख करोड़ रुपए केंद्रीय सहायता)।
- **कवरेज क्षेत्र:** इस योजना में जनगणना 2011 में अधिसूचित सभी वैधानिक कस्बों और राज्य सरकारों द्वारा बाद में अधिसूचित कस्बों को शामिल किया गया है।
- **शहरी विकास** या **औद्योगिक प्राधिकरणों** के अंतर्गत अधिसूचित **योजना क्षेत्र** और **क्षेत्र** PMAY-U 2.0 के अंतर्गत शामिल किये गए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ महिला सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने **लखनऊ विश्वविद्यालय** के सहयोग से **व्यावसायिक** और **सार्वजनिक क्षेत्रों** में **लिंग आधारित हिंसा** पर बढ़ती चिंताओं के बीच '**कार्यस्थल** तथा **सार्वजनिक स्थानों पर महिला सुरक्षा**' पर **राष्ट्रीय संगोष्ठी** का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **संगोष्ठी के बारे में:**
  - **NHRC** के अध्यक्ष **न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन** ने महिलाओं के प्रति भारत की **सांस्कृतिक श्रद्धा** और हिंसा की चिंताजनक आवृत्ति हर घंटे **51 FIR** के बीच तीव्र अंतर को उजागर किया।
  - उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के लिये किये गए लंबे संघर्ष को भी रेखांकित किया तथा **प्रणालीगत**, **प्रवर्तन-आधारित** एवं **जागरूकता-आधारित सुधारों** का आह्वान किया।
    - उन्होंने शिक्षकों और समाज से **लिंग-संवेदनशील व्यवहार** को बढ़ावा देने का आग्रह किया।
- **संस्थागत अंतराल और नीति सुझाव:**
  - संगोष्ठी में **कानून प्रवर्तन**, **संस्थागत जवाबदेही** तथा **जन-जागरूकता** में व्याप्त अंतराल को रेखांकित किया गया और निम्नलिखित आवश्यकताओं पर ज़ोर दिया गया:
    - **निर्णय लेने वाले निकायों** में महिलाओं का अधिक **प्रतिनिधित्व**।
    - **महिला सुरक्षा** से जुड़ी चर्चा में **अनौपचारिक क्षेत्र** को शामिल करना।
    - SHE-Box, वन स्टॉप सेंटर तथा पिंक पुलिस बूथ के प्रचार को बढ़ावा देना।
- **संगोष्ठी की मुख्य सिफारिशें:**
  - नीति-कार्यान्वयन-जागरूकता त्रिकोण को एक साथ संबोधित किया जाना चाहिये।
  - अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिये **विशेष पहुँच** और **सुरक्षा उपायों** की आवश्यकता है।
  - **संवेदनशीलता** की शुरुआत **व्यक्तिगत** तथा **पारिवारिक स्तर** से होनी चाहिये।
  - महिलाओं के लिये **समावेशी स्थानों** और **प्रतिनिधित्व** को **संस्थागत** बनाया जाना चाहिये।
  - **शैक्षिक संस्थानों** को सक्रिय रूप से **लिंग जागरूकता** बढ़ाने और **प्रशिक्षण कार्यक्रमों** का आयोजन करना चाहिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के बारे में

- भारत का **NHRC** एक स्वायत्त वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना **मानव अधिकारों** को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिये की गई है।
- इसका गठन **12 अक्तूबर 1993** को **मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993** के तहत किया गया था, जिसे बाद में **2006** एवं **2019** में संशोधित किया गया।
- आयोग की स्थापना **पेरिस सिद्धांतों** के अनुरूप की गई थी, जो **मानव अधिकारों** को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा हेतु अपनाए गए **अंतर्राष्ट्रीय मानक** हैं।
  - पेरिस सिद्धांत, मानव अधिकारों के **संवर्धन और संरक्षण** के लिये **पेरिस (अक्तूबर, 1991)** में अपनाए गए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का समूह है, जिसे **20 दिसंबर 1993** को संयुक्त राष्ट्र (UN) की महासभा द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - ये सिद्धांत दुनिया भर में **राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं (NHRI)** के कार्यों का मार्गदर्शन करते हैं।
- **NHRC की शक्तियाँ:** NHRC को **सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908** के अनुसार **सिविल न्यायालय** के समकक्ष शक्तियाँ प्राप्त हैं।
- **NHRC निरीक्षण प्रकोष्ठ:** NHRC का अपना **निरीक्षण प्रकोष्ठ** है, जिसका नेतृत्व **पुलिस महानिदेशक** करते हैं।

दिव्या देशमुख महिला विश्व कप चैंपियन बनीं

चर्चा में क्यों ?

19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने FIDE महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया, उन्होंने अनुभवी **कोनेरू हंपी** को **टाईब्रेकर** में हराया तथा बिना किसी मानदंड के टूर्नामेंट शुरू करने के बावजूद ग्रैंडमास्टर का **खिताब** हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- **ग्रैंडमास्टर:**
  - दिव्या अब भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर बन गई हैं और यह खिताब हासिल करने वाली **चौथी महिला** हैं। उनसे पहले हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू तथा हंपी कोनेरू यह खिताब हासिल कर चुकी हैं।
  - उन्होंने फाइनल में हंपी का सामना करने से पहले चीन की विश्व नंबर 6 खिलाड़ी झू जिनर, भारतीय अनुभवी हरिका द्रोणावल्ली और पूर्व **महिला विश्व चैंपियन तान झोंगयी** जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को हराया।
  - एक **अंतर्राष्ट्रीय मास्टर** के रूप में शुरुआत करते हुए, उनकी जीत ने उन्हें एक विशेष **FIDE विनियमन** के तहत पारंपरिक मानदंडों को दरकिनार करते हुए भारत की चौथी महिला **ग्रैंडमास्टर** बनने के लिये योग्य बना दिया है।
- **पूर्व उपलब्धियाँ:**
  - पिछले वर्ष, उन्हें लड़कियों की श्रेणी में **विश्व जूनियर चैंपियन** का खिताब मिला।
  - इसके अतिरिक्त, उन्होंने **बुडापेस्ट में आयोजित शतरंज ओलंपियाड** में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण भी अर्जित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भविष्य की संभावनाएँ**
  - वे आगामी प्रतियोगिताओं में एक प्रभावशाली खिलाड़ी होंगी, जिनमें **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** शामिल है, जहाँ शीर्ष आठ खिलाड़ी **विश्व चैम्पियन** को चुनौती देने का अवसर प्राप्त करते हैं।
- **ऐतिहासिक समापन**
  - भारत की दोनों फाइनलिस्टों की उपस्थिति महिला शतरंज में देश के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है, जो ओपन वर्ग में गुकेश और प्रज्ञानंदा की सफलता के समानान्तर है तथा **चीनी** तथा **रूसी** खिलाड़ियों के दीर्घकालिक प्रभुत्व के साथ-साथ भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी दर्शाती है।

बुंदेलखंड का कालिंजर दुर्ग

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने मन की बात के 124वें संस्करण में बुंदेलखंड स्थित कालिंजर किले के ऐतिहासिक महत्त्व को रेखांकित करते हुए इसे भारत की **सांस्कृतिक गरिमा** और **स्थायित्व** का प्रतीक बताया।

- प्रधानमंत्री ने नागरिकों से **भारत के समृद्ध अतीत** से जुड़ने और बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये इन किलों को देखने का आग्रह किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रमुख बिंदु

- **कालिंजर किला के बारे में:**
  - **बुंदेलखंड** का **कालिंजर किला**, उत्तर प्रदेश के **बांदा ज़िले** की **ताराहाटी** तहसील में स्थित एक प्रमुख ऐतिहासिक दुर्ग है।
  - यह किला **विंध्य शृंखला** की पहाड़ी पर स्थित एक **प्राचीन स्मारक** है, जो अपने **सांस्कृतिक** और **ऐतिहासिक महत्त्व** के लिये प्रसिद्ध है।
  - इसमें **गिरि दुर्गा** (पहाड़ी किला) तथा **वन दुर्गा** (जंगल किला) दोनों की विशेषताएँ सम्मिलित हैं।
- **वास्तुकला**
  - किले में **सात प्रवेशद्वार** हैं, जिनमें प्रमुख हैं- आलमगिरी गेट तथा गणेश गेट।
  - इसमें **नीलकंठ मंदिर** और **कनाती मस्जिद** जैसी ऐतिहासिक संरचनाएँ स्थित हैं।
  - किले में **महल**, **मंदिर** तथा **पानी की टंकियों** सहित **बुंदेला वास्तुकला** के उत्कृष्ट उदाहरण देखे जा सकते हैं।
  - **प्रसिद्ध संरचनाओं में शामिल हैं—**
    - **नीलकंठ मंदिर**, जिसमें विशाल **काल भैरव मूर्ति** स्थित है।
    - **रानी महल** और **वेंकट बिहारी महल**।
    - **शेरशाह का मकबरा**, हालाँकि उनके पार्थिव अवशेष बाद में **सासाराम (बिहार)** ले जाए गए थे।
- **रक्षात्मक क्षमता**
  - किले की **45 मीटर ऊँची प्राचीर** इसे लगभग **अभेद्य** बनाती थी।
  - इसकी दीवारें **तोपखाने के गोलों** तक के आघात को सहने में सक्षम थीं, जिससे यह किला **सैन्य दृष्टि से अत्यंत सशक्त** माना जाता था।
- **ऐतिहासिक विरासत**
  - यह किला गुप्त, गुर्जर-प्रतिहार, चंदेल और मुगल जैसे विभिन्न राजवंशों से जुड़ा रहा है।
  - **महमूद गज़नवी (1023 ई.):** महमूद गज़नवी ने कालिंजर दुर्ग पर चढ़ाई की, किंतु उसकी सेनाएँ दुर्ग की सुरक्षा को भेद नहीं सकीं। असफल घेराबंदी के बाद **चंदेल राजा गंडदेव** ने प्रशंसात्मक कविताएँ प्रस्तुत करके शांति का प्रस्ताव रखा और अंततः किले पर पूर्ण विजय प्राप्त किये बिना ही उसने आत्मसमर्पण कर दिया गया।
  - **कुतुबुद्दीन ऐबक (13वीं शताब्दी के प्रारंभ में):** दिल्ली सल्तनत की स्थापना के बाद, **मुहम्मद गौरी** के सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक ने कालिंजर पर अधिकार कर लिया, जिससे यह दुर्ग **मुस्लिम शासन** में आ गया।
  - **शेरशाह सूरी (1545 ई.):** 13 मई, 1545 को कालिंजर दुर्ग की घेराबंदी के दौरान **बारूद विस्फोट** में शेरशाह सूरी की मृत्यु हो गई।
  - **मुगल (1569 ई.):** शेरशाह की मृत्यु के पश्चात्, **अकबर** के शासनकाल में 1569 ई० में मुगलों ने कालिंजर पर अधिकार किया। अकबर के **नवरत्नों** में से एक **राजा बीरबल** को यह दुर्ग **जागीर** स्वरूप प्रदान किया गया।
  - **अंग्रेज़ (1812–1817 ई.):** 1812 ई० में अंग्रेज़ अधिकारी **कर्नल मार्टिंडेल** की घेराबंदी के बाद स्थानीय शासक **दरियाव सिंह** ने दुर्ग समर्पित कर दिया। इसके पश्चात् कालिंजर ब्रिटिश नियंत्रण में आ गया।
  - **1857 का विद्रोह:** इस विद्रोह के दौरान दुर्ग की मज़बूत प्राचीरों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, परंतु 1866 ई० में इसे **ध्वस्त कर दिया गया**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश में हरित हाइड्रोजन उत्पादन केंद्र की स्थापना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण** कदम के रूप में राज्य सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में हरित हाइड्रोजन उत्पादन और **ऊर्जा नवाचार** को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **जापान** का दौरा किया।

प्रमुख बिंदु

- **ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र**
  - जापानी उद्यमियों ने उत्तर प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के लिये उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, जो राज्य के **नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य** में एक महत्त्वपूर्ण विकास को चिह्नित करता है।
  - यह सहयोग अत्याधुनिक **अनुसंधान, नवाचार** और **सतत् ऊर्जा समाधानों** को अपनाने के लिये **उत्प्रेरक** का काम करेगा।
- **शून्य-उत्सर्जन परिवहन पर ध्यान केंद्रित**
  - इस यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने अगली पीढ़ी की तकनीकों का अवलोकन किया, जिसमें हाइड्रोजन ईंधन सेल पर आधारित **टोयोटा मिराई वाहन** प्रमुख रहा।
  - यह वाहन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से चलता है तथा उप-उत्पाद के रूप में केवल **जल का उत्सर्जन** करता है, जो राज्य की शून्य-उत्सर्जन परिवहन नीति के अनुरूप है।
- **जापान की विशेषज्ञता से सीखना**
  - उत्तर प्रदेश **प्रतिनिधिमंडल** ने जापान के यामानाशी प्रांत में कई उन्नत सुविधाओं का दौरा किया, जैसे कि **NESRAD ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र** और संटोरी हाकुशू डिस्टिलरी, जहाँ पावर-टू-गैस तकनीक संयंत्र तथा हाइड्रोजन अनुसंधान केंद्र स्थित हैं।
  - इन दौरों ने हाइड्रोजन उत्पादन और **स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** में वैश्विक श्रेष्ठ मानकों की महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।
- **उत्तर प्रदेश के लिये निहितार्थ**
  - **नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार:** ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ताओं के साथ यह साझेदारी राज्य में सौर, जलविद्युत और बायोमास सहित **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** को बढ़ाएगी।
  - **प्रौद्योगिकीय उन्नति:** जापानी हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक को अपनाने से स्वच्छ और सतत् परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी और वैकल्पिक ऊर्जा **स्रोतों** के माध्यम से राज्य के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों की पूर्ति में सहायता मिलेगी।
  - **आर्थिक वृद्धि एवं नवाचार: सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** उत्तर प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा का केंद्र बनाएगा, जिससे निवेश आकर्षित होंगे, **नवाचार को बढ़ावा** मिलेगा और **नये व्यवसायों** एवं **रोज़गार के अवसरों** का सृजन होगा।

उत्तर प्रदेश की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता

प्रकार	मेगावाट (30-06-2025 तक)
हाइड्रो (बड़ी + लघु)	551
सौर	3427

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन ब्रह्मांड का **सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व** है, लेकिन पृथ्वी पर, **द्रव्यमान** के आधार पर यह पृथ्वी की भू-पर्पटी का केवल **0.14%** है, जो **10वें सबसे प्रचुर तत्त्व** के रूप में स्थान रखता है।
  - हाइड्रोजन का प्रकार उसके **निर्माण की प्रक्रिया** पर निर्भर करता है:
- **ग्रीन हाइड्रोजन** का उत्पादन **नवीकरणीय ऊर्जा** (जैसे **सौर**, **पवन**) का उपयोग करके पानी के **इलेक्ट्रोलिसिस** द्वारा किया जाता है। इसका कार्बन फुटप्रिंट कम होता है।
  - इस प्रक्रिया में **विद्युत धारा जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन** में विभाजित करती है।
  - **उप-उत्पाद:** जल, जलवाष्प।
- **ब्राउन हाइड्रोजन:** इसका उत्पादन कोयले का उपयोग करके किया जाता है, जहाँ उत्सर्जन हवा में छोड़ दिया जाता है।
- **ग्रे हाइड्रोजन:** इसे प्राकृतिक गैस से तैयार किया जाता है और इसमें भी संबंधित उत्सर्जन वायुमंडल में छोड़े जाते हैं।
- **ब्लू हाइड्रोजन:** इसका उत्पादन भी **प्राकृतिक गैस** से होता है, किंतु इसमें उत्पन्न उत्सर्जन को कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) तकनीक द्वारा **संगृहीत** किया जाता है, जिससे वातावरण में उत्सर्जन नहीं होता।

मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ का सबसे लंबा कार्यकाल

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर बने रहने का नया रिकॉर्ड बनाया है।

प्रमुख बिंदु

- **योगी आदित्यनाथ का कार्यकाल:**
  - उन्होंने **8 वर्ष, 4 माह और 10 दिन** का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है, जिससे उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत द्वारा बनाए गए **8 वर्ष और 127 दिन** के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।
  - गोविंद बल्लभ पंत, जिन्होंने वर्ष **1947 से 1954** तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया, राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री थे और उन्होंने उत्तर प्रदेश की प्रारंभिक राजनीतिक संरचना में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई थी।
- **योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक यात्रा:**
  - योगी आदित्यनाथ ने वर्ष **2017** में पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जब उन्होंने विधानसभा चुनावों में **प्रचंड बहुमत** से जीत प्राप्त की।
  - इसके पश्चात वे वर्ष **2022** में पुन: सत्ता में लौटे, जिससे वे **पिछले 37 वर्षों में पहले ऐसे व्यक्ति** बने जिन्होंने उत्तर प्रदेश में **लगातार दो बार मुख्यमंत्री पद** प्राप्त किया और उनका कार्यकाल **बिना किसी व्यवधान के** जारी रहा।
- **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों का कार्यकाल**
  - **योगी आदित्यनाथ:** 8 वर्ष, 4 महीने और 10 दिन (वर्तमान)
  - **गोविंद बल्लभ पंत:** 8 वर्ष, 127 दिन (संयुक्त प्रांत के प्रधानमंत्री (1946-1950) और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री (1950-1954)
  - **मायावती:** 7 वर्ष, 16 दिन

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मुलायम सिंह यादव:** 6 वर्ष, 274 दिन (3 बार मुख्यमंत्री रहे)
- **संपूर्णानंद:** 5 साल 345 दिन
- **अखिलेश यादव:** 5 साल, 4 दिन
- **नारायण दत्त तिवारी:** 3 वर्ष, 314 दिन (3 बार मुख्यमंत्री रहे)

योगी आदित्यनाथ के बारे में

- **जन्म एवं प्रारंभिक जीवन:**
  - योगी आदित्यनाथ का जन्म **5 जून 1972** को **उत्तराखंड** में हुआ।
  - उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा विज्ञान विषय में ली, परंतु सामाजिक समस्याओं से उत्पन्न असंतोष के कारण मात्र **22 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन का त्याग** कर संन्यास ग्रहण किया।
- **आध्यात्मिक यात्रा:**
  - महंत अवैद्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में योगी आदित्यनाथ ने वर्ष **1994 में मात्र 22 वर्ष की आयु में** गोरक्षनाथ पीठ के उत्तराधिकारी व पीठाधीश्वर का पद ग्रहण किया।
  - **नाथ पंथ परंपरा** में निहित उनका आध्यात्मिक मार्ग सामाजिक सुधारों, हिंदू पुनर्जागरण और आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित था।
- **राजनीतिक जीवन:**
  - वर्ष **1998 में 26 वर्ष की आयु में** योगी आदित्यनाथ **सबसे कम उम्र के सांसद** के रूप में **गोरखपुर से** लोकसभा के लिये निर्वाचित हुए।
  - इसके पश्चात उन्होंने वर्ष **1999, 2004, 2009 और 2014** में लगातार गोरखपुर से चुनाव जीतकर **अपनी राजनीतिक स्थिति** को मज़बूत किया।

UPSIFS में पुलिसिंग कौशल बढ़ाने हेतु पाठ्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान (UPSIFS) में **'वर्टिकल इंटरेक्शन कोर्स'** का उद्घाटन किया, जो पुलिस प्रणाली में कानूनी, तकनीकी और फोरेंसिक विशेषज्ञता को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - **पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPRD)** द्वारा समर्थित इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को **अंतरविषयक कौशल** प्रदान करना है ताकि वे **नवाचारी अपराधों**, विशेष रूप से साइबर अपराध का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।
  - DGP ने **आधुनिक अपराधों से निपटने में कानून, तकनीक और फोरेंसिक विज्ञान** के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम इन तीनों को **एकीकृत रूप में प्रस्तुत** करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उन्नत डिजिटल डायग्नोस्टिक लैब का उद्घाटन:**
  - DGP ने UPSIFS में **नवविकसित 'उन्नत डिजिटल डायग्नोस्टिक लैब'** का भी उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य **प्रायोगिक न्यायालयिक प्रशिक्षण** प्रदान करना है।
  - उन्होंने कहा कि **अपराध का स्वरूप अब डिजिटल हो गया है** और साइबर अपराधियों के तेज़ी से बदलते तरीकों का सामना करने हेतु पुलिस को **हर स्तर पर तकनीकी प्रशिक्षण** अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा।
- **BPRD के साथ सहयोग:**
  - संस्थान के संस्थापक निदेशक **जी.के. गोस्वामी** ने बताया कि **BPRD के सहयोग से दो विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ** किये गए हैं। पहले बैच में **IPS अधिकारियों का प्रशिक्षण उसी दिन प्रारंभ** हुआ।
  - उन्होंने कहा कि अपराधों की **समग्र जाँच** के लिये **कानूनी एवं वैज्ञानिक ज्ञान का एकीकरण** आवश्यक है। उन्होंने संस्थान की सोच को **"Law with Lab"** के रूप में परिभाषित किया।
- **महत्त्व:**
  - यह पहल आधुनिक पुलिस व्यवस्था में **कानून, प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक के एकीकरण में** एक महत्त्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है, जिसमें डिजिटल युग में जटिल अपराधों से निपटने के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने की क्षमता है।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR&D)

- **स्थापना एवं उद्देश्य:**
  - इसकी स्थापना आधिकारिक तौर पर भारत सरकार द्वारा 28 अगस्त 1970 को **गृह मंत्रालय** के अधीन की गई थी।
  - ब्यूरो का प्राथमिक उद्देश्य भारत में पुलिस बल का आधुनिकीकरण करना था। BPR&D के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:
    - पुलिस से संबंधित मुद्दों में प्रत्यक्ष और सक्रिय रुचि लेना
    - पुलिस समस्याओं पर तीव्र और व्यवस्थित अनुसंधान को बढ़ावा देना
    - पुलिस के तरीकों और **तकनीकों में सुधार के लिये विज्ञान** तथा **प्रौद्योगिकी का प्रयोग**
- **कार्यक्षेत्र का विस्तार:**
  - समय के साथ BPR&D के कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जैसे:
  - **वर्ष 1983:** BPR&D के अधीन न्यायालयिक विज्ञान निदेशालय (Directorate of Forensic Sciences) की स्थापना की गई, जिससे पुलिस जाँच में फोरेंसिक विज्ञान के बढ़ते महत्त्व को दर्शाया गया।
  - **वर्ष 1995:** भारत सरकार ने BPR&D को **कारावास प्रशासन**, विशेषकर **जेल सुधारों** से संबद्ध कार्य सौंपे ताकि बदलते समय में जेल प्रबंधन की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।
  - वर्ष **2008 में,** BPR&D की देखरेख में राष्ट्रीय पुलिस मिशन का निर्माण किया गया, जिसका उद्देश्य पुलिस बलों का और अधिक आधुनिकीकरण करना तथा आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने की उनकी क्षमता को बढ़ाना था।
  - **वर्ष 2021** में BPR&D की ज़िम्मेदारियों में एक बार फिर विस्तार हुआ, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्य शामिल हुए:
    - थल और समुद्री सीमा प्रबंधन
    - केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के लिये क्षमता निर्माण
    - नवाचारपूर्ण आपराधिक विधियों और विकसित होती सुरक्षा चुनौतियों का समाधान

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विद्युत सखी कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार के 'विद्युत सखी' कार्यक्रम ने राजस्व संग्रहण एवं ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। **राजस्व वसूली में 11 गुना वृद्धि** इस कार्यक्रम की **विस्तारशीलता, दक्षता** और समुदाय में **विद्युत सखियों की पहुँच व विश्वास** को दर्शाती है।

प्रमुख बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:**
  - यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के **ग्रामीण विकास विभाग** द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) के अंतर्गत प्रारंभ किया गया था। जिसका दोहरा उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के लिये रोज़गार के अवसर सृजित करना और **बिजली बिल संग्रहण** की चुनौती को हल करना था।
  - यह **ग्रामीण महिलाओं** (मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों से) को बिजली बिल संग्रह के कार्य में में नियोजित कर रोज़गार के अवसर प्रदान करता है।
  - यह पहल ऐसे समय में विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण थी जब **ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों का पलायन** और **रोज़गार क्षति** के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव था।।
- **प्रभाव क्षेत्र:**
  - अब तक लगभग **15,000 विद्युत सखियाँ राजस्व संग्रहण** में सक्रिय रूप से संलग्न हैं, जिन्होंने सरकार के लिये **कुल 2,000 करोड़ रुपए** एकत्र किये हैं।
  - इस कार्यक्रम में **30,000 महिलाएँ UPSRLM के साथ पंजीकृत** हैं।
  - वर्ष **2024 में 14,000 महिलाओं को प्रशिक्षित** कर नए बैच के रूप में विद्युत सखियों के रूप में तैनात किया गया।
- **लाभ:**
  - वित्त वर्ष **2024-25 में विद्युत सखियों ने लगभग 13.4 करोड़ रुपए** बतौर कमीशन अर्जित किये।
  - उन्होंने वन टाइम सेटलमेंट (OTS) योजना के तहत **303 करोड़ रुपए** संगृहीत किये, जिससे **3.5 करोड़ रुपए** कमीशन मिला।
  - कुल **438 विद्युत सखियाँ** 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, जिन्होंने SHG से जुड़ी महिलाओं को **वर्षिक 1,00,000 रुपए या अधिक** की आय दिलाने में भूमिका निभाई।
- **राजस्व वृद्धि:**
  - वर्ष 2021-22 में विद्युत सखियों ने 87 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र किया था, जो **2024-25 में बढ़कर 1,045 करोड़ रुपए** हो गया अर्थात् **11 गुना से अधिक वृद्धि**।
  - वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में ही 256 करोड़ रुपए की वसूली हुई है और उम्मीद है कि यह पिछले वर्ष के आँकड़ों को पार कर जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

लखपति दीदी पहल

- **परिचय**
  - लखपति दीदी **स्वयं सहायता समूह** (SHG) की वह सदस्य होती है, जिसने सफलतापूर्वक एक **लाख रुपए** या उससे अधिक की वार्षिक घरेलू आय प्राप्त कर ली हो।
  - यह आय कम-से-कम **चार कृषि मौसमों** या **व्यावसायिक चक्रों** तक बनी रहती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि औसत मासिक आय **10 हज़ार रुपए** से अधिक है।
  - इसकी शुरुआत दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) द्वारा की गई थी, जिसमें प्रत्येक SHG परिवार को **मूल्य शृंखला हस्तक्षेपों** के साथ-साथ कई **आजीविका गतिविधियों** को अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष **1,00,000 रुपए** या उससे अधिक की **स्थायी आय** प्राप्त होती है।
- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य न केवल **महिलाओं की आय में सुधार** करके उन्हें **सशक्त** बनना है, बल्कि **स्थायी आजीविका** के माध्यम से उनके जीवन में बदलाव लाना भी है।
  - ये महिलाएँ अपने समुदायों में **प्रेरणास्रोत** के रूप में कार्य करती हैं और **संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन** व **उद्यमशीलता** की शक्ति को प्रदर्शित करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस और उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

प्रत्येक वर्ष **29 जुलाई** को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस (ITD) के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बाघों के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति **सजगता** तथा **प्रतिबद्धता** को पुनः स्मरण कराना है।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस बारे में:**
  - इसकी स्थापना वर्ष 2010 में **रूस** में सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।
    - यह शिखर सम्मेलन बाघों की संख्या में चिंताजनक गिरावट के बाद आयोजित किया गया था, उस समय वनों में **लगभग 3,000 बाघ** ही बचे थे।
  - इस शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश, नेपाल, भारत और रूस सहित **13 बाघ-क्षेत्रीय राष्ट्र** एक साथ आए, जिसका **उद्देश्य बाघों की घटती संख्या की समस्या का समाधान** करना था।
  - इस सम्मेलन में Tx2 लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसका उद्देश्य **2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना** करना था। यद्यपि इस लक्ष्य की प्राप्ति में चुनौतियाँ बनी रहीं, लेकिन इससे **अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों की नींव** रखी गई।
- **अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 का विषय:**
  - स्थानीय समुदायों और आदिवासी जनों के सहयोग से बाघों का भविष्य सुरक्षित करना"
- **पारिस्थितिकी तंत्र में बाघों की भूमिका:**
  - बाघ एक की-स्टोन प्रजाति (keystone species) हैं, जो **शिकार प्रजातियों की जनसंख्या नियंत्रण** में भूमिका निभाते हैं।
  - बाघ-आधारित वन **जल सुरक्षा** सुनिश्चित करते हैं और कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे **जलवायु परिवर्तन से निपटने** में सहायता मिलती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या

बाघों की संख्या में वृद्धि:

- उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या में **लगातार वृद्धि** देखी गई है (वर्ष **2018 में 173 से बढ़कर 2022 में 222 बाघ** हो गए हैं।), **जिसमें दुधवा टाइगर रिज़र्व** जैसे प्रमुख अभ्यारण्य अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इस अभ्यारण्य में अब **135 बाघ हैं,** जो वर्ष **2014 में 68** और वर्ष **2018 में 82 थे।**
- अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में **पीलीभीत (63 बाघ), अमानगढ़ (20 बाघ)** और **रानीपुर (4 बाघ) शामिल हैं।**
- राज्य में बाघ संरक्षण की सफलता का श्रेय कई कारकों को दिया जाता है, जिनमें बेहतर **आवास प्रबंधन,** आधुनिक **गश्त प्रणाली** और **बाघ मित्र** जैसी पहल के माध्यम से अधिक सामुदायिक भागीदारी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बाघ मित्र पहल:**
  - **वर्ष 2019 में शुरू की गई** बाघ **मित्र पहल ने मानव-वन्यजीव संघर्ष को** कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - **वर्ष 2023** में, **एक मोबाइल ऐप** के साथ इस कार्यक्रम का विस्तार किया गया, जिससे **वन कर्मियों और स्थानीय समुदायों के बीच त्वरित संचार** संभव हो सका।
  - इस पहल के तहत **पीलीभीत** में **120 से अधिक ग्रामीणों को बाघ मित्र** के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, जो **व्हाट्सएप** और आधिकारिक ऐप के माध्यम से जानवरों के देखे जाने की सूचना देने के लिये ज़िम्मेदार हैं।
- **M-Stripes प्रणाली और गश्ती प्रबंधन:**
  - **M-Stripes प्रणाली** के अंतर्गत वन कर्मचारी **दुधवा क्षेत्र में प्रतिमाह 1.5 लाख किमी से अधिक** की गश्ती करते हैं।
  - इस प्रणाली में **वाहनों, नौकाओं, हाथियों, साइकिलों और पैदल गश्ती** जैसे विभिन्न साधनों का उपयोग किया जाता है।

पवित्र जल विनिमय कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

28 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने **काशी विश्वनाथ मंदिर** और **श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग** के बीच **पवित्र जल विनिमय कार्यक्रम** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - यह **विनिमय कार्यक्रम** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की **काशी-तमिल संगमम् पहल** का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य **काशी (वाराणसी)** और **तमिलनाडु** के लोगों के बीच **घनिष्ठ संबंधों** को बढ़ावा देना है।
- **पवित्र जल और रेत का विनिमय:**
  - इस **विनिमय** के अंतर्गत **कलशों** में भरा गया पवित्र जल और रेत शामिल थे- **प्रयागराज के त्रिवेणी संगम** (गंगा, यमुना तथा पौराणिक सरस्वती का संगम) का पवित्र जल एवं रेत व **रामेश्वरम् कोड़ी तीर्थम्** (तमिलनाडु स्थित रामेश्वरम् मंदिर का पवित्र जल)।
  - इनका आदान-प्रदान **श्री रामेश्वरम् ज्योतिर्लिंग** के **देवकोट्टई ज़मींदार फैमिली ट्रस्ट (DZFT)** के प्रतिनिधियों और **काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट** के अधिकारियों के बीच संपन्न हुआ।
  - **आदान-प्रदान किये गए जल** का उपयोग **भगवान विश्वनाथ** और **भगवान रामनाथस्वामी** दोनों के **जलाभिषेक (अनुष्ठान स्नान)** के लिये किया जाएगा।
- **आगामी अनुष्ठान:**
  - **भगवान विश्वनाथ** का जलाभिषेक **श्रावण पूर्णिमा, 9 अगस्त 2025** को **रामेश्वरम से लाए गए जल** से किया जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - यह पहल **काशी और तमिलनाडु** के बीच **संबंधों को मज़बूत** करती है, साथ ही **शास्त्रों में वर्णित एक पवित्र परंपरा** को **भावी पीढ़ियों** के लिये **पुनर्जीवित** तथा **संरक्षित** करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

काशी तमिल संगमम

- **परिचय**
  - यह एक **सांस्कृतिक पहल** है, जिसका उद्देश्य तमिलनाडु और काशी (वाराणसी) के बीच **ऐतिहासिक** तथा **सांस्कृतिक संबंधों** का उत्सव मनाना एवं **प्राचीन सभ्यतागत बंधन** को मज़बूत करना है।
  - यह आयोजन **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** पहल के अनुरूप है, जो भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत के एकीकरण को बढ़ावा देती है।
  - **काशी-तमिल संगमम् (KTS 3.0)** का **तीसरा संस्करण** उत्तर प्रदेश के **वाराणसी** में **फरवरी 2025** में आयोजित हुआ, जो तमिलनाडु और काशी के बीच **सांस्कृतिक संगम** का प्रतीक है।
- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - काशी (उत्तर प्रदेश) और तमिलनाडु के बीच **ऐतिहासिक संबंध 15वीं शताब्दी** से चले आ रहे हैं, जब **मदुरै के राजा पराक्रम पांड्य** अपने मंदिर (शिवकाशी, तमिलनाडु) के लिये एक पवित्र शिवलिंग लाने हेतु काशी गए थे।
  - पांड्य शासकों ने केरल सीमा के निकट **दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु** में स्थित **तेनकाशी** में **काशी विश्वनाथ मंदिर** की भी स्थापना की।
  - यह गहन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध **काशी तमिल संगमम्** पहल के सार को रेखांकित करता है।

मौसम सूचना नेटवर्क एवं डाटा प्रणाली (WINDS) परियोजना

चर्चा में क्यों ?

राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिये आवंटित कुल 60 करोड़ रुपए में से **मौसम सूचना नेटवर्क और डाटा सिस्टम (WINDS) परियोजना** के लिये 9.77 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - WINDS एक **कार्यक्रमगत पहल** है जिसका उद्देश्य देश में **मौसम डाटा अवसंरचना को सशक्त बनाना** तथा एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म से **उत्तम गुणवत्ता वाले मौसम डाटा सेट** उपलब्ध कराना है।
  - इसे **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** द्वारा **जुलाई 2023** में प्रारंभ किया गया था। यह एक **राष्ट्रीय स्तर की पहल** है, जो **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)**, विभिन्न **राज्य सरकारों** तथा **सार्वजनिक/निजी तकनीकी संस्थानों** की मौजूदा अवसंरचना एवं विशेषज्ञता को समेकित करती है।
- **उद्देश्य:**
  - WINDS परियोजना का उद्देश्य **अत्यधिक स्थानीय मौसम पूर्वानुमान** उपलब्ध कराकर **कृषि उत्पादकता को बढ़ाना** है।
- **प्रमुख घटक**
  - परियोजना के अंतर्गत **ब्लॉक एवं पंचायत स्तर** पर **मौसम स्टेशनों** और **वर्षा मापी यंत्रों (Rain Gauges)** की स्थापना की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मौसम स्टेशन:** चयनित ब्लॉकों में कुल **308 स्वचालित मौसम स्टेशनों** की स्थापना की जाएगी, जो स्थानीय स्तर पर **सटीक एवं वास्तविक समय पर मौसम डाटा** उपलब्ध कराएंगे।
- **वर्षामापी यंत्र:** वर्षा को मापने और **स्थानीय वर्षा पैटर्न** निर्धारित करने के लिये **ग्राम पंचायतों** में लगभग **55,570 वर्षामापी यंत्र** स्थापित किये जाएंगे।

अतिरिक्त बुनियादी ढाँचा:

- **राजस्व विभाग** और **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** द्वारा 518 मौसम केंद्रों का निर्माण कार्य चल रहा है।

अपेक्षित लाभ:

- **कृषि उत्पादकता:** सटीक मौसम पूर्वानुमानों के माध्यम से किसान **सूखा, बाढ़ एवं तूफानों** जैसे **चरम मौसमीय घटनाओं** के लिये बेहतर ढंग से तैयार रह सकेंगे।
- इससे किसानों को अपनी **फसलों की सुरक्षा** के लिये **पूर्व-निवारक उपाय** करने तथा **इष्टतम कटाई समय** की योजना बनाने में मदद मिलेगी।
- **जोखिम मूल्यांकन एवं हानि आकलन:** WINDS, चरम मौसम की स्थिति के दौरान बागवानी फसलों को होने वाले नुकसान का आकलन करने में सहायता करेगा, जिससे हितधारकों को प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने में मदद मिलेगी।
- **फसल बीमा एवं कृषि कार्यक्रम:** इस परियोजना से प्राप्त **मौसम डाटा** का उपयोग **फसल बीमा निर्धारण** तथा अन्य **कृषि कार्यक्रमों** में किया जाएगा, जिससे समग्र **कृषि उत्पादकता में वृद्धि** होगी।
- **वायु गुणवत्ता निगरानी:** यह परियोजना **कम लागत वाले, विश्वसनीय सेंसर आधारित प्रणालियों** के विकास द्वारा वायु गुणवत्ता निगरानी को भी बेहतर बनाने पर केंद्रित है।
- **तकनीकी लाभ:** WINDS कृषि के लिये कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने के लिये उन्नत मौसम डाटा विश्लेषण का उपयोग करता है।
- इस प्रणाली का उद्देश्य **अति-स्थानीय मौसम डाटा उत्पन्न** करना है, जो किसानों को **सिंचाई, बुवाई** और **कटाई** के संबंध में **सूचित निर्णय** लेने में सहायता करेगा।

खिलाड़ियों को रोज़गार देकर सम्मानित किया

चर्चा में क्यों ?

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित उत्तर प्रदेश सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि खेलों को बढ़ावा देने के लिये राज्य की प्रतिबद्धता के तहत **उत्तर प्रदेश में 500 से अधिक एथलीटों को सरकारी नौकरी** प्रदान की गई है।

मुख्य बिंदु

कुश्ती पुरस्कार एवं सम्मान:

- कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान, मुख्यमंत्री ने विजेताओं को **यूपी केसरी, यूपी कुमार** और **यूपी वीर अभिमन्यु** जैसे प्रतिष्ठित खिताब प्रदान किये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पुरस्कार विजेताओं में शामिल थे:**
  - **यूपी केसरी:** जोंटी भाटी (गौतम बौद्ध नगर) को **1.01 लाख रुपए** और एक गदा मिली।
  - **यूपी कुमार:** सौरभ (गोरखपुर) को **1.01 लाख रुपए** और एक गदा मिली।
  - **यूपी वीर अभिमन्यु:** मोनू (गोंडा) को **51,000 रुपए** और एक गदा मिली।
- मुख्यमंत्री ने प्रत्येक श्रेणी में तीसरे स्थान के विजेताओं को **21,000 रुपए और** चौथे स्थान के विजेताओं को **11,000 रुपए का पुरस्कार भी प्रदान किया।**

एथलीटों के लिये सरकारी नौकरियाँ:

- राज्य की खेल नीति के तहत, ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, **विश्व चैंपियनशिप** और राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एथलीटों को सरकारी रोज़गार प्रदान किया जा रहा है।

खेल अवसंरचना विकास:

- **मुख्यमंत्री ने गाँव, ब्लॉक और ज़िला स्तर** पर **खेल अवसंरचना** विकसित करने के लिये वित्त आठ वर्षों में सरकार के प्रयासों पर ज़ोर दिया।
  - प्रमुख विकास कार्यों में ग्राम स्तर पर खेल मैदानों का निर्माण, ब्लॉक स्तर पर **मिनी स्टेडियमों का निर्माण तथा** ज़िला स्तर पर पूर्ण **स्टेडियमों का निर्माण शामिल है।**

व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में खेलों की भूमिका:

- खेलों के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए उन्होंने प्राचीन भारतीय दर्शन के एक वाक्यांश को उद्धृत किया, **"शरीर मध्यम खलु धर्म साधनम"**, जिसका अर्थ है कि धार्मिक कर्त्तव्यों की पूर्ति के लिये एक **स्वस्थ शरीर आवश्यक है।**

उत्तर प्रदेश खेल नीति 2023

उत्तर प्रदेश खेल विकास निधि (UPSD Fund) का निर्माण: बुनियादी ढाँचे, एथलीटों, संघों और अकादमियों, विशेष रूप से संसाधनों की कमी वाले अकादमियों को समर्थन देने के लिये 10 करोड़ रुपए का कोष।

संस्थागत समर्थन: खेल नीति, प्रतिभा मानचित्रण और बुनियादी ढाँचे के विकास के प्रबंधन के लिये एक राज्य खेल प्राधिकरण का गठन।

उत्कृष्टता केंद्र एवं बुनियादी ढाँचा:

- **पीपीपी मॉडल** के अंतर्गत **14 खेल-विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र**।
- **उत्कृष्ट प्रशिक्षण** के लिये **पाँच उच्च प्रदर्शन केंद्र**।
- प्रत्येक **ज़िले** में बेहतर सुविधाओं (छात्रावास, फिटनेस विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञ) के साथ **खेल केंद्र**।
- **ज़िला, ब्लॉक और ग्राम स्तर** के **खेल बुनियादी ढाँचे** (स्टेडियम, मिनी स्टेडियम, खेल के मैदान) पर **ध्यान केंद्रित करना**।

एथलीट विकास: एथलीटों को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है:

- ग्रासरूट (शुरुआती)
- विकासात्मक (प्रतिभाशाली)
- एलीट (शीर्ष प्रदर्शनकर्ता)

समावेशिता पर ध्यान केंद्रित करना:

- महिलाओं की भागीदारी और पैरा-एथलीटों (विशेष प्रशिक्षकों के साथ) पर विशेष ज़ोर देना।
- आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत खिलाड़ियों, कोचों और परिवारों के लिये 5 **लाख रुपए** तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा।
- **राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर** पर **उत्तर प्रदेश** का प्रतिनिधित्व करने वाले **खिलाड़ियों** को **राज्य पेंशन**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ई-स्पोर्ट्स और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना:**
  - आधिकारिक नीति में ई-स्पोर्ट्स को शामिल करने वाला भारत का पहला राज्य।
  - स्वदेशी/स्थानीय खेलों को प्रोत्साहन।
- **शिक्षा से जुड़ाव:**
  - स्कूल की समय-सारिणी में 40 मिनट का खेल, शारीरिक शिक्षा या योग शामिल किया गया।
  - स्कूलों में खेल नर्सरियों/अकादमियों को बढ़ावा देना।
- **खेल उद्योग और पर्यटन:**
  - उत्तर प्रदेश को खेल सामग्री विनिर्माण का केंद्र बनाने के लिये समर्थन (जैसे, मेरठ क्लस्टर)।
  - खेल पर्यटन को बढ़ावा देना।
- **व्यापक प्रतिभा खोज और खेलो इंडिया एकीकरण:**
  - खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में सक्रिय भागीदारी।
  - विश्वविद्यालय और अकादमी प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभा की पहचान।
- **स्वास्थ्य एवं कल्याण उपाय:**
  - **चोट के उपचार** एवं **कल्याण** के लिये **एकलव्य खेल निधि**।
  - **एथलीटों और प्रशिक्षकों** के लिये **व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा**।

उत्तर प्रदेश में बीज पार्क स्थापित

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में **पाँच अत्याधुनिक बीज पार्क** स्थापित करके राज्य को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन में **आत्मनिर्भर** बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मुख्य बिंदु

- **बीज पार्क के बारे में:**
  - बीज पार्क **क्षेत्र-विशिष्ट फसल आवश्यकताओं को पूरा करेंगे और अगले तीन वर्षों** में **2,500 करोड़ रुपए** के निवेश के साथ गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।
  - कृषि विभाग ने मौजूदा बुनियादी ढाँचे (200 से 400+ हेक्टेयर) वाले छह बड़े फार्मों की पहचान की है, जिन्हें बीज उत्पादन के लिये **निजी संस्थाओं को पट्टे** पर दिया जाएगा।
- **स्थान:**
  - बीज पार्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तराई, मध्य उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थापित किये जाएंगे।
  - पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर पहला **बीज पार्क, अटारी, लखनऊ** में स्थापित किया जाएगा।
    - इसमें बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, शीघ्र प्रजनन और संकर प्रयोगशालाओं की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

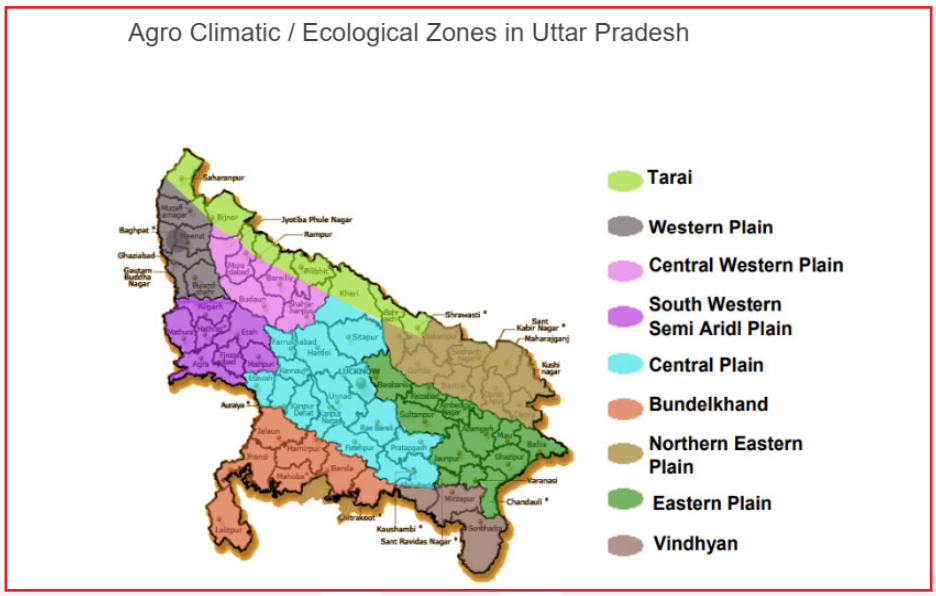

- **मॉडल:**
  - सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल का उपयोग कर रही है, जिसके तहत निजी निवेशकों को 30 वर्षों के लिये भूमि पट्टे पर देने के साथ प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसे 90 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है।
- **लाभ: अपने विस्तृत कृषि आधार** के कारण, उत्तर प्रदेश को इस पहल से बहुत लाभ होगा। प्रमुख लाभों में शामिल हैं:
  - **रोज़गार सृजन:** सभी पाँच पार्कों में लगभग **6,000 प्रत्यक्ष रोज़गार** और **15,000 अप्रत्यक्ष रोज़गार** सृजित होंगे, जिससे लगभग **40,000 बीज उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा।**
  - **बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता:** राज्य को स्थानीय स्तर पर बीज उत्पादन करके, **स्थानीय अर्थव्यवस्था को** मज़बूत करके तथा उत्पादन, रसद और परिवहन में रोज़गार सृजित करके प्रतिवर्ष लगभग 3,000 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।
  - बीज प्रतिस्थापन दर (SRR): इस पहल से **SRR में सुधार** होने की उम्मीद है, जिसका **सीधा असर फसल उत्पादन** पर पड़ेगा।
    - **उत्तर प्रदेश** में देश में **सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि** और **सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र** है, लेकिन **प्रति हेक्टेयर उपज** के मामले में यह **पंजाब** और **हरियाणा** जैसे राज्यों से पीछे है।
- **गुणवत्ता संबंधी मुद्दे:** इन **बीज पार्कों** की स्थापना से **उत्तर प्रदेश के किसानों** के लिये **बेहतर बीज गुणवत्ता** सुनिश्चित होगी।
- **बीज परीक्षण रिपोर्ट 2023-2024** में 1,33,588 परीक्षण नमूनों में से 3,630 में **खराब गुणवत्ता वाले बीजों की पहचान की गई है,** जिसके कारण अंकुरण दर कम होती है, पुन: बुवाई में देरी होती है, भूमि की तैयारी और उर्वरकों में निवेश व्यर्थ होता है तथा अंतत: फसल उत्पादन कम होता है।

उत्तर प्रदेश का पहला ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपण (TAVI)

चर्चा में क्यों ?

कानपुर स्थित **LPS कार्डियोलॉजी संस्थान, वरिष्ठ रोगियों** में **हृदय वाल्व प्रतिस्थापन** के लिये TAVI (Transcatheter Aortic Valve Implantation) की सुविधा प्रदान करने वाला **उत्तर प्रदेश का पहला सरकारी मेडिकल कॉलेज** बन गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- TAVI बिना किसी **गहन आक्रामक प्रक्रिया** के **नया वाल्व प्रत्यारोपित** करके ओपन-हार्ट सर्जरी से बचाता है। यह तकनीक **जोखिम को कम करने** तथा **वरिष्ठ हृदय रोगियों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने** की दिशा में **महत्त्वपूर्ण उपलब्धि** मानी जा रही है।

मुख्य बिंदु

- **TAVI के बारे में:**
  - यह एक **न्यूनतम आक्रामक प्रक्रिया है** जिसमें रोगी के पैर की नस में **कैथेटर डालकर एक नया महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपित किया जाता है।**
  - पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी के विपरीत, TAVI में बड़े चीरों की आवश्यकता नहीं होती, जिससे रिकवरी का समय और जोखिम कम हो जाता है, विशेष रूप से वरिष्ठ रोगियों के लिये।
- **प्रक्रिया और लाभ:**
  - पशु हृदय की झिल्ली से निर्मित नए वाल्व को **क्षतिग्रस्त वाल्व के स्थान पर प्रत्यारोपित किया जाता है।**
  - धातु वाल्वों के विपरीत, जिनमें अधिक जोखिम होता है, **पशु झिल्ली वाल्वों का जीवनकाल** 15 वर्ष का होता है।
- **वैश्विक महत्त्व और इतिहास:**
  - TAVI तकनीक की शुरुआत जर्मन विशेषज्ञ **डॉ. एलेन क्रीबेयर ने 1990 के दशक** के प्रारंभ में की थी और इसे पहली बार वर्ष 2002 में लागू किया गया था।
  - भारत ने वर्ष **2010 में** इस नवीन प्रक्रिया को अपनाया।

मानव हृदय

- **कार्य:**
  - हृदय रक्त वाहिकाओं के माध्यम से पूरे शरीर में रक्त पंप करता है, जिससे **ऑक्सीजन एवं पोषक तत्त्वों** की आपूर्ति होती है तथा **अपशिष्ट पदार्थों** का निष्कासन होता है।
- हृदय की भित्ति (Heart Wall)
  - **एपिकार्डियम:** बाहरी परत
  - **मायोकार्डियम:** मध्य की पेशीय परत (हृदय संकुचन के लिये उत्तरदायी)
  - **एंडोकार्डियम:** भीतरी परत
- **हृदय के कक्ष:**
  - **एट्रिया (ऊपरी कोटरें):** रक्त प्राप्त करते हैं
  - **वेंट्रिकल्स (निचली कोटरें):** रक्त पंप करते हैं
  - **दायाँ हृदय:** दायाँ एट्रियम + दायाँ वेंट्रिकल
  - **बायाँ हृदय:** बायाँ एट्रियम + बायाँ वेंट्रिकल
  - **सेप्टम (झिल्ली):** हृदय के दाएँ और बाएँ भाग को विभाजित करता है
- **हृदय वाल्व:**
  - ये **रक्त के विपरीत प्रवाह** को रोकते हैं और **एक-दिशीय प्रवाह** सुनिश्चित करते हैं।
- **पेसमेकर एवं हृदय गति:**
  - हृदय की गति का नियंत्रण **सिनोएट्रियल (SA) नोड** द्वारा किया जाता है, जो **विद्युत संकेत उत्पन्न** करता है।
  - सामान्य **हृदय गति:** विश्राम की स्थिति में **60–100 धड़कन प्रति मिनट**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **रक्त प्रवाह:**
  - **डीऑक्सीजन युक्त रक्त:** शरीर ⟶ दायाँ एट्रियम ⟶ दायाँ वेंट्रिकल ⟶ फेफड़े (ऑक्सीजन युक्त)
  - **ऑक्सीजन युक्त रक्त:** फेफड़े ⟶ बायाँ एट्रियम ⟶ बायाँ वेंट्रिकल ⟶ शरीर
- **टैकीकार्डिया:**
  - हृदय गति > 100 धड़कन प्रति मिनट
    - तनाव, दवाओं या अंतर्निहित हृदय स्थितियों के कारण।
- **मुख्य तथ्य:**
  - **विलियम हार्वे:** रक्त परिसंचरण की खोज की।
  - **डॉ. क्रिश्चियन बर्नार्ड:** वर्ष 1967 में पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण किया।

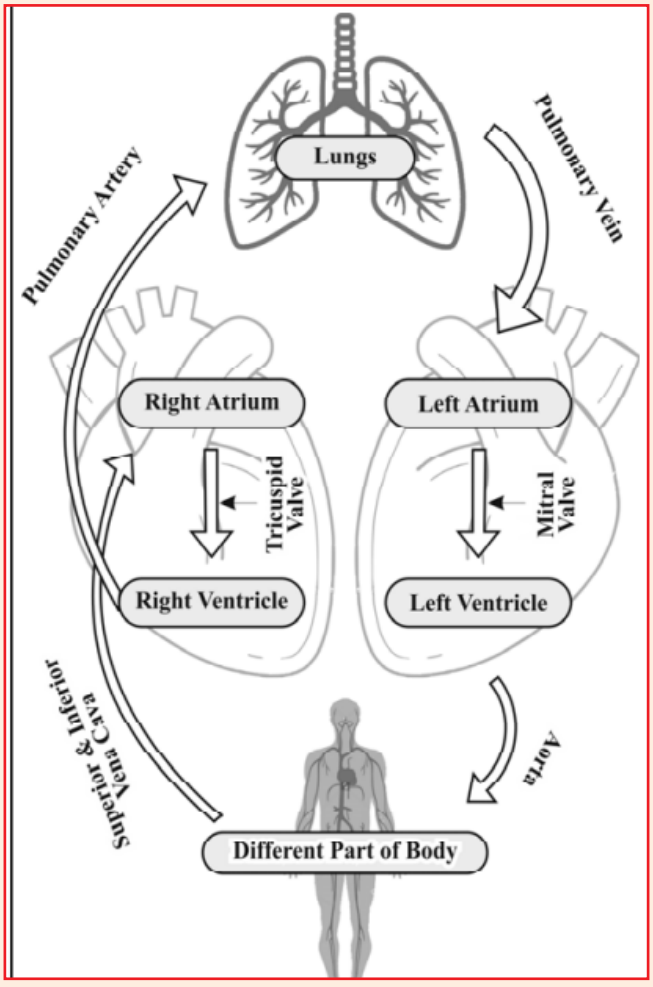

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

दिल्ली अपनाएगी उत्तर प्रदेश का डिजिटल शिकायत निवारण मॉडल

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली शासन में सुधार और **कुशल शिकायत प्रबंधन** सुनिश्चित करने के लिये **उत्तर प्रदेश** की एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (IGRS) तथा सीएम डैशबोर्ड को लागू करेगी।

मुख्य बिंदु

- **IGRS के बारे में:**
  - यह उत्तर प्रदेश में एक **व्यापक शिकायत निवारण प्रणाली है,** जिसका उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग और सभी हितधारकों को शामिल करके सुशासन **को बढ़ावा देना है।**
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - नागरिक आसानी से और सुविधाजनक ढंग से **शिकायत दर्ज करा सकते हैं,** विभिन्न प्लेटफार्मों पर उनकी निगरानी कर सकते हैं तथा गुणवत्ता और समाधान दोनों के संदर्भ में समय पर तथा संतोषजनक प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकते हैं।
  - यह प्रणाली नागरिकों को **सरकारी विभागों/कार्यालयों के साथ पारदर्शी तरीके से बातचीत करने की सुविधा प्रदान करती है,** जिससे संचार प्रक्रिया सुचारू हो जाती है।
  - सभी शिकायतें, चाहे उनका स्रोत कुछ भी हो, **एक ही मंच पर केंद्रीकृत की जाती हैं,** जिससे संबंधित विभागों द्वारा पहुँच, निगरानी और प्रभावी समाधान में सुधार होता है।

यूपी-दर्पण डैशबोर्ड (सीएम डैशबोर्ड)

- मुख्यमंत्री के लिये **यूपी-दर्पण** डैशबोर्ड विभागीय रैंकिंग, ज़िला रैंकिंग, टाइमलाइन शृंखला और सांख्यिकीय ग्राफिकल रिपोर्ट के माध्यम से **परियोजनाओं/योजनाओं की विश्लेषणात्मक समीक्षा** में मदद करता है।
  - दर्पण (देश भर में परियोजनाओं की विश्लेषणात्मक समीक्षा के लिये डैशबोर्ड) राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) **का एक विन्यास योग्य बहुभाषी उत्पाद है।**
    - यह योजना, मूल्यांकन और निगरानी के लिये अधिकारियों के सभी स्तरों (राज्य, प्रभाग, ज़िला) को चयनित सरकारी योजनाओं/परियोजनाओं के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPI) **पर वास्तविक समय डाटा** की प्रस्तुति की सुविधा प्रदान करता है।
    - दर्पण पूर्व निर्धारित आवृत्ति पर डाटा के स्वचालित अद्यतन के लिये **सुरक्षित API** के माध्यम से उपयोगकर्त्ता रिपोजिटरी के साथ निर्बाध प्रमाणीकरण और एकीकरण प्रदान करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सड़क सुरक्षा में एआई अपनाने वाला पहला राज्य

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश, **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** द्वारा अनुमोदित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और बिग डाटा एनालिटिक्स आधारित **सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना** शुरू करने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया है।

- राज्य सरकार ने **परिवहन विभाग** के लिये 'डाटा आधारित प्रशासनिक मॉडल' विकसित करने के लिये अपने बजट 2025-26 में **10 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - पायलट परियोजना को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम **ITI लिमिटेड** द्वारा वैश्विक प्रौद्योगिकी फर्म **एमलॉजिका** के सहयोग से **निःशुल्क क्रियान्वित** किया जाएगा।
  - इस परियोजना के लिये **MoRTH द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है**।
- **व्यापक AI एकीकरण:**
  - यह परियोजना दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान करने और **राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट** का पता लगाने के लिये दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम की स्थिति, वाहन विवरण, चालक रिकॉर्ड और **सड़क बुनियादी ढाँचा** का विश्लेषण करेगी।
  - यह परियोजना डाटा संग्रह एवं **पूर्वानुमानात्मक एआई मॉडल** के निर्माण पर केंद्रित होगी, जिससे **दुर्घटना प्रवृत्तियाँ** एवं **उच्च जोखिम क्षेत्र** पहचाने जा सकें।
- **रीयल-टाइम डैशबोर्ड:**
  - एक डैशबोर्ड विकसित किया जाएगा, जो वाहनों की आवाजाही, उल्लंघन, आय विवरण एवं प्रवर्तन डाटा की **रीयल-टाइम निगरानी** करेगा।
- **धोखाधड़ी का पता लगाना और ई-चालान निगरानी:**
  - यह प्रणाली स्वचालित रूप से **धोखाधड़ी वाले आवेदनों** को चिह्नित करेगी, **वाहन के स्थानों को ट्रैक** करेगी, मौके पर प्रवर्तन में सहायता करेगी और ई-चालान वसूली करेगी।
  - लगभग 5 करोड़ वाहन और 3 करोड़ ड्राइविंग लाइसेंस धारक इस प्रणाली से जोड़े जाएंगे।
  - AI का उपयोग **अन्य परिवहन सेवाओं** में भी किया जाएगा, जैसे, **ड्राइविंग लाइसेंस और परमिट का फेसलेस निर्गमन, आवेदनों की स्वीकृति** तथा **दस्तावेज़ों की प्रिंटिंग** आदि।
- **परियोजना की वैधता:**
  - मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह पहल मोटर वाहन अधिनियम, 1988, केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 तथा सभी **सड़क सुरक्षा मानक प्रक्रियाओं (SOPs)** के अंतर्गत **पूर्णतः विधिसम्मत** होनी चाहिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुंशी प्रेमचंद की जयंती

चर्चा में क्यों ?

मुंशी प्रेमचंद की **145वीं जयंती की पूर्व संध्या** पर **पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव** ने प्रेमचंद और **डाक परिवार के संबंध** को रेखांकित किया।

- उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की आदर्शवाद से यथार्थवाद की यात्रा उनके साहित्य को आज के **सामाजिक परिवेश** में विशेषकर गरीबी, जातिवाद, लिंग भेद तथा शोषण जैसे समकालीन मुद्दों के संदर्भ में, अत्यंत **प्रासंगिक** बनाती है।

मुख्य बिंदु

मुंशी प्रेमचंद के बारे में:

- **परिचय**
  - **मुंशी प्रेमचंद**, जिनका जन्म **31 जुलाई 1880** को **वाराणसी** के पास **लमही गाँव** में **धनपत राय श्रीवास्तव** के रूप में हुआ था, को हिंदी और उर्दू साहित्य में सबसे प्रभावशाली उपन्यासकारों, कहानीकारों और विचारकों में से एक माना जाता है।
  - प्रेमचंद ने पहली असफल शादी के बाद वर्ष 1906 में **शिवरानी देवी** (जो कि एक बाल विधवा थीं) से विवाह किया, जिसे उस समय क्रांतिकारी कदम माना गया।
  - उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी शिवरानी देवी ने **'प्रेमचंद घर में'** शीर्षक से एक **संस्मरण** लिखा।
- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:**
  - प्रेमचंद के पिता **मुंशी अज़ायब लाल** डाक विभाग में **क्लर्क** थे, जबकि माता का नाम **आनंदी देवी** था।
  - उन्होंने बचपन में ही **उर्दू और फारसी** सीख ली थी और **अंग्रेज़ी शिक्षा** के लिये **मिशनरी स्कूल** में प्रवेश लिया।
  - उन्होंने वर्ष **1898 में मैट्रिक** की पढ़ाई पूरी की और वर्ष **1919 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय** से अंग्रेज़ी, फ़ारसी और इतिहास में **स्नातक की डिग्री** प्राप्त की।
- **कार्य-जीवन:**
  - वर्ष 1899 से 1921 तक प्रेमचंद ने एक **स्कूल शिक्षक** और **स्कूलों के उप-निरीक्षक** के रूप में कार्य किया।
  - वर्ष 1921 में गांधी जी के **असहयोग आंदोलन** के समर्थन में उन्होंने सरकारी सेवा से **त्यागपत्र** दे दिया।
- **साहित्यिक जीवन और उपनाम:**
  - शुरुआत में उन्होंने अपने बचपन के उपनाम **'नवाब राय'** से लेखन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- बाद में जब ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने वर्ष 1910 **में उनके संग्रह 'सोज़-ए-वतन'** पर प्रतिबंध लगा दिया, तो उन्होंने **'प्रेमचंद'** नाम अपना लिया।
- उनकी साहित्यिक प्रतिभा के कारण उन्हें समकालीन हिंदी लेखकों द्वारा **'उपन्यास सम्राट'** और **'कलम का जादूगर'** की उपाधि दी गई।

साहित्य में योगदान:

- प्रेमचंद को हिंदी और उर्दू साहित्य में यथार्थवाद का अग्रदूत माना जाता है।
- उन्हें 300 से अधिक लघु कथाएँ और 18 उपन्यास लिखे, जिनमें सबसे उल्लेखनीय हैं **'गोदान', 'कफन', 'पूस की रात' और 'पंच परमेश्वर'**, जो समाज और मानवीय भावनाओं की आलोचना के लिये **आज भी प्रासंगिक हैं।**
- उन्होंने **'ज़माना', 'सरस्वती', 'माधुरी', 'मर्यादा', 'चाँद' और 'सुधा'** जैसी प्रमुख हिंदी और उर्दू पत्रिकाओं में योगदान दिया। उन्होंने प्रमुख हिंदी समाचार-पत्र **'जागरण'** और साहित्यिक पत्रिका **'हंस'** का संपादन और प्रकाशन भी किया।
- प्रेमचंद ने **सरस्वती प्रेस** भी खरीदी, परंतु बाद में आर्थिक घाटे के कारण यह बंद हो गई।
- इसके बाद वे **मुंबई चले गए** जहाँ उन्होंने **फिल्म पटकथाएँ लिखना** प्रारंभ किया।

आधुनिक मान्यता:

- प्रेमचंद की **साहित्यिक विरासत** आज भी उतनी ही **समृद्ध** है। उनकी स्मृति में साहित्य अकादमी द्वारा 2005 में **'प्रेमचंद फैलोशिप'** की स्थापना की गई।
- उनकी अनेक कृतियों पर **फिल्में बनाई गईं**, जिनमें विशेष रूप से **सत्यजीत रे** की फिल्म **'शतरंज के खिलाड़ी' (1977)** उल्लेखनीय है।
- प्रेमचंद की कहानियाँ अनेक **भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं** में अनुवादित की गईं, जिससे वे एक **वैश्विक** साहित्यिक प्रतीक के रूप में स्थापित हुए।
- हिंदी साहित्य में वर्ष **1918 से 1936** का काल **'प्रेमचंद युग'** कहलाता है। इस अवधि में उनके साहित्य ने लगातार सामाजिक न्याय, समानता और स्वतंत्रता जैसे विषयों को उठाया, जो आज भी **प्रासंगिक** हैं।
- भारतीय साहित्य और समाज में उनके **अमूल्य योगदान के सम्मान में** डाक विभाग ने वर्ष 1980 में एक स्मारक **डाक टिकट** जारी किया।

अंतिम वर्ष और विरासत:

- **प्रेमचंद वर्ष 1936** में **अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ** के पहले अध्यक्ष चुने गए।
- **8 अक्तूबर, 1936 को** 56 वर्ष की आयु में वाराणसी में उनका निधन हो गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

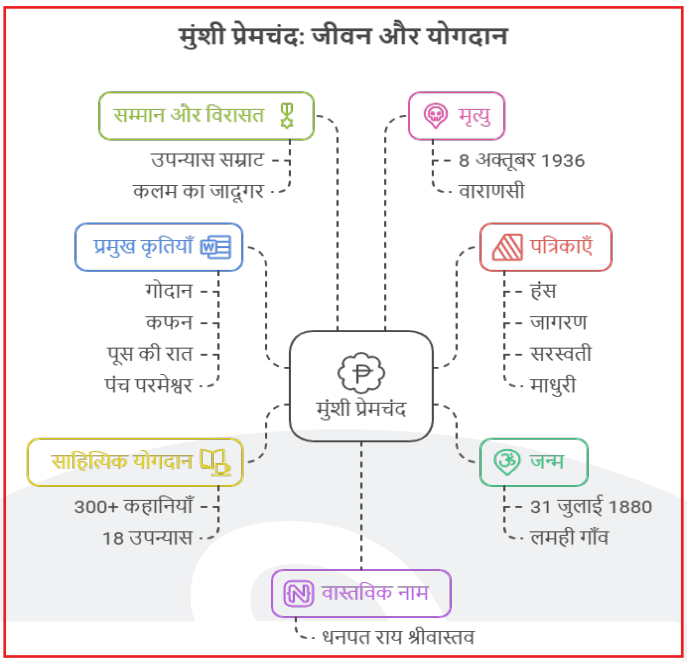

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :